रविवार
25 फरवरी 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



भविष्य का बिहार विषय पर केशव टाइम्स व द भारत नाउ की ओर से मीडिया कॉन्क्लेव का आयोजन

दरियावगंज-पटियाली मार्ग पर ग्राम गरहाई के पास हुआ दु:खद हादसा

उप्र के कासगंज में ट्रैक्टर ट्राली तालाब में पलटने से 27 लोगों की दर्दनाक मौत

- माघ पूर्णिमा के मौके पर गंगा स्नान करने जा रहे थे श्रद्धालु
- पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी ने घटना पर जताया दुख
- सीएम ने मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए देने की घोषणा की

एजेंसी/लखनऊ

कासगंज जिले के थाना दरियावगंज-पटियाली मार्ग पर ग्राम गरहाई के पास माघ पूर्णिमा के मौके पर गंगा स्नान करने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्राली के तालाब में पलट जाने से 27 लोगों की मौत हो गई। ट्रैक्टर-ट्रॉली में 54 लोग सवार थे। इनमें सबसे ज्यादा एटा जिले के थाना जैथरा के गांव कसा के 46 लोग मौजूद थे। ये सभी कादरगंज घाट पर गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। हादसे के बाद गांव में कोहराम मचा हुआ है। घटना के बाद गांव के लोग इकट्ठा हो गए। गांव के लोगों ने राहत-बचाव का काम शुरू कर दिया। हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। हादसे पर पीएम नरेंद्र मोदी ने शोक जताया है। उन्होंने परिजन के लिए सदभावना व्यक्त की है। वहीं यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर संज्ञान लिया है। सीएम ने मृतकों के परिजन के लिए संवेदना व्यक्त की है। इसके साथ ही योगी ने अधिकारियों को मौक पर पहुंचने का आदेश दिया है। उन्होंने घायलों के उचित इलाज के लिए व्यवस्था करने का आदेश दिया है। साथ ही मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार देने की घोषणा की है। जानकारी के अनुसार सभी लोग पटियाली के कादरगंज गंगा घाट पर स्नान करने जा रहे थे।





घायल लोगों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पताल में किया जा रहा है। ऐसी भी आशंका जताई जा रही है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, एटा के जैथरा थाना क्षेत्र कसा पूर्वी गांव से सुबह 50 से ज्यादा ग्रामीण ट्रैक्टर में सवार होकर कादरगंज गंगा घाट पर स्नान के लिए निकले थे। ट्राली में महिलाओं के साथ-साथ बच्चे भी सवार थे। सुबह 11 बजे के आसपास हाईवे पर अचानक ट्रैक्टर की कपलिंग टूट गई और ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर तालाब में जा गिरा और चीख-पुकार मच गई। इसके बाद स्थानीय



ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस ने तालाब से लोगों को बाहर निकालना शुरू किया। सीओ पटियाली विजय राणा ने बताया कि राहत कार्य जारी है।

मृतकों की सूची के अनुसार, शकुंतला (70), ऊष्मा (24), मीरा (65), सपना (22), पुष्पा (45), शिवम (30), देवांशी (छह), सुनयना (10), सिद्धू (डेढ़ वर्ष), कुलदीप (सात), कार्तिक (चार), पायल (दो माह), लड्डू (तीन), संध्या (पांच) दीक्षा (19), गायत्री (52), श्यामलता (40), गुड्डी (75), शिवानी (25), मीरा (55), अंजलि (24) और ज्योति (24) की मौत हो गई।

एक पल में हंसी-खुशी चीत्कार में बदल गई

शनिवार को हादसे से पहले सभी ट्रैक्टर-ट्राली में सवार होकर एटा के जैथरा से कासगंज के कादरगंज गंगाघाट के लिए निकले थे। पूरे रास्ते में हंसी-खुशी का माहौल था और महिलाएं गाना गा रही थीं। जैसे ही ट्रैक्टर-ट्राली पटियाली-दरियावगंज मार्ग के ककराला गांव पहुंची हादसा हो गया। एक पल में मंगलगीतों की धुन चीत्कार में बदल गई। बस एक ही आवाज आ रही थी, हमें बचाओ-हमें बचाओं। चीत्कार इतनी तेज थी कि लोगों का कलेजा फट जा रहा था। आसपास के लोग सभी को बचाने में जुट गए। जिससे जो बन सका वो किया। कोई हाथ पकड़कर बाहर खींचा तो कोई बिना कपड़े उतारे ही बचाने के लिए तालाब में कूद गया। लोगों की समझ में नहीं आ रहा था कि ये हो क्या गया है।

अपने बच्चों के शव को देख बेहोश हो रही थीं महिलाएं

आसपास के ग्रामीण और पुलिस तालाब से लोगों को निकालने में जुटी रही तो वहीं तालाब में डूब चुके लोगों के कपड़े उतराने लगे थे। लोगों की आंखों से बहते आंसू अपनों की तलाश में तालाब से निकलते चेहरों को इस आस में देख रहे थे कि कोई अपना होगा, लेकिन जब अपना नहीं होने की जानकारी होती तो चीत्कार और तेज हो जा रही थी। अगर किसी को अपना मिल जा रहा था तो वो उसे गोदी में उठाकर कुछ कहने के लिए बार-बार कोशिश कर रहा था। लोग अपनों की तलाश में पागल हो रहे थे। आसपास की महिलाएं अन्य औरतों को संभाल रही थीं। अपने बच्चों के शवों को देखकर महिलाएं बेहोश हो जा रही थीं।

बिहार में 20 डीईओ का तबादला.. तीन बनाए गए डीपीओ

पटना। बिहार में 20 जिला शिक्षा पदाधिकारियों का तबादला किया गया है। इसमें तीन डीईओ के पद से हटाकर डीपीओ बनाए गए हैं। इसको लेकर शनिवार को शिक्षा विभाग की ओर से आदेश जारी किया गया है। पूर्वी चंपारण के जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार को पटना की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, पटना के डीईओ अमित कुमार को कटिहार भेजा गया है।

20 अधिकारी हुए इधर से उधर: बांका जिला शिक्षा पदाधिकारी पवन कुमार को पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) का जिला कार्यक्रम पदाधिकारी बनाया गया है। लखीसराय डीईओ विमलेश कुमार चौधरी को मधुबनी जिला कार्यक्रम अधिकारी, बेगूसराय के शमीर्ला राय को भोजपुर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, किशनगंज के सुभाष कुमार गुप्ता को गोपालगंज जिला शिक्षा पदाधिकारी की कुर्सी मिली है। अररिया जिला शिक्षा पदाधिकारी राजकुमार को नालंदा भेजा गया है।

रोहतास जिला शिक्षा पदाधिकारी संजीव कुमार को पूर्वी चंपारण, गया के राजदेव राम को बेगूसराय, शिवहर जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ. ओम प्रकाश को गया, सुपौल के सुरेंद्र कुमार को औरंगाबाद, समस्तीपुर के मदन राय को रोहतास और औरंगाबाद जिला शिक्षा पदाधिकारी संग्राम सिंह को सुपौल भेजा गया है। इसके अलावा कटिहार जिला शिक्षा पदाधिकारी कामेश्वर प्रसाद गुप्ता को समस्तीपुर, कुंदन कुमार को बांका, रश्मि रेखा को जहानाबाद, उप निदेशक मोतीउर रहमान को किशनगंज भेजा गया है। जबकि राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग के यदुवंश राम को लखीसराय जिला शिक्षा पदाधिकारी बनाया गया है।

17-18 फरवरी को हुई यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा-2023 निरस्त

06 माह के भीतर आयोजित होगी परीक्षा : योगी

केटी न्यूज/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते 17 व 18 फरवरी को आयोजित पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा-2023 को निरस्त करते हुए अगले 06 माह के भीतर पूरी शुचिता के साथ दोबारा परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उक्त परीक्षा के संबंध में जारी एसटीएफ की जांच और अब तक की कार्यवाही की समीक्षा करते हुए शनिवार को मुख्यमंत्री ने यह निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं की मेहनत से खिलवाड़ और परीक्षा की शुचिता से समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होनी तय है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर गृह विभाग ने परीक्षा निरस्त करने का आदेश भी जारी कर दिया है।

जारी आदेश के मुताबिक दिनांक 17 व 18 फरवरी, 2024 को सम्पन्न हुई पुलिस भर्ती परीक्षा के संबंध में प्राप्त तथ्यों एवं सूचनाओं के परीक्षण के आधार पर शासन द्वारा सम्यक विचारोपरान्त शुचिता एवं पारदर्शिता के उच्चतम मानकों के दृष्टिगत इस परीक्षा को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। शासन ने भर्ती बोर्ड को यह निर्देश दिए है कि जिस भी स्तर पर लापरवाही बरती गई है उनके विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराकर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। शासन ने प्रकरण की जांच एसटीएफ से कराये जाने का निर्णय लिया है, दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों अथवा संस्थाओं के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही किये जाने के भी निर्देश दिए गए हैं। शासन ने छः माह के अन्दर पूर्ण शुचिता के साथ पुनः परीक्षा आयोजित करने तथा उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की सेवा से अभ्यर्थियों को निःशुल्क सुविधा उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं।

आरओ/एआरओ परीक्षा की शिकायतों की होगी जांच

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा बीते 11 फरवरी को आयोजित की गई समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक) परीक्षा - 2023 से जुड़ी शिकायतों की भी जांच कराने का निर्णय लिया है। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक ने आदेश भी जारी कर दिया है। इसके मुताबिक बीते 11 फरवरी को आयोजित की गई समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक) परीक्षा - 2023 के संबंध में शासन को संज्ञान में लाए गए तथ्यों एवं शिकायतों के दृष्टिगत परीक्षा की शुचिता व पारदर्शिता के उद्देश्य में यह निर्णय लिया गया है कि परीक्षा के संबंध में प्राप्त शिकायतों का शासन स्तर पर परीक्षण किया जाए। आदेश में कहा गया है कि इस परीक्षा के संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत अथवा इसकी शुचिता को प्रभावित करने वाले तथ्यों को संज्ञान में लाना चाहें तो वह अपना नाम तथा पूरा पता तथा साक्ष्यों सहित कार्मिक तथा नियुक्ति विभाग के ई-मेल आईडी. secyappoint@nic.in पर 27 फरवरी तक उपलब्ध करा सकते हैं।



रविवार
25 फरवरी 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



निजी खेल एकेडमी को भी अब प्रोत्साहित करेगी सरकार: योगी 5

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

भविष्य का बिहार विषय पर केशव टाइम्स व द भारत नाउ की ओर से पटना में मीडिया कॉन्क्लेव का आयोजन

बिहार के विकास में लगानी होगी पांच गुना शक्ति: सम्राट

- बोले डिप्टी सीएम- बिहार में बिगड़ चुके कानून व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए डीजीपी को अपने ढंग से कार्रवाई करने की दी गई है छूट
- जल्द ही बालू, शराब और जमीन माफिया पर कसा जाएगा नकेल
- कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बोले- बिहार का अपेक्षित विकास नहीं हुआ

केटी न्यूज/पटना

बिहार के अग्रणी डिजटल मीडिया ग्रुप द भारत नाउ व केशव टाइम्स ने रविवार को भविष्य के बिहार विषय पर एक मीडिया परिचर्चा का आयोजन किया। पटना के लेमन ट्री होटल में आयोजित इस परिचर्चा का उद्घाटन कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा, बिहार सरकार के पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह, कांग्रेस प्रवक्ता राजेश राठौर, आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सहजानंद सिंह, भारत नाउ के चीफ एडिटर राकेश कुमार व केशव टाइम्स के एमडी अरविंद कुमार चौबे ने किया।

कार्यक्रम में उपस्थित बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि यह बदलाव का दौर है, बिहार में मेधा की कमी नहीं है। जिस कारण बिहार का भविष्य काफी सुखमय होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे पास गौरवशाली इतिहास रहा है। यहां के शासकों ने नालंदा, तक्षशिला व विक्रमशीला जैसे विश्व विख्यात विश्वविद्यालयों की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि मगध सम्राज्य का काल पूरे हिन्दुस्तान का स्वर्णिम काल था। उन्होंने कहा कि बिहार में लेदर उद्योग, आईटी सेक्टर तथा इंडस्ट्री क्षेत्र में तेजी से काम हो रहा है। नेताओं को सत्ताभोगी नहीं बनना होगा बल्कि काम करना होगा। विकसित बिहार बनाने के लिए पांच गुना अधिक काम करना पड़ेगा। उन्होंने कोशी में आने वाली भयंकर बाढ़ रूपी त्रासदी की चर्चा की और कहा कि इससे निजात दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में बिगड़ चुके कानून व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए डीजीपी को अपने ढंग से कार्रवाई करने की पूरी छूट दी गई है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्दी ही बालू, शराब और जमीन माफियाओं पर नकेल कसा जाएगा। महिलाओं तथा उद्योगपतियों को मजबूत सुरक्षा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अगले 20 साल में बिहार देश का सबसे विकसित राज्य होगा। वहीं उन्होंने कहा कि देश और दुनिया के टॉप तथा बॉटम दोनों जगहों पर बिहारी कायम हैं। बिहार के बिना भारत की कल्पना नहीं की जा सकती है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने बक्सर विश्वामित्र अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. राजीव कुमार झा, पत्रकार डॉ. शशांक शेखर उपाध्याय तथा युवा कृषक रंजन मिश्र को सम्मानित किया।



कॉन्क्लेव में बोलते डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी।



शनिवार को पटना के होटल लेमन ट्री में आयोजित कॉन्क्लेव का उद्घाटन करते अतिथिगण। फोटो: मनीष

एनडीए सरकार में हम बिहारी सब पर भारी का भाव जगा: विजय सिन्हा

भविष्य के बिहार विषय पर आयोजित सेमिनार में बोलते हुए बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि पहले दूसरे प्रदेशों में बिहारी कलहाने में लोगों को शर्म महसूस होती थी, लेकिन एनडीए की सरकार में हम बिहारी सब पर भारी का भाव जगा है। उन्होंने कहा कि जब नीयत में खोट और नीति फेल हो तो राजनीतिक अस्थिरता आती है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने कभी सत्ता के लिए समझौता नहीं किया। हमने कभी पद की गरिमा को गिरने नहीं दिया। उन्होंने इशारों इशारे में वंशवाद की राजनीति पर प्रहार किया और कहा कि भविष्य के बिहार में जाति पात व वंशवाद की राजनीति समाप्त हो जाएगी। लोग विकसित बिहार बनना देखना चाहते हैं। यह सिर्फ एनडीए के नेतृत्व में ही संभव है। उन्होंने कहा कि बिहारी प्रतिभा का सम्मान कर भविष्य के बिहार के निर्माण की रूपरेखा बनाई गई है। उस पर काम शुरू हो गया है। बहुत जल्द इसका रिजल्ट लोगों के सामने होगा।



कॉन्क्लेव में उपस्थित डिप्टी सीएम विजय सिन्हा को सम्मानित करते केशव टाइम्स के एमडी अरविंद चौबे, साथ में हैं द भारत नाउ के चीफ एडिटर राकेश कुमार।

परिचर्चा में मदन मोहन झा, बिहार सरकार के पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह, वीआईपी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश कुमार सहनी, राजद की प्रदेश मीडिया प्रभारी ऋतु जायसवाल आदि ने भाग लिया। मौके पर बक्सर के पत्रकार डॉ. शशांक शेखर उपाध्याय, होटल व्यवसायी विनोद राय, दियरांचल एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के रंजन मिश्र निदेशक समेत दर्जनों लोगों ने अपने सवाल पूछे।

जाति की जगह बिहार के विकास को प्राथमिकता देने वालों का लोग करें चयन: मदन मोहन झा



पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा ने शिक्षा, स्वास्थ्य व उद्योग को बढ़ावा देकर भविष्य के बिहार को विकसित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में विकास को कमी है। जिसमें उद्योग, शिक्षा और स्वास्थ्य शामिल है। ताकि, लोगों का पलायन रोका जा सके। बिहार में टैलेंट की कमी नहीं है। जिसको रोकना होगा। राज्य के लोगों में संसाधनो की भी कमी है। साथ ही, विल पावर की कमी है। जिसके कारण बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिल सका। नेताओं में सुचिता की भी कमी। जिसका सारी जिम्मेदारी जनता की है। लोगों को चाहिए की वो अपने क्षेत्र से अच्छे नेताओं का चयन करे। जिससे उनकी समस्याओं का निराकरण किया जा सके। राज्य का भविष्य इसी बूते पर टिका है। जनता और नेताओं को जागरूक होना होगा। नेताओं का चयन जनता करती है। नेताओं का चयन के लिए कोई मापदंड नहीं है। जिसका मुख्य कारण जाति है। लोगों को जातिगत चयन का मोह भंग करना होगा। मतदान की बात की जाए तो आज ईवीएम की जगह वैलेट से चुनाव होना चाहिए। जिससे मतदान को पारदर्शी बनाया जा सके। क्यों की ईवीएम में कई स्थानों पर गड़बड़ी पाई गई है। लेकिन वैलेट के माध्यम से चुनाव सबसे सुरक्षित है। लोगों के पलायन को रोकने के लिए उन्हें और भी सुविधाएं बढ़ानी चाहिए। ताकि, लोगो को उनके क्षमता के अनुसार काम मिल सके।

कुर्सी के लिए उठापटक से खराब हुई बिहार की छवि: सहनी



वीआईपी पार्टी प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा कि बिहार में अब तक सरकार ने अच्छा काम किया है। अब हमें अपनी गलतियों से सीख लेते हुए उनपर काम करना होगा। 2013 से अब तक बिहार में पॉलिटिकल पार्टी के द्वारा कुर्सी के लिए उठापटक ने बिहार की छवि खराब की है। उससे पहले काम हुआ लेकिन 2013 के बाद कोई काम नहीं हुआ। जातिगत जनगणना की बात करें तो आज जाति हमारी पहचान हो गई है। इसलिए जातिगत राजनीति से इन्कार नहीं किया जा सकता। जातिगत जनगणना बिहार को बांटने के लिए नहीं हुआ। यह लोगों की समस्याओं को दूर करने के लिए कराया गया है। आरक्षण के माध्यम से लोगों को मजबूत किया जाना चाहिए। जो राष्ट्रीय स्तर पर काम करना है। देश में आरक्षण के मुद्दे की समीक्षा होनी चाहिए। सरकारों को आरक्षण की पॉलिसी बदलनी चाहिए। सक्षम हो चुके लोगों को आरक्षण छोड़ना चाहिए, ताकि बाकी लोगों को भी इसका लाभ मिल सके।

नीतीश कुमार को राज्य के ज्वलंत मुद्दों पर मंच से नहीं सदन से काम करना होगा: सुधाकर सिंह

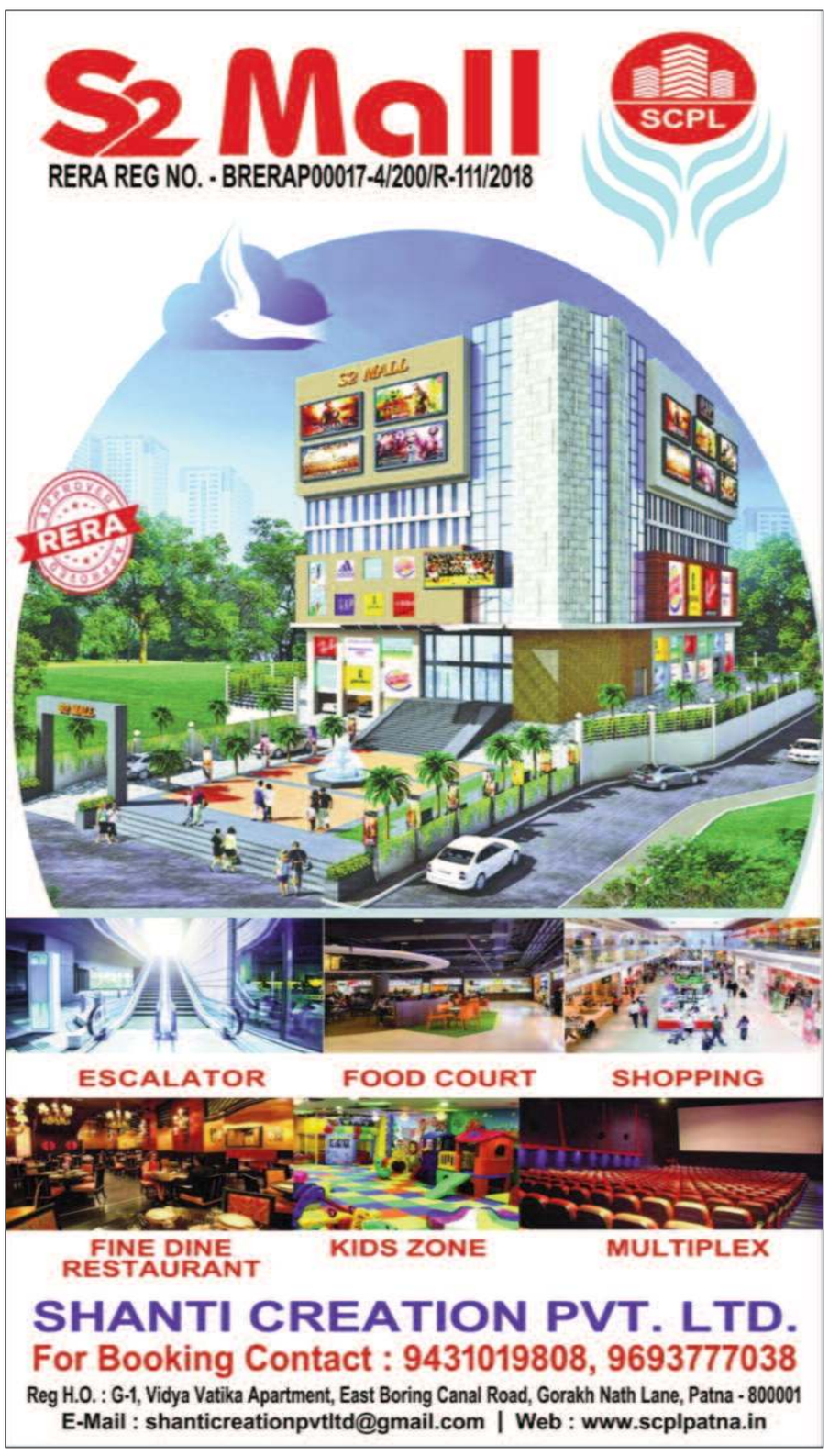


पूर्व मंत्री सुधाकर सिंह ने कहा कि नीतीश जी जब सरकार बनाने के लिए राजद से गटबंधन किया था तब हमें भी उनके फैसले से चौकाया था। लेकिन, जनता के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए राजद ने नीतीश जी से गतबंधन किया। जिसके बाद राजद की सरकार ने युवाओं को रोजगार देकर और जातिगत जनगणना को पूरा कर यह संदेश दिया है। राजनीति की बात करे तो सरकार बनाने और गिराने में मीडिया की भूमिका भी शामिल है। मीडिया को इसपर ध्यान देने की जरूरत है। वहीं, नीतीश कुमार एक अच्छे टीम लीडर नहीं बन पाए। उन्हें राज्य के ज्वलंत मुद्दों पर मंच से नहीं सदन से काम करना होगा। अब नीतीश जी की विदाई तय है। चाहे तीन महीने लगे या 9 महीने में। अब बिहार का नेतृत्व युवा ही करेंगे। जिसकी पटकथा लिखी जा रही है। लोगों को डेवलपमेंट को समझना होगा। जो मानव विकास सूचकांक होता है। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, तो शामिल है ही, साथ ही सड़क और अन्य सुविधाएं शामिल है। बिहार का इतिहास ही भारत का इतिहास है। चाहे वो राजनीति की हो जा शिक्षा और सामाजिक हो। सातवीं सदी से 20वीं सदी के बीच देखा जाए तो बिहार ने सभी का नेतृत्व किया। राज्य के विकास के लिए सिंचाई, दवाई और पढ़ाई के क्षेत्र में काम किया जायेगा। एजुकेशन और हेल्थ सेक्टर में स्किल्ड लोगों को लाना है। ताकि इन सेक्टर्स में बदलाव आ सके।

बिहार के बेहतर कल के लिए शिक्षा व आर्थिक विकास पर काम होना जरूरी : रितू जायसवाल



राजद महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष रितू जायसवाल ने कहा कि अगर भविष्य के बिहार की बात करें तो सरकार की भूमिका सबसे पहले आयेगी। उसके बाद पॉलिसीज और उसके बाद पॉलिसी के इंप्लीमेंट की बात आयेगी। उन्होंने कहा कि बिहार के भविष्य सुधारने में जनप्रतिनिधियों में इच्छाशक्ति की कमी है तो है ही इसके अलावा इंफ्रास्टर की भी कमी है। बिहार में विकास के आड़े में माइग्रेशन सबसे बड़ी समस्या है। साथ ही, उद्योग व किसानों में उद्यमिता की कमी है। जिसके लिए नई पॉलिसीज लाने की जरूरत है। ताकि, इन क्षेत्रों में सुधार किया जा सके। उन्होंने कहा कि यदि सरकार आई तो बिहार को शिक्षा व आर्थिक विकास के लिए योजनाओं को मजबूत किया जायेगा। साथ ही, सांस्कृतिक ढांचा, सामाजिक ढांचा को मजबूत किया जायेगा। महिला नेत्री ने कहा कि बिहार में आधी आबादी को आरक्षण देकर अपलिफ्ट किया गया। हमें यह देखना होगा की उनको इसका पूरा लाभ मिले। जैसे मुखिया बनने के बाद भी पंचायत का नेतृत्व उनके परिजन करते हैं। इसको बंद करना होगा। जिससे वो स्वयं आगे आकर काम संभाले। जब यह काम होगा तभी सही मायने में विकास होगा। बिहार के पिछड़ने का यह भी कारण है कि कोई भी सरकार मजबूत नहीं है। बिना गठबंधन के यदि सरकार बने तो बिहार का भविष्य बदलेगा।



अंग वस्त्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किए गए प्रायोजक





इस परिचर्चा को सफल बनाने वाले प्रायोजकों को आयोजक मीडिया हाउस केशव टाइम्स व द भारत नाउ की पहल पर पूर्व मंत्री सुधाकर सिंह तथा वीआईपी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी ने अपने हाथों अंग वस्त्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले प्रायोजकों में डुमरांव के होटल व्यवसायी विनोद राय, राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार से पुरस्कृत बक्सर जिले के डुमरी पंचायत के मुखिया प्रेम सागर कुंवर आदि शामिल रहे। वहीं इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विनोद राय व प्रेम सागर कुंवर के अलावे समाजसेवी रामनाथ तिवारी, लेजेंड स्कूल के निदेशक सिंकू सिंह, संत जॉन सेकेन्ड्री स्कूल के निदेशक डॉ. रमेश सिंह, एमनेक्स, एससीपीएल, बैजु फाइनेंस, जेजीजी फार्म फूड इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड, मां मुंडेश्वरी ग्रुप, राइजिंग सन इंटरनेशनल स्कूल डुमरांव, एएमआर कंस्ट्रक्शन आदि शामिल रहे।

यदि सभी लोग शिक्षित होंगे तभी राज्य का विकास संभव होगा: अमरदीप झा



इस परिचर्चा में अपने विचार को रखते हुए शिक्षाविद् अमरदीप झा ने कहा कि शिक्षा वह हथियार है जो हमें जाति के ऊपर हमारी पहचान बनाती है। आज यह परिदृश्य है कि नेताओं ने कुछ वर्ग के लोगों को शिक्षित नहीं होने दिया। जो उनकी राजनैतिक इच्छा को दर्शाता है। जिसके कारण बिहार का विकास नहीं हो पा रहा है। यदि सभी शिक्षित होंगे तभी राज्य का विकास संभव होगा। उन्होंने हंटर चलाने की आलोचना करते हुए उन्हें प्रेरित करने का सुझाव दिया, जिससे बच्चों के भविष्य सुधारा जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए की उन्हें हटाने की जगह स्किल्ड बनाएं। शिक्षकों के मोरल को बढ़ाना होगा। जिससे शिक्षक अपना काम बेहतर हो सके। नवनियुक्त शिक्षकों को रिटायर शिक्षकों से मिलवाएं। ताकि, वो अपने अनुभवों को नवनियुक्त शिक्षकों से साझा करें और उनको दक्ष बनने में सहायता कर सकें। उन्होंने कहा कि स्कूलों में एमडीएम को लेकर शिक्षकों के दायित्वों को खत्म करते हुए एक स्वतंत्र एजेंसी को दे। साथ ही, शिक्षकों को सिर्फ शैक्षणिक काम में व्यस्त करें और व्यर्थ के कामों से उनको मुक्त बनाया जाए। जब शिक्षक केवल पढ़ाने का काम करेंगे तो बच्चों का भविष्य उज्जवल हो सके। शिक्षा का अंतिम उद्देश्य चरित्र निर्माण है।

भोजपुर के पांच आउट पोस्ट थाने में अपग्रेड, गृह विभाग से मिली मंजूरी

- सिन्हा, कृष्णगढ़, बबुरा, धोबहां और गीधा ओपी अब करेंगे स्वतंत्र रूप से काम
- पुलिस मुख्यालय की मांग कर सितंबर माह में शाहाबाद डीआइजी द्वारा भेजा गया था प्रस्ताव
- थाना बनने के बाद दर्ज होने लगेगी प्राथमिकी, डायल 112 सेवा भी होगा टैग

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर के पांच आउट पोस्ट थाना बन गये हैं। इनमें कृष्णगढ़, गीधा, धोबहां, सिन्हा और बबुरा ओपी शामिल हैं। उसके लिए गृह विभाग की मंजूरी मिल गई है। गृह विभाग द्वारा इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी गयी है।

थाने में अपग्रेड होने के बाद अब पांचों ओपी अब स्वतंत्र रूप से काम करेंगे। प्राथमिकी दर्ज करने के साथ अपग्रेड थानों को डायल 112 सेवा से भी टैग किया जायेगा। हालांकि चार ओपी के अपग्रेडेशन का मामला लटक गया है। बता दें कि पिछले साल सूबे


सांकेतिक फोटो

की बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए सरकार द्वारा नये थानों को सृजित करने का निर्णय लिया गया है। उसके तहत सूबे के तीन सौ पुलिस आउट पोस्ट (ओपी)को थानों में अपग्रेड करने की योजना थी।उसे लेकर मुख्यालय की ओर से सभी रेंज आईजी और डीआइजी से प्रस्ताव मांगा गया है। उसमें प्रस्तावित थानों की भूमि की उपलब्धता सहित अन्य डिटेल्स की मांग की गयी है। संबंधित जिलों के डीएम, एसपी और पंचायती राज पदाधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षर के बाद प्रस्ताव डीआईजी के पास जानी है। उस आधार पर शाहाबाद डीआइजी नवीन चंद्र झा की ओर से सितंबर माह में भोजपुर जिले के नौ सहित रेंज के 31 ओपी को थानों में अपग्रेड करने का प्रस्ताव मुख्यालय को भेजा गया था। मुख्यालय स्तर पर समीक्षा के बाद प्रस्ताव को स्वीकृति के लिए गृह विभाग को भेजा जायेगा। उसके बाद गृह विभाग की से भोजपुर के पांच सहित सूबे के 176 ओपी के थाने में अपग्रेड करने की मंजूरी दे दी गई। जानकारी के अनुसार डीआइजी की ओर से भोजपुर के सिन्हा, कृष्णगढ़, धोबहां, करनामेपुर, बहोरनपुर, गीधा, गजराजगंज और खवासपुर ओपी को थानों में अपग्रेड करने का प्रस्ताव भेजा गया था। उसके अलावा बक्सर जिले के आठ, कैमूर के तीन और रोहतास के 12 ओपी शामिल थे। हालांकि गृह विभाग की ओर से भोजपुर के सिन्हा, कृष्णगढ़, गीधा, धोबहां, और बबुरा ओपी को ही थाने में अपग्रेड करने की मंजूरी दी गयी। ऐसे में गजराज गंज, करनामेपुर और बहोरनपुर चार ओपी के अपग्रेडेशन का मामला लटक गया।

एक नजर

वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश, बाइक बेचने वाले दो आरोपित गिरफ्तार, खरीदने वाला फरार

औरंगाबाद। नगर थाना पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। मामले में पुलिस ने दो शातिर बाइक चोर को गिरफ्तार किया है। जबकि मामले में एक अन्य आरोपित की पुलिस तलाश कर रही है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान थाना क्षेत्र के अहरी निवासी सुमिर शर्मा के पुत्र अंकित कुमार एवं मदन शर्मा के पुत्र कुंदन कुमार के रूप में की गई हैं। प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुऐ सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मो. अमानुल्लाह खां ने बताया कि 10.12.2023 को शहर के दानी बिगहा पार्क से एक बाइक चोरी गई थी, जिसमें मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भोजा बिगहा गांव निवासी ललन सिंह ने तहरीर समर्पित कर , अपनी बाइक खोजबीन की मांग की गई। उक्त कांड के अनुसंधानकर्ता द्वारा वैज्ञानिक पद्धति की सहायता से कांड का सफल उद्भेदन करते हुए घटना में संलिप्त दोनों आरोपित को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही बाइक चोर गिरोह का उद्भेदन किया गया। पूछ-ताछ में आरोपितों ने बताया कि चोरी गई बाइक खुदवा थाना क्षेत्र के पंचहरा गांव निवासी विशाल कुमार से 8600 रुपए में बिक्री की है जिसके अलोक में पुलिस द्वारा छापेमारी की गई लेकिन छापेमारी की भनक मिलते ही आरोपित फरार हो गया। मामले में आरोपित की गिरफ्तारी का प्रयास एवं बाइक की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में आरोपित ने गांव के ही सड़क किनारे बाइक छोड़ फरार हो गया जिसे लावारिश हालात में बरामद किया गया। उन्होने बताया कि फरार आरोपित की पुलिस तलाश कर रही हैं, जबकि गिरफ्तार दोनों आरोपित को आवश्यक कार्रवाई के उपरांत जेल भेज दिया गया।

दूसरी बार शराब सेवन मामले में शराबी को एक साल की हुई कैद

औरंगाबाद । शराब सेवन के मामले में एक अभियुक्त को सिविल कोर्ट के एडीजे स्पेशल जज (उत्पाद) धनंजय कुमार सिंह ने एक साल की सजा सुनाई है। सजा प्राप्त अभियुक्त सिमरा थाना क्षेत्र के चोहरा गांव निवासी दुर्गा सिंह हैं। मामले में जानकारी देते हुए उत्पाद न्यायालय के विशेष लोक अभियोजक अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि बिहार में शराबबंदी है जिसमें दूसरी बार शराब पीने मामले में अभियुक्त को सजा सुनाई गई है। वह शराब सेवन मामले में 12.07.2023 को पकड़ा गया था जिसमें आवश्यक कार्रवाई के उपरांत जेल भेज दिया गया था। आज सजा सुनाई गई। उत्पाद विभाग के विधि परामर्शी शेखर कुमार ने बताया कि इस मामले में त्वरित विचारण का संचालन करते हुए अभियोजन की ओर से दो गवाहों की गवाही करवाई गई थी एवं पांच दस्तावेजों को न्यायालय में प्रदर्श करवाया गया था। उल्लेखनीय है कि बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम में दोबारा शराब सेवन के जुर्म के दोषी पाए जाने पर एक साल कारावास का प्रावधान है।

युवक के साथ हुई थी 37 हजार रुपए की ऑनलाइन ठगी, पुलिस ने लौटाए पैसे

औरंगाबाद। ऑनलाइन ठगी के शिकार हुऐ एक युवक को साइबर पुलिस ने 32 हजार रुपए लौटाए हैं। मामला मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के जसोईया मिसीर बिगहा की है। जहां के रजनीश कुमार ने ऑनलाइन ठगी के मामले में 11.10.23 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी जिसमें बताया कि गूगल पे के माध्यम से उसके कुल 37 हजार रुपए की ठगी कर ली गई है। मामले में साइबर थाना की पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुऐ पीड़ित को 32 हजार रुपए को होल्ड कराते हुए न्यायालय के आदेश के पश्चात आवेदक को उक्त रुपए वापस करा दिया गया है जिसको लेकर पीड़ित ने साइबर पुलिस के प्रति अभार व्यक्त किया है।

खबरें फटाफट

विधिक संघ के नवनिर्वाचित सदस्यों को किया गया सम्मानित

औरंगाबाद। शहर के समाहरणालय के समीप बिहार



केसरी डॉ श्रीकृष्णा सिंह स्मृति भवन में शनिवार की शाम जिला विधि संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि लॉर्ड बुद्धा फाउंडेशन के निर्देशक शिक्षाविद डॉ धनंजय कुमार शामिल हुए। स्मृति भवन के सचिव नीलमणि कुमार की अध्यक्षता व उपाध्यक्ष अधिवक्ता रविंद्र कुमार सिंह के देखरेख आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष विजय पांडेय, महासचिव जगनारायण सिंह, उपाध्यक्ष क्षितिज रंजन, संयुक्त सचिव सियाराम पांडेय, उप सचिव श्याम नंदन मिश्र को मुख्य अतिथि डॉ कुमार ने सभी को अंगवस्त्र व बुके देकर सम्मानित किया गया। अधिवक्ताओं को सम्मानित करते हुए डॉ कुमार ने कहा कि यह पूरे अधिवक्ता समाज की जीत है और अधिवक्ता समाज के लोगों को सम्मानित करना उनके लिए भी गर्व की बात है। अधिवक्ता समाज के लोगों को न्यायालय से न्याय दिलाने में सराहनीय कार्य करते हैं। अधिवक्ता समाज ऐसा समाज है जो किसी के साथ अन्याय नहीं होने देता है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष विजय पांडेय एवं महासचिव जगनारायण सिंह ने कहा कि पूरा विधि संघ अधिवक्ता समाज के हित के लिए काम करेगा। अधिवक्ताओं की जो जरूरतें हैं उसी दिशा में संघ काम करेगा। अधिवक्ता समाज सभी लोगों के न्याय के लिए काम करता है। इसी तरह अपने अधिवक्ता समाज के साथ भी न्याय हो, ऐसा संघ के सभी पदाधिकारी मिलकर काम करेंगे। मौके पर संस्था के सुनील शर्मा, मंटू शर्मा, अविनाश कुमार भाजपा नेता अंजनी शर्मा युवा अधिवक्ता देवकांत कुमार, कुणाल कुमार आदि मौजूद रहे।

नारायणपुर थाना क्षेत्र के खेढ़ी गांव की घटना, मौके से पांच खोखे बरामद

किरायेदार से विवाद के बाद पूछताछ करने गये दुकान के मुंशी की गोली मार हत्या

- परिजनों का आरोप: छेड़खानी करने के झूठा आरोप में किरायेदार को पीटा, पूछताछ करने पर मारी गोली
- नवादा थाना क्षेत्र के अनाइठ मोहल्ले की शुक्रवार की देर रात की घटना

केटी न्यूज/आरा



नवादा थाना क्षेत्र के अनाइठ मोहल्ला में शुक्रवार की रात छेड़खानी का झूठा आरोप लगा हथियारबंद अपराधियों ने एक किराना दुकान के मुंशी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली उसकी बाएं साइड गर्दन में मारी गई थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। इलाज के लिए बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल ले जाने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना के दौरान अपराधियों द्वारा सात से आठ राउंड गोलीबारी भी करने की बात कही जा रही है। मृत मुंशी अनाइठ यादव टोला मोहल्ला निवासी राजनाथ सिंह का 45 वर्षीय पुत्र मुकेश कुमार था। वह एक किराने की दुकान पर मुंशी का काम करता था। सरेशाम गोलीबारी और हत्या की वारदात से इलाके में सनसनी मच गयी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। एएसपी परिचय कुमार और नवादा थानाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे एवं अफसरों ने मृत युवक के परिजनों से घटना की जानकारी ली। देर रात एसपी प्रमोद कुमार यादव भी घटनास्थल पर पहुंचे और परिजनों से मिलकर जानकारी ली। मृत युवक के भाई आलोक कुमार ने बताया कि उनके घर में करिया नामक युवक किरदार को रूप में रहता है। वह राजमिस्त्री का काम करता है? शुक्रवार की देर शाम अपने काम से वापस आने के बाद वह अपनी बच्ची के लिए दूध लेने जा रहा था। उसी बीच कब्रिस्तान के समीप गली में खड़े कुछ युवकों द्वारा लड़कियों को छेड़ने का आरोप लगा कर उसकी जमकर पिटाई कर दी गयी। उसके बाद वह अपने घर आया और अपने दुकानदार मुकेश कुमार को घटना की जानकारी दी। उस पर मुकेश उसके भाई आलोक के साथ पूछताछ करने के लिए आरोपित रणधीर के घर गया। वहां रणधीर, पंकज और वकील खाना खा रहे थे। उन्होंने उनसे मारपीट करने के बारे में पूछताछ की, तो उन लोगों की ओर से हथियार निकाल कर फायरिंग की जाने लगी। सात से आठ राउंड फायरिंग की गयी। उसमें रणधीर द्वारा चलाई गई गोली उनके भाई को लग गई। इधर, एसपी ने बताया कि अबतक की जांच में पता चला कि सभी लोग एक ही मोहल्ले के रहने वाले है। इन लोगों के बीच आपस में कुछ विवाद हुआ। उस बीच दो-तीन युवक हथियार निकालकर गोलीबारी करने लगे। उस दौरान एक व्यक्ति को गोली लग गई और उनकी मृत्यु हो गई है। स्पष्ट नहीं हो सका है कि कितनी गोलियां चली है। मामले की छानबीन की जा रही है। इसमें जो भी अपराधी शामिल है, जल्द ही पुलिस गिरफ्त में होंगे। मृत युवक के परिजनों की ओर से स्टेटमेंट दिया गया है।उस आधार पर भी जांच की जा रही है।

कार से अंग्रेजी शराब की खेप बरामद, चार गिरफ्तार

औरंगाबाद। लग्जरी कार से अंग्रेजी शराब की एक बड़ी खेप मुफ्फसिल थाना की पुलिस द्वारा बरामद किया गया है। साथ ही दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई थाना क्षेत्र के पांडेपुर गांव के समीप एनएच -19 पर की गई जिसमें जब्त किए गए कार से 261.75 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष बबन बैठा ने बताया कि सूचना के आधार पर देर रात उस जगह छापेमारी की गई जिसमें अंग्रेजी शराब बरामद किया गया। साथ ही पकड़े गए दोनों तस्करों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई के उपरांत जेल भेज दिया गया। वहीं माली थाना की पुलिस द्वारा कार्रवाई के फलस्वरूप 8.640 देसी शराब के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया गया है जिसकी पहचान थाना क्षेत्र के चैनपुर गांव निवासी राधा सिंह हैं। मामले में आवश्यक कार्रवाई के उपरांत जेल भेज दिया गया। इसके अलावा कुटुंबा थाना की पुलिस द्वारा कार्रवाई के फलस्वरूप 42.25 लीटर विदेशी एवं देसी शराब बरामद किया गया है। साथ ही थाना क्षेत्र के रसोईया गांव निवासी अमरदीप कुमार को गिरफ्तार किया गया है जिसे आवश्यक कार्रवाई के उपरांत जेल भेज दिया गया।

भारतीय जनता पार्टी ने किया कार्यशाला का आयोजन

केटी न्यूज/औरंगाबाद



भारतीय जनता पार्टी कार्यालय गोह में शनिवार को मंडल कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला का आयोजन भाजपा मंडल अध्यक्ष उमेश पासवान की अध्यक्षता में प्रारंभ हुई।इस दौरान कार्यशाला में पार्टी जिला महामंत्री संजय गुप्ता ने बूथ प्रबंधन का सूक्ष्म प्रशिक्षण देते हुए आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की।

कार्यशाला का संचालन महामंत्री बिक्कु त्रिपाठी ने किया । कार्यशाला में जिला प्रवक्ता सुनील शर्मा जिला उपाध्यक्ष दीपक उपाध्याय क्षेत्रीय प्रभारी इंदल चंद्रवंशी बूथ प्रबंधन टोली के सदस्य सामिल थे। महामंत्री संजय गुप्ता ने उपस्थित प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि बूथ संगठन के सबसे महत्वपूर्ण इकाई है । बुथ समितियों तथा पन्ना प्रमुखों का गठन के साथ माह के प्रत्येक अंतिम रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम से जुड़ने की अनियमितता बूथ समिति को प्रभावी बनाता है । संगठन के सभी कार्यक्रमों के साथ ही बूथ के प्रत्येक मतदाता तथा लाभार्थी से सतत पर संपर्क व संवाद से बूथ सशक्त बनता है ' इसी ध्येय के साथ पार्टी का बूथ सशक्तिकरण अभियान प्रारंभ हो रहा है ' आगामी दिनों में क्षेत्र व जिले तथा विधानसभा स्तर पर कार्यशालयों में बूथ सशक्तिकरण अभियान का प्रशिक्षण दिया जाएगा ।

मौके पर धीरज सिंह चौहान सुरेंद्र शर्मा, रामप्रवेश मिश्रा प्रमोद सिंह ,बबलू सिंह ,ब्रजेश पासवान, मोहरलाल मिश्रा विमलेश सिंह, अरुण शर्मा सचिन चंद्रवंशी शामिल रहे।

चोरी मामले में आरोपित को पुलिस ने किया गिरफ्तार, बैंक के आगे से ले भागा था बाइक

केटी न्यूज/औरंगाबाद



शहर में बढ़ रही बाइक चोरी की घटनाओं के बीच नगर थाना की पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। पकड़ा गया आरोपित अंबा थाना क्षेत्र के रति खाप गांव निवासी आलोक कुमार है। एक दिन पहले चोरी गई बाइक के संबध में देव थाना क्षेत्र के धनाव गांव निवासी मनोज कुमार सिंह ने नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी जिसमें बताया कि शहर के एमजी रोड स्थित पीएनबी बैंक के समीप अपनी बाइक खड़ी कर बैंक में गया। थोड़ी देर बाद जब वापास लौटा तो दिखा, वहां से बाइक गायब है। इस दौरान अपने स्तर से काफी खोजबीन की , लेकिन बाइक नहीं मिला जिसमें पुलिस से खोजबीन की मांग की। मामले में प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुए सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मो. अमानुल्लाह खां ने बताया कि आसूचना संकलन करते हुऐ घटना के 24 घंटा के अंदर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुऐ आरोपित को थाना क्षेत्र के गंगटी मोड़ से चोरी गई बाइक के साथ गिरफ्तार किया गया जिसके विरूद्ध आवश्यक कार्रवाई के उपरांत जेल भेज दिया गया। यह कार्रवाई थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य सशस्त्र बलों के द्वारा की गई। उन्होने कहा कि चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलीस ने एक कार्य योजना बनाई है जिसमें संलिप्त पाए गए लोगों को किसी भी कीमत पर बर्दास्त नहीं किया जायेगा।

संत रैदास का सारा जीवन समाज को सुधारने के लिए समर्पित रहा

केटी न्यूज/औरंगाबाद

- संस्था के उपाध्यक्ष ने कहा कि भक्ति काल में जब सनातन परंपरा पर कुठाराघात किया जा रहा था तो संत रैदास का अवतरण हुआ

सदर प्रखंड स्थित जम्होर में हिंदी साहित्य सम्मेलन औरंगाबाद के तत्वावधान में भक्ति काल के अन्यतम संत रैदास जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई। संस्था के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह एवं महामंत्री धनंजय जयपुरी के आह्वान पर कार्यक्रम की अध्यक्षता मुखिया प्रतिनिधि प्रदीप कुमार सिंह ने किया तथा संचालन राणा सुनील सिंह द्वारा किया गया। सर्वप्रथम उनके तेल चित्र पर उपस्थित लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित किया। तत्पश्चात,उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए संस्था के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने कहा कि भक्ति काल में जब सनातन परंपरा पर कुठाराघात किया जा रहा था तो ऐसे समय में संत रैदास का अवतरण हुआ और उन्होंने अपनी काव्य सर्जना से पूरे सनातन परंपरा को पुनर्स्थापित करने का काम किया एवं उस समय के समकालीन सभी संत कवियों के प्रेरणा स्त्रोत बने। मीराबाई को गुरु दीक्षा दी तो कबीर के साथ कदम ताल किया। काशी के विद्वानों ने उन्हें संत की उपाधि दी। संत रैदास द्वारा गाए गए भजनों को सिखों के पवित्र ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब में शामिल किया गया। आत्मज्ञानी संत रैदास का सारा जीवन समाज को सुधारने के लिए समर्पित रहा तो वहीं उनके रचनाओं से हमें जीवन में आगे बढ़ने का संदेश मिलता है। रैदास जयंती के अवसर पर अधिवक्ता राम पुकार ओझा सुजीत कुमार सिंह,जितेंद्र कुमार सिंह,नंद यादव,पिंटू राम,पवन चंद्रवंशी, पवन कुमार सिंह,राहुल कुमार सहित अन्य ग्रामीण लोग उपस्थित थे।





संत रविदास ने सद्भाव और समानता की बात 600 वर्ष पहले कही थी: अनिल

♦ ब्रह्मपुर के अम्बेडकर टोला में हुआ संत रविदास के मंदिर का उद्घाटन, शामिल हुए श्रद्धालु

केटी न्यूज/डुमरांव



संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती के अवसर पर ब्रह्मपुर के अम्बेडकर टोला में बसपा के प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार ने संत शिरोमणि रविदास के मंदिर का उद्घाटन किया और संत रविदास जी की मूर्ति की पूजा अर्चना की। इस अवसर पर बसपा प्रदेश प्रभारी ने कहा कि आज संत शिरोमणि रविदास के जयंती को हमलोग मना रहे हैं जिन्होंने सदभाव ,भाइचारे और समानता की बात आज से 600 वर्ष पहले कहीं थी। लेकिन आज भी यह बाते हमारे देश में लागू नहीं है। आखिर क्यों कौन कराएगा। यह जानने की जरूरत है । इस अवसर पर हम संत शिरोमणि रविदास जी के हरएक अनुयायी को शपथ लेनी चाहिए कि हमसब को उनके द्वारा बताए गए उपदेश को अपने समाज और देश में अपनाएं तभी देश का कल्याण होगा। उन्होंने भेद-भाव, जाति पांति से उपर उठकर समाज कल्याण की बात की थी। परंतु आज इसे कोई नहीं अपना रहा है। इसी क्रम में अनिल कुमार ने जभिही जगदीशपुर, हरनाथपुर समेत दर्जनों गांवों में जाकर संत शिरोमणि रविदास के मूर्ति पर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर बसपा के प्रदेश महासचिव संजय मंडल, डा रंजन पटेल, अमर आजाद पासवान, रामजी राम, सुभाष अम्बेडकर, लक्ष्मण कुशवाहा, कृपाशंकर कुशवाहा, जिला अध्यक्ष सुभाष गौतम, मानसी भारती, रवि सिन्हा समेत कई बसपा के कार्यकर्ता मौजूद थे।

विद्यालय में धूमधाम से मनाई गई संत रविदास की जयंती

बक्सर। शहर के नया बाजार स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के परिसर में संत रविदास की जयंती धूमधाम से मनाई गई। वहीं कार्यक्रम का नेतृत्व विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेश कुमार मिश्र ने की। संचालन प्रियांशु कुमार ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत संत रविदास के तैल चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। प्रधानाचार्य ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास जी काशी में पैदा हुए थे। संतों के साथ व्यतीत उनके जीवन का अधिकांश समय ने उन्हें भी संत बना दिया। सबसे पहले उन्होंने ही आंतरिक भावनाओं व आपसी भाईचारे को सच्चा धर्म बताते हुए समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने का प्रयास किया। उन्होंने समाज में समरसता का संदेश दिया है। हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की जरूरत है। जिसे हम जीवन में आगे बढ़ सके। और अपना जीवन संवार सके। इसके अलावा छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार रखें। मौके पर अनुप पाठक, मनोज कुमार,संजीव कुमार,देवेंद्र वर्मा, अभय पांडेय, कृष्ण कांत तिवारी, पुनम सिन्हा, रोहिणी कुमारी, चांदनी कुमारी समेत अन्य लोग मौजूद रहें।

एक नजर

भाजपा ने बैठक कर लोकसभा चुनाव में भारी बहुमत से जीत की बनाई योजना



बक्सर। भारतीय जनता पार्टी ने अपने चुनाव अभियान की जोर-शोर से शुरुआत की ओर अग्रसर हो गया है। इसी कड़ी में बक्सर लोकसभा के साथ-साथ देशभर में अपनी ऐतिहासिक जीत के लिए भाजपा के कार्यकर्ता केंद्र सरकार की योजना से लाभान्वित हुए लोगों से मुलाकात कर उनके साथ एक सेल्फी लेंगे तथा पीएम का संदेश उन तक पहुंचाएंगे। साथ ही उनके मोबाइल से मिस्ड कॉल कर सरकार का आभार जताएंगे। लोकसभा क्षेत्र के केंद्र सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हुए लाभार्थियों से संपर्क के लिए कार्यशाला की एक बैठक भाजपा जिला कार्यालय, अहिरौली में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता लोकसभा संयोजक राजवंश सिंह तथा संचालन महामंत्री निर्भय राय ने की। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष सह शाहाबाद के क्षेत्रीय प्रभारी सिद्धार्थ शंभू ने लाभार्थी संपर्क योजना को प्रधानमंत्री मोदी के भाजपा के 370 और एनडीए के 400 पर के लक्ष्य को पूरा करने के लिए एक सार्थक हथियार बताया। उन्होंने कहा कि चार दिनों के अंदर बक्सर लोकसभा के सभी मंडलों की बैठक कर लाभार्थियों की सूची में से 25 लाभार्थी से संपर्क करने के लिए एक कार्यकर्ता का चयन करना है तथा लाभार्थियों को मोदी जी का पत्रक देकर और उनके मोबाइल से मिस्ड कॉल कर तथा उनके साथ सेल्फी लेकर सरल ऐप पर डाउनलोड करना है। साथ ही बैठक को संबोधित करते हुए बक्सर जिला प्रभारी संतोष पटेल ने सभी मंडल अध्यक्षों से विगत दोनों में संपन्न किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए आगामी लाभार्थी महासंपर्क अभियान कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आग्रह किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह ने सभी कार्यकताओं से आग्रह करते हुए लाभार्थी संपर्क अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया. कार्यक्रम के अंत में बक्सर लोकसभा संयोजक राजवंश सिंह ने लाभार्थी योजना के तहत पन्ना प्रमुख, प्रवासी मतदाता तथा नए मतदाताओं से संपर्क स्थापित करने का आग्रह किया ताकि नरेंद्र मोदी का संदेश उन तक पहुंच पाए। कार्यशाला में मुख्य रूप से अनिल पांडेय, संत कुमार सिंह, मीना सिंह कुशवाहा, श्रीमन्नारायण तिवारी, इन्द्रजीत बहादुर सिंह, इंदु देवी, पूनम रविदास, सौरभ तिवारी, राजेश सिन्हा, लाभार्थी कार्यशाला की सह संयोजक संध्या पांडेय, सभी मंडल अध्यक्ष, सुनील कुमार, सुमन श्रीवास्तव, तेज प्रताप सिंह उर्फ छोटे सिंह तथा जिला मीडिया प्रभारी उमाशंकर राय सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

230 शस्त्रों का नहीं हो पाया सत्यापन

बक्सर। लोक सभा आम निर्वाचन 2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, भयमुक्त एवं स्वच्छ वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु जिला के शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों के शस्त्रों एवं कारतूसों का सत्यापन कराने हेतु जिला दण्डाधिकारी बक्सर ने आदेश निर्गत किया था। इसके आलोक में निर्धारित तिथियों को शस्त्रों का सत्यापन किया गया। शस्त्र सत्यापन की समीक्षा में पाया गया कि थाना बक्सर औद्योगिक क्षेत्र, बगेन गोला, सिमरी, धनसोई एवं ब्रह्मपुर के कुल 788 अनुज्ञप्तिधारियों के सापेक्ष 558 अनुज्ञप्तिधारियों के द्वारा ही अपने शस्त्रों का सत्यापन कराया गया है। 230 अनुज्ञप्तिधारियों ने अपने शस्त्रों का सत्यापन नहीं कराया गया है। जो आयुध अधिनियम 1959 एवं आयुध नियमावली 2016 के प्रावधानों एवं शर्तों का उल्लंघन है। निर्धारित तिथियों को शस्त्र सत्यापन नहीं कराने वाले अनुज्ञप्तिधारियों को नोटिस भेजकर स्पष्टीकरण की मांग की गई है। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लोकसभा चुनाव से पूर्व 230 शस्त्रों का सत्यापन नहीं होने से प्रशासन की चिंताएं बढ़ने लगी है। इस बात का अंदेशा जताया जा रहा है कि आखिर यह 230 शस्त्र धारक कहा है। प्रशासन नोटिस के माध्यम से उन्हें तलब करने का जुगत में लगा हुआ है।

खबरें फटाफट

वरिष्ठ अधिवक्ता का निधन, न्यायालय में रहा नो वर्क

बक्सर। व्यवहार न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता रामनारायण चौधरी का निधन होने के कारण व्यवहार न्यायालय बक्सर में नो वर्क रहा। वरिष्ठ अधिवक्ता शहर के चरित्रवन के कॉलेज गेट के समीप स्थित अपने निजी आवास में रहते थे। अधिवक्ता संघ के महासचिव बिंदेश्वरी प्रसाद पांडेय ने बताया कि स्वर्गीय चौधरी 1965 से इस पेशे से जुड़े हुए थे। उन्होंने ईमानदारी के साथ अपने इस पेशे के साथ कार्य किया था। उन्होंने बार और बेंच से बेहतर तालमेल बैठाने का प्रयास किया था। वह वह हमेशा कमजोर को न्याय दिलाने के पक्षधर थे। साथ ही उनका यह भी प्रयास रहता था कि न्याय त्वरित मिले। इसके लिए उन्होंने सदा प्रयास किया था। साथ ही अपने साथियों से भी इसकी चर्चा किया करते थे। मिली जानकारी के अनुसार वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। जैसे ही उनके निधन की सूचना मिली अधिवक्ता साथियों में दु:ख की लहर दौड़ गई। दिवंगत आत्मा के सम्मान में अधिवक्ता संघ के द्वारा शनिवार को न्यायालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करने की घोषणा के साथ ही नो वर्क की घोषणा भी की गई है। इसके साथ ही सोमवार को शब-ए-बारात की छुट्टी होने के कारण न्यायालय में मंगलवार से सुचारू रूप से कार्य हो पाएगा। विदित हो कि शब-ए-बारात की जो छुट्टी 27 फरवरी को निर्धारित थी, चांद दिखाई देने के कारण अब 26 फरवरी को ही होगी।

पुलिस ने काव नदी के किनारे सुनसान जगह पर बने मकान में की छापेमारी

चोरों ने दो मंदिरों को बनाया निशाना, डेढ़ लाख की संपत्ति पर किया हाथ साफ

♦ मां बसवनी मंदिर व शायर मां मंदिर को चोरों ने बनाया निशाना
♦ चोरी की घटना की तहकीकात करने गई पुलिस को सुनसान इलाके में मिला मकान जिसमें था कई आपत्तिजनक सामग्री

केटी न्यूज/डुमरांव

चोरों ने एक ही रात में दो मंदिरों का निशाना बनाते हुए करीब डेढ़ लाख रुपये से अधिक की संपत्ति पर हाथ साफ कर लिया है। पिछले कुछ समय से लगातार चोर मंदिरों का अपना शिकार बना रहे है। यह उनके लिए काफी सेफ जोन बन चुका है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नगर के बाहरी छोर पर स्थित मां बसवनी मंदिर का वार्षिक उत्सव था। इसके लिए श्रद्धालुओं की ओर से पूरी तैयारी की जा रही थी। विदित हो कि यहां वार्षिक उत्सव बड़े ही धूम-धाम के साथ मनाया जाता है। यहां शहर के सभी लोग अपना माथा टेकने के लिए आते है। मंदिर को भव्य तरीके से सजाया जाता है। इस वर्ष भी श्रद्धालुओं ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी। तभी शुक्रवार की देर रात चोरों ने मंदिर में लगे तीन एम्लिफायर पर हाथ साफ कर लिया। इसकी कीमत करीब एक लाख रुपये से अधिक बतायी जा रही है। जानकारी सुबह में जानकारी मिली। तुरंत ही इसकी सूचना पुलिस को दी गई। चोरी की घटना के बाद पूरे दिन वार्षिक उत्सव के बजाये चोरों द्वारा की किये गये इस घटना की चर्चा होती है। वहीं श्रद्धालुओं को इस बात की जानकारी मिली कि मां शायर मंदिर को भी चोरों ने निशाना बनाया है। यह मंदिर मां बसवनी मंदिर से करीब आधा किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां से चोरों ने मंदिर का घंटा सहित अन्य सामग्री अपने साथ लेते गए है। इस सूचना के बाद पुलिस यहां भी जांच करने के लिए पहुंची। हालांकि पुलिस को जांच के दौरान कोई अहम जानकारी नहीं मिल पायी है। वहीं स्थानीय लोगों में इस बात की चर्चा है कि आखिर चोर मंदिरों को ही क्यों निशाना बना रहे है। पुलिस चोरों को पकड़ने व ऐसी घटनाओं को रोकने पर सफलता नहीं पा रही है। इस संबंध में थानाध्यक्ष अनीशा राणा ने बताया कि इस घटना को गंभीरता से लिया जा रहा है। चोरों का पकड़ने के लिए हर संभव प्रया किया जा रहा है। जल्द ही चोर पुलिस की गिरफ्त में होंगे। पुलिस गश्त तेज किया जा रहा है।



चोरी की घटना की जांच करने गई पुलिस के हाथ लगा शराब व आपत्तिजनक सामग्री

बक्सर। शनिवार को चोरी की घटना में जांच करने पहुंची डुमरांव पुलिस के हाथ कई अहम सुराग लगे है। इस कड़ी में पुलिस ने काव नदी के किनारे सुनसान जगह पर झुरमुट में बने एक पक्के मकान में छापेमारी कर शराब के साथ साथ कई आपत्तिजनक सामग्री बरामद किए है। वही मौके से आधा दर्जन संदिग्ध महिलाओं को भी पुलिस अपने अभिरक्षा में ले रखी है फिलहाल, जिनसे पूछताछ चल रही है। माना यह जा रहा है कि पुलिस के हाथ कई सुराग लगे है जिसके चलते अवैध धंधों के बड़े रैकेट का खुलासा हो सकता है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक बीती रात बसवनी मन्दिर में चोरी घटना घटी थी जिसकी सूचना मिलने पर डुमरांव थानाध्यक्ष अनिशा राणा के नेतृत्व में अपर थानाध्यक्ष संजीत कुमार एवं अन्य पुलिसकर्मी मंदिर के आसपास इलाके में जांच करने पहुंची थी। इस दौरान पुलिस को देख एक संदिग्ध युवक भागने लगा। पुलिस भी युवक का पीछा करते सुनसान जगह पर झुरमुट के बीचों बीच बने एक पक्के मकान तक पहुंची। इस दौरान पुलिस की दबिश से मकान के अंदर से रहनेवाले भागने लगे, हालांकि, पुलिस ने तलाशी अभियान को शुरू कर आधा दर्जन संदिग्ध युवतियों को अपने अभिरक्षा में लिया। इसकी पुष्टि करते हुए डुमरांव थानाध्यक्ष अनिशा राणा ने बताया कि कार्यवाई के दौरान मकान के अंदर से लगभग दस लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में मकान मालिक सह मुख्य अभियुक्त की पहचान आशुतोष कुमार उर्फ प्रिंस सिंह, निवासी ग्राम- बलिहार, थाना-सिमरी के रूप में हुई है जो फिलहाल फरार है। हालांकि, मौके से अभिरक्षा में ली गई कुछ महिलाओं को पुलिस निगरानी में रखा गया है। उन्होंने बताया कि अभियुक्त आशुतोष सिंह के खिलाफ पूर्व में सिमरी थाना में शराब समेत कई मामले दर्ज है।

घर-घर एलपीजी गैस सिलिंडर पहुंचाने के नाम पर वसूली जा रही निर्धारित से 40 रुपए अधिक राशि

बक्सर। जिले में घरेलू उपयोग होने वाले एलपीजी गैस सिलिंडर घर-घर पहुंचाने के नाम पर एजेंसियों द्वारा जबरन उपभोक्ताओं से वसूली किया जा रहा है। वहीं जब उपभोक्ता खुद ही गैस एजेंसी के गोदाम में पहुंचकर सिलिंडर उठाव कर रहे है। तब भी एजेंसी के कर्मियों द्वारा 40 रुपए की वसूली की जा रही है। यदि कोई ग्राहक पैसे देने से इंकार कर दे रहा है। तो एजेंसी के कर्मी सिलिंडर नहीं होने का हवाला देकर उपभोक्ता को परेशान कर रहे है।अंततः उपभोक्ता लाचारीवस निर्धारित रुपए से 40 रुपए अधिक देने को मजबूर हो जाते है। वहीं डोर टू डोर डिलेवरी करने वाले वेंडर को निर्धारित रुपए से अधिक नहीं देने पर वह घर सिलिंडर नहीं पहुंचाया जाता है। जिस पर प्रशासनिक उदासीनता बनी हुई है। जिसके कारण उपभोक्ता को परेशानी झेलनी पड रही है। इस जबरन वसूली में केवल एक एजेंसी नहीं बल्कि सभी एजेंसियां शामिल है। जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण स्तर के सभी एजेंसी संचालक शामिल है। गांव में पहुंचाने के नाम पर भी वसूली की जाती है। ज्ञात हो कि सभी एजेंसियों का गोदाम शहर से बाहर स्थित है। जबकि एजेंसी का कार्यालय शहर में स्थित है। जहां पहुंचकर उठाव करने पर भी निर्धारित मूल्य से सेवा व होम डिलेवरी के नाम पर जबरन वसूली की जा रही है। वेंडरो ने इस संबंध में नौकरी से निकाले जाने के भय से नाम न छापने के शर्त पर बताया कि एजेंसी से उन्हें नहीं मिलता है। उल्टा ही प्रति सिलिंडर उनसे कार्यालय में 20 रुपए की दर से ही वसूली किया जाता है। जिससे उन्हें उपभोक्ताओं के घर तक पहुंचाने के लिए महज 20 रुपए प्रति सिलिंडर प्राप्त हो पाता है। इसके साथ ही कोई उपभोक्ता इससे कम ही देता है। एजेंसियों की मनमानी इस कदर हावी है कि इमरजेंसी में गैस लेने जाने पर भी अधिक पैसे की मांग की जाती है।

बक्सर में नवनिर्मित छोटे आरओबी का कल होगा लोकार्पण

♦ इटाढ़ी रेलवे क्रासिंग के पास हल्के वाहनों के आवागमन की होगी सुविधा
♦ इटाढ़ी रेलवे क्रासिंग के पास निर्मित आरओबी के लोकार्पण एवं चौसा में शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो क्रांफ्रेंसिंग के माध्यम से करेंगे

केटी न्यूज/बक्सर



शहर के इटाढ़ी रोड स्थित रेलवे क्रासिंग पर वाहनों के लगने वाले जाम की समस्या का तत्काल कोई निदान होता नहीं दिख रहा है। हालांकि इटाढ़ी रेलवे क्रासिंग के पास हल्के वाहनों के आवागमन के लिए नव निर्मित रोड ओवर ब्रिज का लोकार्पण 26 फरवरी को होगा। इसके लिए तैयारी जोरों पर चली है। मिली जानकारी के अनुसार इस छोटे पुल पर से बाइक आदि छोटे वाहनों का आवागमन प्रारंभ हो जाएगा। इसके अलावा चौसा रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास योजना का शिलान्यास भी किया जाएगा। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत इटाढ़ी रेलवे क्रासिंग के पास निर्मित आरओबी के लोकार्पण एवं चौसा में शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो क्रांफ्रेंसिंग के माध्यम से करेंगे। इसकी घोषणा दानापुर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा कर दी गई है। कार्यक्रम को लेकर महकमे की ओर से दोनों जगहों पर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं, ताकि समारोह को यादगार बनाया जा सके। विभाग से प्राप्त जानकारी के माध्यम से केन्द्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे एवं सदर विधायक संजय कुमार तिवारी दोनों जगहों के लिए अतिथि बनाए गए हैं। इटाढ़ी रेलवे क्रासिंग के पास बड़े एवं छोटे वाहनों के लिए 16 करोड़ 85 लाख की लागत से अलग-अलग दो आरओबी का निर्माण कार्य शुरू किया गया था। छोटे वाहनों के लिए निर्मित पुल का निर्माण पूरा होने के बाद वर्चुअली तरीक से उसका लोकार्पण पीएम द्वारा किया जाएगा. जिसके साथ ही उस पुल से मोटरसाइकिल, साइकिल, ई-रिक्शा आदि छोटी गाड़ियां फरार्टा भरने लगेंगी। जबकि पैदल यात्रियों को भी रेलवे फाटक खुलने के इंतजार से मुक्ति मिल जाएगी। दूसरी ओर कुछ ही दूरी पर बड़े वाहनों के लिए बन रहे आरओबी का कार्य अधूर है। इसके निर्माण में अभी समय लग सकता है। सूत्रों की मानें तो आचार संहिता से पूर्व इसके लोकापार्ण भी तैयारी चल रही है।

प्रिया-प्रियतम मिलन महोत्सव में उतानपाद कथा पर हुई चर्चा

स्नान व उपवास का अभ्यास जरूरी : भारत भूषण

केटी न्यूज/बक्सर



साकेतवासी संत श्रीनारायण दास जी भक्तमाली उपाख्य मामाजी की पुण्य स्मृति में शहर के नई बाजार स्थित श्रीसीताराम विवाह महोत्सव आश्रम में चल रहे प्रिया-प्रियतम मिलन महोत्सव के 5 वें दिन शनिवार को भागवत प्रसंग में राजा उतानपाद की कथा सुनाई गई। इस क्रम में भारत भूषण डॉ पुंडरीक शास्त्री ने कहा कि जीवन में मनुष्य को स्नान और उपवास का अभ्यास होना चाहिए। यदि इन दो चीजों का अभ्यास हो जाए तो मानव शरीर की बहुत सी बीमारियों का इलाज स्वतः हो जायेगा। ईश्वर ही दुनिया में सबकुछ करता है। सब कुछ उन्हीं के हाथ में है। मानव के वश में कुछ है ही नहीं। जीवन में गुरु की महत्ता को भी इंकार नहीं किया जा सकता। गुरु का होना सम्यक जीवन आचरण में बहुत आवश्यक है और यज्ञ ही भारत की परंपरा है। यज्ञ ही भारत की संस्कृति है, इसलिए यज्ञ का होना भारत में बहुत आवश्यक है। जीवन में गौ सेवा भी बहुत आवश्यक है। क्योंकि गाय में समस्त 33 कोटि देवी-देवताओं का निवास होता है। सिद्धाश्रम धरती लोक का वह पतित पावन पवित्र स्थल है, जहां स्वयं राघवेंद्र सरकार ने आकर शिक्षा ग्रहण की थी। राजा उतानपाद की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी दो पत्नियां थीं। एक सुनीति और दूसरी सुरुचि। उनके दो पुत्रों में एक ध्रुव और दूसरा उत्तम था। राजा उतानपाद सुरुचि को अधिक मान करते थे। एक दिन राजा के दोनों पुत्र उनके गोद में खेल रहे थे। तभी रानी सुरुचि ने उनके गोद से राजकुमार ध्रुव को उतार दिया। बालक ध्रुव को इस बात का ठेस लग गया। उन्होंने कठोर तप करके भगवान का सानिध्य प्राप्त किया।

बक्सर शहर के बर्तन दुकान से सामान चोरी

बक्सर। टाउन थाना क्षेत्र के तुरहा टोली से चोरों ने एक बर्तन दुकान को अपना निशाना बनाया है। दुकान से नगदी समेत लाखों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर लिया है। पीड़ित ने इस संबंध में टाउन थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यूपी के भरौली निवासी महेंद्र साह दुकान बंद कर अपने घर चले गये थे। अगले दिन सुबह जब तुरहा टोली स्थित अपने दुकान आये तब उन्हें इस बात की जानकारी मिली कि चोरों ने उनके दुकान पर हाथ साफ कर लिया है। यह देख उनके होश उड़ गये। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की छानबीन जा रही है। जल्द ही चोरों का पकड़ लिया जाएगा। पुलिस सभी बिन्दुओं पर कार्य कर रही है।



अवैध नर्सिंग होम आशा हास्पिटल को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने किया सील

♦ एक सप्ताह पहले सेना के एक जवान ने डीएम को शिकायती पत्र देकर उक्त नर्सिंग होम में रोगियों के इलाज में लापरवाही व आर्थिक शोषण की दी थी जानकारी

केटी न्यूज/बलिया

मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय से चंद कदम की दूरी पर संचालित अवैध नर्सिंग होम आशा हास्पिटल को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सील कर दिया है। इस दौरान अस्पताल में भर्ती तीन महिला रोगियों को टीम ने एम्बुलेंस के माध्यम से जिला महिला चिकित्सालय में शिफ्ट कराया गया। हालांकि, इस कार्रवाई के बाद एक एक अनसुलझा सवाल खड़ा हो गया है कि लम्बे समय से यह फर्जी अस्पताल किसकी कृपा से संचालित हो रहा था मिली जानकारी के अनुसार करीब एक सप्ताह पहले सेना के एक जवान ने डीएम को शिकायती पत्र देकर उक्त नर्सिंग होम में रोगियों के इलाज में लापरवाही व आर्थिक शोषण की शिकायत की थी। डीएम के निर्देश पर सीएमओ ने अस्पताल संचालक को नोटिस जारी कर कागजात तलब किये गये थे। हालांकि संचालक ने



कागज बदल दिया और अस्पताल तथा इलाज करने वाले डॉक्टरों का नाम दूसरा हो गया। डीएम के आदेश के बाद तत्काल स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जांच-पड़ताल की। जांच में अस्पताल का संचालन अवैध का मामला प्रकाश में आया। इस संबंध में एसीएमओ डॉ. विजय यादव का कहना है कि जांच में रजिस्ट्रेशन नहीं होने पर अस्पताल को सील किया गया है।

संविदा पर तैनात है संचालक पति-पत्नी: मिली जानकारी के अनुसार सीएमओ कार्यालय के पास जिस नर्सिंग होम को सील किया गया है, उसका संचालन डॉक्टर दम्पति करता था। बताया जा रहा है कि पति सदर अस्पताल तथा पत्नी जिला महिला अस्पताल में संविदा पर तैनात है। दोनों इसका फायदा उठाते हुए रोगियों को बहला-फुसलाकर अपने नर्सिंग होम में लेकर जाते थे।

अवैध नर्सिंग व जांच-अल्ट्रा साउंड केंद्रों की भरमार: जिले में अवैध नर्सिंग, जांच तथा अल्ट्रा साउंड केंद्र संचालन की शिकायतें अक्सर सामने आती रहती है। यही नहीं, सूत्रों का दावा है कि, जिला अस्पताल, जिला महिला अस्पताल व सीएमओ कार्यालय के आसपास भी अवैध नर्सिंग, जांच तथा अल्ट्रा साउंड केंद्र की भरमार है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार कार्रवाई नहीं करते हैं। बल्कि मामले को टालने का प्रयास करते है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि इसमें स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का पीछे से हाथ रहता है। उनकी देखरेख में यह सब संचालित होता है। सीएमओ कार्यालय से कुछ दूरी पर संचालित अस्पताल पर भी शायद कार्रवाई नहीं होती। लेकिन सेना के जवान ने डीएम से इसकी शिकायत कर दी और स्वास्थ्य विभाग को बैकफुट पर आना पड़ा।

एक नजर

छात्रों ने फूंका सीएम ममता बनर्जी का पुतला



बलिया। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में हुए हिंसा व महिलाओं पर टीएमसी नेताओं की ओर से किए जा रहे उत्पीड़न के खिलाफ शनिवार को टीडी कालेज चौराहे पर विरोध प्रदर्शन हुआ। इस दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का पुतला दहन किया। साथ ही ममता बनर्जी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पुतला दहन के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक वैभव प्रताप गिरि ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। वहां महिलाओं को अपमानित किया जा रह है। पश्चिम बंगाल में निरंतर महिलाओं के साथ अत्याचार की घटनाएं सामने आ रही है। संदेशखाली में टीएमसी के गुंडे महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं। वहीं इस मामले में ममता बनर्जी तुष्टिकरण के नाम पर मौन साधकर बैठी हुई है। नगर मंत्री अतुलित पांडेय ने कहा कि पश्चिम बंगाल में निरंकुशता अपने चरम है। टीएमसी की विभाजनकारी नीति ने राज्य के सुनहरे भविष्य को अंधेरे में धकेल रहा है। आज पश्चिम बंगाल का आम जनमानस काफी डरा हुआ है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार पश्चिम बंगाल में मानवता को कुचल रही है। इस मौके पर शशिकांत पांडेय, रवि गुप्ता, आदित्य तिवारी, अभिषेक आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया गया

गाजीपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेवतीपुर के परिसर में शनिवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया गया। जिसका शुभारंभ चिकित्सा अधीक्षक डाक्टर अमर ने किया। इस दौरान 80 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिनमें से नौ गर्भवती महिलाओं को उच्च जोखिम के लिए चिन्हित किया गया। शिविर में उच्च जोखिम के तहत चिन्हित गर्भवती महिलाओं को चिकित्सा अधीक्षक के निर्देश पर महिला स्वास्थ्य कर्मियों की ?निगरानी में रखा गया है। जिन सभी का प्रतिदिन स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा, साथ ही उन्हें पौष्टिक युक्त आहार का सेवन करने के निर्देश दिए गये है। इसकी पूरी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित कर दी गई। चिकित्सा अधीक्षक व प्रभारी अधिकारी डाक्टर अमर ने बताया कि यह कार्यक्रम पहले माह में एक बार नौ तारीख को मनाया जाता था, मगर अब शासन के निर्देश पर इसमें बदलाव किया गया है,जिसे अब माह में चार बार 1,9,16 और 24 तारीख को मनाया जाता है,उन्होंने बताया कि इन गर्भवती महिलाओं की जांच के बाद गूगल शीट पर आनलाइन सूचना एकत्र कर जिला मुख्यालय भेजी जाती है। कहा कि वहां से सम्बन्धित के मोबाइल पर बार कोड मिलता है। जांच में हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, ब्लड ग्रुप, एच आई वी,सिफलिश आदि की जांच की गई है। इस अवसर पर मनीष कुमार, प्रियंका सिंह, प्रियंका राय ,अभिषेक कुमार,आशुतोष सिंह, अभिषेक उपाध्याय आदि अन्य लोग लोग मौजूद रहे।

45 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब के साथ एक गिरफ्तार



बलिया। पुलिस अधीक्षक देव रंजन वर्मा के निर्देशन में अवैध शराब की तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में फेफना थाना पुलिस को सफलता मिली है। प्रभारी निरीक्षक गजानन्द चौबे ने टोंस नदी पुलिया तीखा के पास से अवैध शराब लदी पिकअप नंबर यूपी 60 बीटी 7501 के साथ कृष्णा यादव पुत्र रमाकान्त यादव, बछईपुर थाना नगरा को गिरफ्तार किया है। पुलिस इसके अन्य साथियों की भी तलाश में जुटी है।

खबरें फटाफट

शब-ए- बारात का त्यौहार आज

पीडीडीयू नगर । देश भर में शब-ए- बारात का त्यौहार 25 फरवरी रविवार की रात को मनाया जाएगा। ग्रामीण सहित शहर की सभी कब्रिस्तानों में रात को लोग पहुंच कर अपने अपने पूर्वजों की कब्र पर फातिहा पढेंगे और रोशनी की जाएगी। रात भर मस्जिदों में इबादत होगी। इसके लिए कब्रिस्तनों व मस्जिदों को भी सजाया गया है। शब-ए- बारात का चॉद दिखते ही सभी कब्रिस्तानों को की साफ-साफई करने में लग जाते हैं।
शबे बरात का त्यौहार 25 फरवरी की रात को मनाया जाएगा। शहर की सभी कब्रिस्तानों में रात को लोग पहुंच कर अपने अपने पूर्वजों की कब्र पर फातिहा पढेंगे और रोशनी की जाएगी। रात भर मस्जिदों में इबादत होगी। इसके लिए मस्जिदों को भी सजाया गया है। कसाब महाल, अलीनगर, सिकटियॉ, इस्लामपुर, नई बस्ति के कब्रिस्तानो समेत ग्रामीण इलाके के कब्रिस्तान में पहुंचकर लोग अपनों की कब्र पर मिट्टी चढ़ा रहे हैं और पूरे कब्रिस्तान का साफ-सफाई करने में बच्चे, नवजवान, बड़े, बुजुर्ग लगे रहे। शबे बरात यानी निजात की रात। मान्यता है कि इस रात जो भी शख्स इबादत करता है। उसके गुनाह माफ किए जाते हैं।

संत रविदास की धूमधाम से मनी जयंती

गाजीपुर। संत शिरोमणि रविदास की जयंती पूरे क्षेत्र में धूमधाम से मनाई गई। भगवान रविदास के भक्तो द्वारा जगह-जगह जुलूस और झांकी निकालकर लोगों ने विधिवत पूजन अर्चन किया। कई जगहों पर लकड़ी खेल खेला गया साथ ही डीजे पर जमकर युवा नौजवान नाचते हुए जुलूस में चल रहे थे। जखनिया ब्लॉक के जखनिया गोविंद गांव में ग्राम प्रधान नंदू गुप्ता, रामदुलार राम, अशोक गुप्ता ने रविदास जयंती पर जखनिया के पूरे बाजार में भ्रमण करके झांकी निकाली।
मटूकपुर ग्राम प्रधान जयप्रकाश और पूर्व प्रधान जैनेंद्र कुमार सहित युवाओं ने रविदास जी की झांकी के साथ ही डीजे पर नाचते हुए जुलूस निकाला।साथ ही मुस्तफाबाद उर्फ बड़ागांव, रेवरियां, देवा, जलालाबाद, रामपुर पतारी ,हरदासपुर कला, धर्मागतपुर, दुल्लहपुर, अमारी, सिखड़ी, नसरतपुर धीरजी , गौरा खास , गौरा सहित अन्य गांव में भी धूमधाम से जयंति मनी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत आईटीआई मैदान हुआ कार्यक्रम

विधि-विधान से 380 जोड़े ने रचाई शादी

♦ सामूहिक विवाह में एक मुस्लिम जोड़े का मौलवी ने कराया निकाह

केटी न्यूज/ गाजीपुर

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत आईटीआई मैदान में सामूहिक विवाह का आयोजन हुआ। इसके अंतर्गत 382 जोड़ों ने एक दूसरे को वरमाला डालकर जीवन साथी चुना। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह ने दीप प्रज्ज्वलीत कर किया। सामूहिक विवाह योजना में कुल 380 जोड़ों का सामूहिक विवाह पूरे विधि विधान के साथ सम्पन्न हुआ। सामूहिक विवाह के अवसर पर उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नव विवाहित वर-वधुओं को उनके वैवाहिक जीवन की मंगल कामना करते हुए शुभकामनाएं दी।

सामूहिक विवाह में 01 मुस्लिम जोड़े का मौलवी ने निकाह कराया। इस योजना का लाभ पाने वाले नवदाम्पत्य का विवाह प्रमाण पत्र एवं पौध रोपण हेतु फलदार वृक्ष का पौधा उनके हाथों में दिया गया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह ने नव विवाहित वर-वधुओं को आर्शीवाद वचन देते हुए कहा कि नव विवाहित जोड़ों ने 7 फेरे लेकर एक साथ रहने का जो संकल्प लिया है उसे आजीवन निर्वहन करे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने इस योजना के माध्यम से





गरीब, मजदूर एवं असहाय परिवारों को इसका लाभ दिया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के निर्देशन में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के महत्वकांक्षी योजना को आगे बढ़ाते हुए उप्र के बेटियों को उन्होंने अपनी बेटी मानकर मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजना पूरे प्रदेश में चलाया है। जिसका हम सभी सम्मान करते है। उन्होंने कहा कि दोनों में सर्वश्रेष्ठ दान कन्यादान है। आप जीवन में आगे बढ़े। जिस तरह यहां आज उत्सव हो रहा है। वैसे ही आप का जीवन का हर दिन उत्सव भरा हो। उन्होंने शादी समारोह में आये हुए वर एवं वधु के परिजनों के प्रति भी शुभकामनाएं व्यक्त की। इस दौरान अध्यक्ष सपना सिंह ने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत 51 हजार की धनराशि प्रदान किया जा रहा है। जिसमें 35 हजार रुपए वधु के खाते में तथा 10 हजार रुपए के उपहार एवं 6 हजार शादी समारोह के आयोजन के लिए दिया जा रहा है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों की शादी कराया जा रहा है। जिसमें लड़के की उम्र 21 वर्ष एवं लड़की की आयु 18 वर्ष होनी चाहिए। अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सरिता अग्रवाल ने सामुहिक विवाह के सफल आयोजन पर आभार व्यक्त करते हुए विवाहित नव दाम्पत्य जोड़ों को उनके विवाहित जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री के प्रेरणा से बेटियों को बोझ समझने की जो एक मंशा या सोच रहती है। उन सभी कुरीतियों पर एक प्रहार है। यह सामुहिक विवाह कार्यक्रम से ही प्राप्त किया जा सकता है। क्योंकि यह सादगी को बढ़ावा देता है। इस कार्यक्रम में परिणय सुत्र में बंध जाये और दहेज प्रथा तथा बेटियों को बोझ समझने की सोच से उबरकर, हम आगे बढ़ सके तथा बेटियों को समाज में उनको उचित स्थान दें सके। यही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की मंशा है। इसे सभी को मिलकर सफल बनाना होगा। तभी इसे समाज में अच्छी तरह से लाया जा सकता है। आभार जिला समाज कल्याण अधिकारी व्यक्त किया। इस अवसर पर संतोष कुमार वैश्य, परियोजना निदेशक राजेश यादव, जिला विकास अधिकारी सुभाष चन्द्र सरोज, जिला समाज कल्याण अधिकारी राम नगीना यादव, एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

केटी न्यूज/ चंदौली

सदर कोतवाली क्षेत्र के भगवानपुर के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की शिनाख्त में कृपा शंकर तिवारी के रूप में हुई। विदित हो कि शहाबगंज थाना क्षेत्र के सेमरा निवासी कृपा शंकर तिवारी 65 वर्ष अपने ससुराल सैयदराजा से घर लौट रहे थे। अभी बाइक से भगवानपुर गांव के समीप पहुंचे ही थे, तभी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची ने एनएचएआई एम्बुलेंस की मदद से मृतक के शव को पोस्टमार्टम हाउस भेजवाया। साथ ही मृतक की शिनाख्त करने में जुट गई। वाहन नम्बर व अन्य माध्यमों से उनकी शिनाख्त कृपा शंकर तिवारी के रूप में हुई। पुलिस ने घटना के बाबत जानकारी परिजनों को दे दी। वहीं मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। इस बाबत इंस्पेक्टर गगनराज सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। परिजनों को सूचना दे दी गई है,अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

किसानों ने काली पट्टी बांधकर किया विरोध, डीएम को सौंपा पत्र

केटी न्यूज/ चंदौली

भारतीय किसान मजदूर संयुक्त यूनियन (अ) द्वारा मथेला स्थित सिंचाई विभाग डाक बंगले पर काला दिवस मनाया गया । जिसमें दिल्ली में चल रहे किसानों के आंदोलन के संबंध में राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी को पत्र सौंपा । इस दौरान मंडल अध्यक्ष वाराणसी मनमन सिंह ने कहा कि दिल्ली के शम्भू व टिकरी बार्डर तथा अन्य जगहों पर चल रहे किसानों के आंदोलन में हम चन्दौली के किसान भी समर्थन कर रहे हैं। पुलिस के गोली से जो किसान भाई शहीद हुए हैं। उनके परिजनों को नौकरी व घायलों को उचित मुआवजा दिया जाय।जिन किसानों पर मुकदमा किया गया या फिर जिन्हें जेल में रखा गया है सरकार उन्हें रिहा कर मुकदमा वापस ले । जिस एमएसपी की मांग को लेकर किसान बार्डर पर धरना व आंदोलन कर रहे है उसका जल्द समाधान किया जाय। कहा कि चन्दौली में जहां जहां चकबंदी हुई है वहां हत्या की आशंका बनी हुई है। सरकार जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करे। यदि सरकार इन बातों पर विचार नही करेगी तो चन्दौली के किसान भी दिल्ली कूच करेंगे । इस दौरान महिला प्रकोष्ठ वाराणसी मण्डल अध्यक्ष विमला सिंह, पिंटू पाल, अखिलेश यादव, शेषनाथ यादव, कृष्ण कुमार यादव, गोलू यादव, दिनेश यादव, मराछु पाल, राधेश्याम पाल, अरुण यादव, खिचडू आदि उपस्थित थे।

यात्रियों की सुविधाओं को बढ़ाने का प्रयास

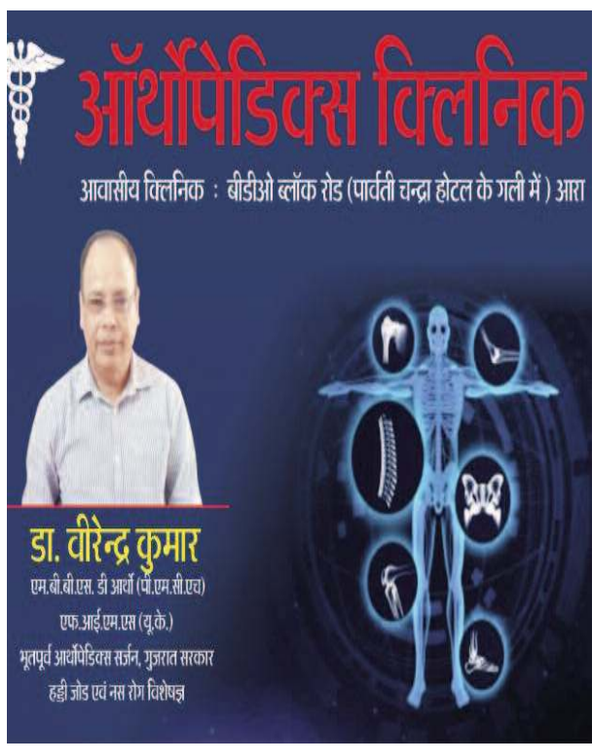
209 करोड़ रु. से बदलेगी 8 स्टेशनों की सूरत

केटी न्यूज/ पीडीडीयू नगर

देश के स्टेशन भवनों के हालात बदलने के क्रम में पीडीडीयू रेल मंडल के आठ स्टेशनों की सूरत बदली जाएगी। 209 करोड़ की लागत से रफीगंज, गुरारू सहित आठ रेलवे स्टेशनों की सूरत बदली जाएगी। स्टेशनों का अमृत भारत स्टेशन के तहत कायाकल्प किया जाएगा। यहां फुट ओवरब्रिज के साथ ऊंचे प्लेटफॉर्मों को बनाया जाएगा। दिव्यांग यात्रियों के लिए रैंप, वॉटर बूथ, बुकिंग काउंटर, पार्किंग, शौचालय, प्लेटफार्म शेड, सकुर्लेटिंग एरिया का विकास, बेहतर प्रकाश व्यवस्था एप्रोच रोड को बेहतर बनाया जाएगा। 26 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल तरीके



से स्टेशनों के कायाकल्प का शिलान्यास करेंगे। वहीं पीडीडीयू मंडल में 11 रोड ओवर ब्रिज और 18 अंडरपास का भी उद्घाटन करेंगे। रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए मंडल के 15 रेलवे स्टेशनों का चयन अमृत भारत स्टेशन के तहत किया गया है। इसमें चंदौली मझवार, भभुआ रोड, कुदरा, दुर्गावती, सासाराम, अनुग्रह नारायण और गया रेलवे स्टेशन को सिटी सेंटर के रूप में विकसित करने की शुरुआत पिछले वर्ष छह अगस्त को प्रधानमंत्री ने की थी। अब इस कड़ी में26 फरवरी को मंडल के बिक्रमगंज, पीरो, डेहरी ऑन सोन, रफीगंज, गुरारू, नबीनगर, मोहम्मद गंज, हैदर का विकास होगा।





युवक ने पहले डिग्रियां जलाई फिर फांसी पर लटका, पेपर लीक से था परेशान

♦ सुसाइड नोट में लिखा है मेरे माता-पिता मुझको माफ कर देना।मैं आपको धोखा देने जा रहा हूं। मेरी मौत के बाद किसी को परेशान ना किया जाये। मैं अपनी मौत का खुद जिम्मेवार हूं।

केटी न्यूज/कन्नौज

उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती की परीक्षा हाल ही में संपन्न कराई गई। कई जगहों से पेपर लीक होने की खबरें सामने आ रही हैं। इस बीच कन्नौज जनपद के सदर कोतवाली क्षेत्र के भूड पुरवा गांव के एक युवक बृजेश पाल ने पेपर लीक होने की खबरें सामने आने पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बृजेश ने आत्महत्या करने से पहले एक सुसाइड नोट भी लिखा है। सुसाइड नोट बहुत ही मार्मिक है। बृजेश ने लिखा है कि उसने अपनी पढ़ाई के सारे प्रमाण पत्र जला दिए हैं।

कथित सुसाइड नोट में ब्रजेश पाल ने अपनी आत्महत्या करने का कारण बेरोजगारी बताया है। बृजेश ने सुसाइड नोट में लिखा है कि मेरे माता-पिता मुझको माफ कर देना। मैं


सांकेतिक फोटो

आपको धोखा देने जा रहा हूं। मेरी मौत के बाद किसी को परेशान ना किया जाये। मैं अपनी मौत का खुद जिम्मेवार हूं। मैं अब और जीना नहीं चाहता हूं। हमें किसी प्रकार की कोई तकलीफ नहीं थी। बस हमारा मन भर गया है और आज मैं सबका साथ न छोड़ने जा रहा हूं, हो सके तो हमको माफ कर देना।

बृजेश ने आगे लिखा है कि आज का दिन हमारे लिए आखिरी है। आज हमने अपनी मां के साथ खाना खाया और हम अपने मां-बाप को धोखा देने जा रहे हैं। पापा का ख्याल रखना और बोल देना हमारा तुम्हारा इतना ही साथ था। संगीता की शादी अच्छे से करना भले ही हम नहीं हैं। हमने इ.रू. के सारे कागज जला दिये हैं। क्या फायदा ऐसी डिग्री का जो एक नौकरी न दिला सकी। हमारी आधी उम्र पढ़ते-पढ़ते निकल गई, इसलिए हमारा मन भर गया है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बात को लेकर पोस्ट किया है। अखिलेश यादव ने लिखा है कि ये एक बेहद दुखद खबर है कि बेरोजगारी की त्रासदी से निराश होकर कन्नौज में एक युवा बृजेश पाल ने फांसी लगाकर जान दे दी और और ऐसा करने से पहले उसने अपनी सारी डिग्रियां जला डाली। जीवन देना कोई समाधान नहीं होता, संघर्ष ही समाधान का रास्ता निकालता है। भाजपा सरकार में नौकरी की उम्मीद बेमानी है, जो भाजपा अपनी सरकार बनाने के लिए हर हथकंडा अपनाती है, वो नौकरी देने के नाम पर क्यों मुकर जाती है।

एक नजर

उत्तर प्रदेश विधान परिषद के 13 सदस्यों का मतदान 21 मार्च को

मऊ। उप जिला निर्वाचन अधिकारी सत्यप्रिय सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश विधान सभा सदस्यों द्वारा उत्तर प्रदेश



विधान परिषद के 13 सदस्यों, जिनका कार्यकाल दिनांक 05 मई, 2024 को समाप्त हो रहा है, के कारण होने वाली रिक्तियों की पूर्ति के लिए विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2024 कराये जाने हेतु निम्नानुसार कार्यक्रम नियत किया गया है, जिसमें नाम निर्देशन की अधिसूचना का दिनांक 04 मार्च, 2024 दिन सोमवार, नाम निर्देशन हेतु अंतिम दिनांक 11 मार्च, 2024 दिन सोमवार, नाम निर्देशन की संवीक्षा हेतु दिनांक 12 मार्च, 2024 दिन मंगलवार, नाम वापसी हेतु अंतिम दिनांक 14 मार्च, 2024 दिन बृहस्पतिवार, मतदान की तिथि 21 मार्च, 2024 दिन बृहस्पतिवार, मतदान का समय पूर्वाहन 9:00 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक तथा मतगणना का दिनांक 21 मार्च, 2024 दिन बृहस्पतिवार सांय 5:00 बजे से मतगणना के समाप्ति तक।

लखनऊ एयरपोर्ट के नए टर्मिनल टी-3 का शानदार लुक आया सामने

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल टी-3 का वीडियो सोशल मीडिया



पर वायरल हो रहा है। नया टर्मिनल अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। बिल्डिंग का लुक शानदार है।यह यात्रियों को बहुत पसंद आएगा। अमौसी हवाई अड्डे पर मौजूदा समय में दो टर्मिनल हैं।घरेलू टर्मिनल से मुम्बई, दिल्ली, अहमदाबाद, कोलकाता आदि की उड़ान होती हैं।जबकि इंटरनेशनल टर्मिनल से खाड़ी देशों आदि की उड़ानें आती-जाती हैं।ऐसे में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नए टर्मिनल की आवश्यकता महसूस हुई।इंटरनेशनल टर्मिनल के पास नया टर्मिनल टी-3 बनाने की बात हुई। लॉकडाउन से पहले टर्मिनल के निर्माण का काम शुरू हुआ,जिसके एक हिस्से का काम पूरा हो चुका है। हवाई अड्डे के डिपार्चर सेक्शन का वीडियो शुक्रवार को एक्स पर वायरल हुआ,जो बहुत पसंद किया गया। बिल्डिंग के अंदर का लुक बेहद खास है। इसमें डिपार्चर सेक्शन और यात्रियों के बैठने का एरिया नजर आ रहा है। इसके अलावा बिल्डिंग के अंदर का लुक भी शानदार है। अधिकारियों की मानें तो फरवरी महीने के अंत तक यह टर्मिनल बनकर तैयार हो जाएगा और इसकी सौगात यात्रियों को मिलेगी।

खबरें फटाफट

प्रयागराज-वाराणसी एनएच पर हादसा, बस पलटी, छह घायल

प्रयागराज। जनपद के हंडिया थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले प्रसार गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर बड़ा सड़क हादसा हो गया। बस के सामने अचानक दो बाइकों के आने से बस अनियंत्रित हो सड़क पर पलट गई। मामला प्रयागराज के हंडिया थाना क्षेत्र के लेसर गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। उक्त मार्ग पर निरंजन सहाय दिल्ली से बिहार जा रही बस के सामने दो बाइकों के अचानक आने की वजह से बस चालक अपना संतुलन खो बैठा। इस दौरान बाइक और बस की जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें लगभग आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ऊपरदहा लाया गया। हालत नाजुक होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल प्रयागराज रेफर किया गया। इसमें कुछ लोगों को हल्की-फुल्की छोटें आई है। सबका इलाज स्थानीय अस्पताल में कराया जा रहा है। मौके पर पहुंची हंडिया पुलिस द्वारा विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जनपद में प्रवाहित नदियों का होगा पुनरुद्धार

मऊ। जनपद में प्रवाहित होने वाली नदियों क्रमशः तमसा एवं घाघरा नदी में नगरीय क्षेत्रो में प्रवाहित नालों के गंदे पानी एवं सेप्टी टैंको के मलवे से शीघ्र ही मुक्ति मिलेगी। जिलाधिकारी श्री प्रवीण मिश्र के प्रयासों से नगर पालिका परिषद मऊ क्षेत्र में अमृत 2.0 कार्यक्रम के अंतर्गत सीवर व्यवस्था हेतु सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) हेतु ग्राम पंचायत बढुवा गोदाम में 2.098 हेक्टेयर जमीन को चिन्हित कर लिया गया है। एसटीपी की स्थापना के उपरांत नगर पालिका परिषद क्षेत्र में प्रवाहित नालों को सीवर पाइपलाइन के माध्यम से एसटीपी ले जाकर उसे शुद्ध करने के उपरांत कृषि कार्यों के अलावा नदियों में प्रवाहित किया जाएगा, जिससे नदियों के प्रदूषण में कमी आएगी तथा उसका पानी शुद्ध होगा। इसी प्रकार नगर पंचायत क्षेत्र दोहरीघाट में एफएसटीपी की स्थापना हेतु ग्राम सियरही घरजला तहसील घोसी में एक 1.160 हेक्टेयर जमीन चयनित की गई है। इस प्लांट की स्थापना से सेप्टी टैंको के मलवे का ट्रीटमेंट कर बेहतर उपयोग किया जा सकेगा।

लखनऊ में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने खेल विभूतियों को किया सम्मानित

सीएम योगी बोले... निजी खेल एकेडमी को भी अब प्रोत्साहित करेगी सरकार

♦ सीएम बोले- निजी एकेडमी के प्रोत्साहन से अधिक से अधिक खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए शुरू होगा अभिनव कार्यक्रम
♦ खेल अब समय काटने का नहीं, बल्कि राज्य की, देश की स्ट्रेंथ को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का बन चुका है सशक्त माध्यम

केटी न्यूज/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राजधानी लखनऊ में एक बार फिर देश और प्रदेश की खेल विभूतियों को सम्मानित किया। एक मीडिया समूह के सम्मान समारोह कार्यक्रम में सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश में खेल गतिविधियों को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के साथ-साथ खिलाड़ियों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए किए गए सरकारी प्रबंधों का भी उल्लेख किया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार ने खेलकूद की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के साथ ही पहली बार यह भी व्यवस्था बनाई है कि खेलों के लिए निजी एकेडमी चलाने वालों को शासन की ओर से प्रोत्साहित करेंगे और सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि यह देश के अंदर एक अभिनव कार्यक्रम होगा, क्योंकि बहुत सारे ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने निजी एकेडमी में ही प्रशिक्षण लिया है, लेकिन शासन उनको सपोर्ट नहीं कर पाता था। अब हम उन्हें भी प्रोत्साहित करेंगे जिससे अधिक से अधिक खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाया जा सकेगा।



इस दौरान सीएम योगी ने भारतीय क्रिकेटर मो. शमी, उत्तर प्रदेश की एथलीट पारुल चौधरी के साथ ही स्पोर्ट्स डायरेक्टर उत्तर प्रदेश आरपी सिंह को सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पूर्व भारतीय टेनिस खिलाड़ी महेश भूपति समेत देश की जानी मानी खेल विभूतियां मौजूद रहीं।

सीएम योगी ने कहा हम सभी जानते हैं कि पिछले 10 वर्ष के अंदर प्रदेश के अंदर और देश के अंदर एक नई खेल संस्कृति का उदय हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में खेलो इंडिया खेलो का अभियान प्रारंभ हुआ, फिट इंडिया मूवमेंट से लेकर सांसद खेलकूद प्रतियोगिता देश के सभी संसदीय क्षेत्र में आयोजित हो रही है। साथ ही खेलो इंडिया सेंटर आज प्रदेश देश के हर एक जनपद में स्थापित हो रहे हैं। एक नई खेल संस्कृति देश के अंदर पनपी है। उन्होंने कहा कि खेल अब समय काटने का माध्यम नहीं, बल्कि राज्य की, अपने देश की स्ट्रेंथ को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का भी एक सशक्त माध्यम बन चुका है और उसका प्रोत्साहन इस नई खेल संस्कृति के माध्यम से हम आगे बढ़ा सकें यह अत्यंत आवश्यक था।

आज यूपी की आबादी कम और मेडल ज्यादा आ रहे हैं

सीएम योगी ने कहा कि हम लोगों ने जो प्रदेश में खेलों को लेकर जो कार्य प्रारंभ किए उसके परिणाम अभी एशियन गेम्स में आप सभी को देखने को मिला होगा। देश की आबादी की कुल 16 परसेंट आबादी उत्तर प्रदेश में निवास करती है, लेकिन जब एशियन गेम्स में पदक जीतने की बात आई तो उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने 25 परसेंट मेडल जीते हैं। पहले यूपी की आबादी ज्यादा थी और मेडल कम आते थे, लेकिन आज आबादी कम है और मेडल ज्यादा आ रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि अभी यहां पर हमने मोहम्मद शमी को सम्मानित किया है। हमने उनके गांव में भी एक स्टेडियम बनाने की घोषणा की और मुझे अच्छा लगा कि उनसे ज्यादा उनके पिताजी को खुशी हो रही थी, क्योंकि इन्होंने प्रदेश के लिए, देश के लिए खेला है। एक खिलाड़ी सिर्फ अपने लिए नहीं खेलता है। जब वह खेलता है तो पूरे देश के लिए, पूरे समाज के लिए, युवाओं के लिए खेलता है और उन्हें प्रेरित करता है। पारुल चौधरी जब एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल लेकर आती हैं और राज्य के बारे में बोलती है तो देश के करोड़ों नौजवानों को प्रेरणा मिलती है।

बड़ी संख्या में खिलाड़ियों को प्रदान की जा रहीं नौकरियां

सीएम ने कहा कि खेल नीति को बनाने के लिए जब हम लोगों ने कार्य प्रारंभ किया तो देखा कि हमारे खिलाड़ी मेडल तो प्राप्त करते हैं, लेकिन हम उन्हें क्या दे पा रहे हैं। उनके लिए क्या कुछ हो सकता है। हमने बहुत अच्छी खेल नीति तैयार की और उसके तहत खिलाड़ियों को प्रदेश शासन में स्थान दे सके। उत्तर प्रदेश, देश का एकमात्र राज्य है जिसने न केवल राज्य के बल्कि देश के हर खिलाड़ी को सम्मानित किया, जिन्होंने ओलंपिक और पैरा ओलंपिक में प्रतिभाग किया व मेडल जीता। उन्हें नकद राशि उपलब्ध करवाई गई। एशियन गेम्स में भी मेडल जीतने वाले प्रदेश भर के खिलाड़ियों को हम लोगों ने लखनऊ में सम्मानित किया। ओलंपिक और एशियाई गेम्स में मेडल प्राप्त करने वाले 10 खिलाड़ियों को राजपत्रित अधिकारी का नियुक्ति पत्र जारी किया जा चुका है और 500 खिलाड़ियों को शासकीय नौकरियों में समायोजित किया गया है।

अनुभवी खिलाड़ियों को बनाया जा रहा कोच

सीएम योगी ने कहा कि एक नई खेल संस्कृति आगे बढ़े इसके लिए खिलाड़ियों को नगद राशि तो दी ही जाती है, साथ ही हर गांव में में खेल का मैदान बने, ओपन जिम का निर्माण हो, हर विकासखंड में एक मिनी स्टेडियम का निर्माण हो, हर जनपद में एक स्टेडियम का निर्माण हो, स्पोर्ट्स हॉस्टल को और मजबूत कर सकें इसके लिए इन सभी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया जा रहा है। खिलाड़ी एक समय के बाद जब खेल से बाहर होता है तो उसकी प्रतिभा और उसके अनुभव का लाभ समाज लेने में कहीं ना कहीं चूक जाता है। अब हम हर जनपद में खेलो इंडिया सेंटर बना रहे हैं। बजट में व्यवस्था दी गई है कि हर विकासखंड स्तर पर खेलो यूपी सेंटर की स्थापना करेंगे और किसी पूर्व अंतरराष्ट्रीय या राष्ट्रीय खिलाड़ी को कोच के रूप में रख करके उन्हें प्रोत्साहित करने का कार्य करेंगे।

ट्रांसजेंडर लोगों के लिए नगर पालिका क्षेत्र स्थित शौचालयों में हुई अलग व्यवस्था

केटी न्यूज/ मऊ

गत दिनों ट्रांसजेंडर लोगों की समस्याओं के निस्तारण के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला अधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई थी। बैठक के दौरान ट्रांसजेंडर लोगों ने पहचान पत्र जारी करने, सार्वजनिक शौचालयो में अलग से उनके लिए व्यवस्था करने, सरकारी अस्पतालों में बिना भेदभाव के इलाज की सुविधा मिलने सहित अन्य समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया था।जिसके दृष्टिगत जिलाधिकारी ने प्रभावी कदम उठाते हुए अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को नगर पालिका क्षेत्र स्थित समस्त सार्वजनिक शौचालयो में ट्रांसजेंडर लोगों को के लिए अलग से शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे।इसी क्रम में नगर पालिका परिषद क्षेत्र स्थित सार्वजनिक शौचालयो में ट्रांसजेंडर लोगों के लिए अलग से शौचालय की व्यवस्था की जाने लगी है। अब तक नगर पालिका क्षेत्र स्थित कई सार्वजनिक शौचालयो में ट्रांसजेंडर लोगों के लिए अलग से शौचालय की व्यवस्था की जा चुकी है। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद दिनेश कुमार ने बताया कि नगर पालिका परिषद क्षेत्र स्थित समस्त सार्वजनिक शौचालय में ट्रांसजेंडर लोगों के लिए अलग से शौचालय व्यवस्था करने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

यूपी बोर्ड परीक्षा : दूसरे दिन 28000 परीक्षार्थियों ने छोड़ी परीक्षा

केटी न्यूज/ प्रयागराज

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के दूसरे दिन की बोर्ड परीक्षा सकुशल संपन्न हुई।दूसरे दिन की परीक्षा में दोनों पालियों में कुल 28 हजार 513 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। पहली पाली में हाईस्कूल की पालि, अरबी, फारसी भाषाओं और इंटरमीडिएट के नागरिक शास्त्र विषय की परीक्षा हुई। जबकि दूसरी पाली में हाई स्कूल की संगीत गायन और इंटरमीडिएट की व्यावसायिक एवं कृषि वर्ग की परीक्षा संपन्न हुई। यूपी बोर्ड परीक्षा 2024 की परीक्षा 22 फरवरी से शुरू हुई है। परीक्षा में नकल और धांधली रोकने के लिए कड़े इंतजाम किए गए हैं। दूसरे दिन की परीक्षा में इंटरमीडिएट का एक छात्र नकल करते हुए पकड़ा गया। जबकि पहले दिन हाईस्कूल के पांच परीक्षार्थी नकल करते हुए पकड़े गए थे। यूपी बोर्ड के मुताबिक दूसरे दिन की परीक्षा में पहली पाली में 3 लाख 72 हजार 936 परीक्षार्थियों में से 25 हजार 916 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ी,जबकि दूसरी पाली की परीक्षा में कुल पंजीकृत 74 हजार 560 परीक्षार्थियों में से 2597 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस तरह दोनों पालियों में कुल 28 हजार 513 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। 23 फरवरी को पहली पाली में कुल 7376 परीक्षा केंद्रों पर और द्वितीय पाली में कुल 2238 परीक्षा केंद्रों पर सकुशल परीक्षा संपन्न हुई।



राहुल गांधी खुद अपने परिवार के गढ़ अमेठी में भी स्मृति ईरानी से गयी थी हार

यूपी :17 सीटों में 2019 में कांग्रेस की जानें कहां-कहां जब्त हुई जमानत

♦ कांग्रेस को अबकी बार यूपी में जो 17 सीटें गठबंधन के तहत मिली हैं,उनमें से कांग्रेस पिछली बार सिर्फ 4 सीटों पर ही जमानत बचा सकी थी

केटी न्यूज/ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल के इंडिया गठबंधन से निकलने से कांग्रेस को बड़ा फायदा हुआ है। समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को 80 में से 17 लोकसभा सीटें चुनाव लड़ने के लिए दी है,लेकिन 2019 के लोकसभा चुनावों के आंकड़ों पर नजर डालें तो इनमें से अधिकतर सीटों पर कांग्रेस का कोई खास जनाधार नजर नहीं आता है। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की 67 लोकसभा सीटों पर अपना प्रत्याशी उतारा था।इनमें से कांग्रेस लगभग 63 सीटों पर अपनी जमानत भी नहीं बचा पाई थी। कांग्रेस के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी खुद अपने परिवार के गढ़ अमेठी में भी केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से हार गए थे। सोनिया गांधी ही पार्टी की एकमात्र प्रत्याशी रहीं, जिन्होंने रायबरेली की अपनी सीट बचा ली, लेकिन जीत का अंतर भी 2014 के मुकाबले काफी कम हो गया था।

अब देखते हैं कि जिन 17 सीटों पर कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन के तहत चुनाव लड़ने जा रही है, वहां किन सीटों पर वह पिछली बार जमानत बचाने भी असफल रही थी।

लोकसभा और विधानसभा चुनावों में जब कोई उम्मीदवार अपने निर्वाचन क्षेत्र में कुल पड़े वोट का 1/6 या 16.66% वोट नहीं जुटा पाता है तो उसकी जमानत जब्त कर ली जाती है।

सपा ने इस बार कांग्रेस के लिए यूपी में जो सीटें छोड़ी हैं, वो है। अमेठी, रायबरेली, बांसगांव, फतेहपुर सीकरी, कानपुर,सहारनपुर, प्रयागराज, वाराणसी, महाराजगंज, अमरोहा, झांसी, बुलंदशहर, मथुरा, गाजियाबाद, सीतापुर, देवरिया और बाराबंकी।

कांग्रेस को अबकी बार यूपी में जो 17 सीटें गठबंधन के तहत मिली हैं, उनमें से कांग्रेस पिछली बार सिर्फ 4 सीटों पर ही जमानत बचा सकी थी, जिसमें रायबरेली, अमेठी, कानपुर और सहारनपुर थी।सहारनपुर में कांग्रेस प्रत्याशी इमरान मसूद की जमानत बहुत मुश्किल से बच पाई थी। वहीं बांसगांव में कांग्रेस ने कोई उम्मीदवार ही नहीं उतारा था,लेकिन फतेहपुर सीकरी, प्रयागराज, वाराणसी, महाराजगंज, अमरोहा, झांसी, बुलंदशहर, मथुरा, गाजियाबाद, सीतापुर, देवरिया और बाराबंकी में कांग्रेस प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई थी।

वाराणसी लोकसभा सीट पर कांग्रेस के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को महज 14.38% वोट मिले थे। वहीं टीवी चैनलों पर दिखने वाली कांग्रेस पार्टी की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत को तो महाजगंज में सिर्फ 5.91% वोट ही मिले थे।फतेहपुर सीकरी में पार्टी के स्टार प्रत्याशी रहे पूर्व सांसद राज बब्बर भी मात्र 16.57% वोट जुटा पाए थे। अमरोहा में तो कांग्रेस प्रत्याशी को सिर्फ 1.07% वोट मिले थे। झांसी में 6.24%, बुलंदशहर में 2.62%, गाजियाबाद में 7.34%, मथुरा में 2.54%, सीतापुर में 9.01%, बाराबंकी में 13.81% और देवरिया में 5.03% वोट मिल पाए थे।

सुभाषितम्

गुस्से से ज्ञान का प्रकाश बुझ जाता है

- आर. जी. इंगरसोल

कपड़ों की तरह नियम बदल देती है सरकार और संस्थाएं

नियम कायदे कानून यदि कपड़ों की तरह बार-बार बदले जाएं, तो उन नियम और कानून का क्या मतलब रह जाएगा।इसको आसानी के साथ समझा जा सकता है। नर्सिंग के लाखों छात्रों का भविष्य पिछले कई वर्षों से सरकार के नियम कायदे कानून के कारण अटका हुआ पड़ा है। हाईकोर्ट, सीबीआई, विश्वविद्यालय, नर्सिंग कॉलेज, इंडियन नर्सिंग काउंसिल के नियम और कानून के कारण छात्र भटक रहे हैं। किसी छात्र के 2 साल बर्बाद हो गए। किसी छात्र के 3 साल बर्बाद हो गए। केरियर बनाने के लिए उसके हजारों रुपए हर महीने खर्च हो रहे हैं। हर संस्था के अलग-अलग नियम और कानून के इस मकडजाल में फंसकर छात्र छात्राएं परेशान होकर यहां से वहां घूम रहे हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश शासन ने नर्सिंग कॉलेज खोलने के लिए नियम बदल दिए हैं। पहले 23000 वर्ग फुटफुट पर नर्सिंग कॉलेज के भवन बनाने का नियम था। अब सरकार ने इसे घटाकर 8000 वर्ग फुट कर दिया है। सरकार ने यह नियम नर्सिंग कॉलेज में पाठ्यक्रम सही तरीके से संचालित हो। बिना भवन के जो नर्सिंग कॉलेज चल रहे थे।उन नर्सिंग कॉलेज को मान्यता दी जा सके।इसके लिए सरकार ने नियम बदल दिए हैं। इंडियन नर्सिंग काउंसिल द्वारा नर्सिंग कॉलेज के लिए जो नियम सुनिश्चित किए गए थे। उसे दरकिनार करते हुए सरकार ने नियमों को बदल दिया है। नियम और कानून के इतने सारे मकड़जाल हैं, कि इससे निकाल पाना जो फस गया उसके लिए संभव नहीं है। राजनीतिक समीकरणों तथा नियमों की आड़ में भ्रष्टाचार करने के लिए हर संस्था अपने-अपने नियम कानून बना लेती है। नर्सिंग कॉलेज के मामले में इंडियन नर्सिंग काउंसिल के जो प्रावधान है। उसका पालन सरकार,सभी विश्वविद्यालयों, कॉलेज संचालकों को करना होता है। जैसे नियम होते हैं, उसके अनुसार कागज बना लिए जाते हैं। जिनके ऊपर जांच करने की जिम्मेदारी होती है। वह अपना शुकराना लेकर आंख बंद कर लेते हैं। वास्तविक स्थिति उसके विपरीत होती है। पिछले कई वर्षों से म. प्र.हाई कोर्ट में यह मामला चल रहा है. छात्र-छात्राओं की परीक्षाएं नहीं हुई हैं। सीबीआई की जांच चल रही है। मनमाने तरीके से नर्सिंग कॉलेज से पैसे लेकर कॉलेज को अनुमति दी गई। अनुमति देते समय किसी भी संस्था ने नियमों का ध्यान नहीं रखा। सारी संस्थाएं मिलजुल कर भ्रष्टाचार का खेल करते हैं। इसमें नुकसान उन छात्र-छात्राओं का हो रहा है। जिन्होंने नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश लिया है ।अभी तक उन्हें नौकरी मिल जानी चाहिए थी प्रदेश और देश में नर्सिंग स्टाफ की भारी कमी है। कोई भी संस्था एक दूसरे के नियमों के अनुरूप नियम और कानून नहीं बनाते हैं। जिसके कारण यह अव्यवस्था दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है। कायदे से नर्सिंग काउंसिल द्वारा जो नियम कायदे कानून बनाए जाते हैं। उनके अनुसार ही सरकारों, विश्वविद्यालयों और राज्यों की नर्सिंग काउंसिल के कानून का पालन कराने की जिम्मेदारी रहती हैं। राज्य सरकार, विश्वविद्यालय एवं स्टेट नर्सिंग काउंसिल द्वारा जो भी नियम बनाए जाएं। उसमें इंडियन नर्सिंग काउंसिल के नियम और दिशा निर्देश का पालन करना अनिवार्य है। लेकिन हर संस्था अपने हिसाब से नियम कायदे कानून को समय-समय पर बदलती रहती है। जिसके कारण भ्रष्टाचार भी बढ़ता है। छात्रों की शिक्षा में एकरूपता और गुणवत्ता नहीं होती है। भ्रष्टाचार की गंगा बहती रहती है। जिसने भ्रष्टाचार की गंगा में नहा लिया, उसके सारे पाप कट जाते हैं। जो नहीं नहा पाता है, वह भटकता रहता है। नर्सिंग के छात्र-छात्राओं का भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के पाप ढोने पड़ रहे हैं। पिछले कई वर्षों से हाईकोर्ट, सीबीआई, नर्सिंग काउंसिल, राज्य सरकार और नर्सिंग कॉलेज के चक्कर लगाने ,भगवान को याद करते हुए, अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। यह मामला हाईकोर्ट में चल रहा है। लाखों छात्रों का भविष्य खराब हो चुका है।

चिंतन-मनन

निरोगी काया भी हो ध्येय

सच्चे अर्थों में जीवन उतने ही समय का माना जाता है, जितना स्वस्थतापूर्वक जिया जा सके। कुछ अपवादों को छोड़कर अस्वस्थता अपना निज का उपार्जन है। सृष्टि के सभी प्राणी प्रायः जीवन भर निरोग रहते हैं। मनुष्य की उच्छृंखल आदत ही उसे बीमार बनाती है। जीभ का चटोरापन अतिशय मात्रा में अखाद्य खाने के लिए बाधित करता रहता है। जितना भार उठ नहीं सकता, उतना लादने पर किसी का भी कचूमर निकल सकता है। बिना पचा सड़ता है और सड़न के रक्त प्रवाह में मिल जाने से जहां भी अवसर मिलता है, रोग का लक्षण उभर पड़ता है। अस्वच्छता, पूरी नींद न लेना, कड़े परिश्रम से जी चुराना, नशेबाजी जैसी आदत स्वास्थ्य को जर्जर बनाने का कारण बनते हैं। खुली हवा और रोशनी से बचना, घुटन भरे वातावरण में रहना भी बीमारी का बड़ा कारण है। भय या आक्रोश जैसे उतार-चढ़ाव भी मनोविकार बढ़ाते और व्यक्ति को सनकी, कमजोर व बीमार बनाते हैं। शरीर को निरोगी बनाकर रखना कठिन नहीं है। आहार, श्रम एवं विश्राम का संतुलन बिठाकर हर व्यक्ति आरोग्य एवं दीर्घजीवन पा सकता है। दूसरे नियम भी ऐसे नहीं, जिनकी जानकारी आमजन को न हो सके। उन्हें थोड़े से प्रयास से जाना जा सकता है। आलस्य रहित, श्रमयुक्त व्यवस्थित दिनचर्या का निर्धारण करना सरल है। स्वाद को नहीं-स्वास्थ्य को लक्ष्य करके उपयुक्त भोजन की व्यवस्था हर स्थिति में बनानी संभव है। सुपाच्य आहार समुचित मात्रा में लेना जरा भी कठिन नहीं है। शरीर को उचित विश्राम देकर हर बार तरोताजा बना लेने के लिए कहीं से कुछ लेने नहीं जाना पड़ता। यह सब असंयम एवं असंतुलन वृत्ति के कारण नहीं सध पाता और हम सुर दुर्लभ देह पाकर भी नर्क जैसी यातनाग्रस्त स्थिति में पड़े रहते हैं। शारीरिक आरोग्य के मुख्य आधार संयम एवं नियमितता ही है, इनकी उपेक्षा करके मात्र औषधियों के सहारे आरोग्य लाभ का प्रयास मृग मरीचिका के अतिरिक्त और कुछ नहीं है।

जब गंगनहर को देखकर अभिभूत हो गए भारतेंदु !

- डॉ श्रीगोपाल नारसन



एक बार भारतेंदु हरिश्चंद्र रुड़की से होकर हरिद्वार गए तो रुड़की की ऐतिहासिक गंगनहर को देखकर अभिभूत हो गए। यह तथ्य स्वयं भारतेंदु हरिश्चंद्र ने अपने यात्रा वृत्तांत संस्मरणों में लिखा है। उनके द्वारा यह यात्रा सन 1871 में की गई थी। अपनी हरिद्वार यात्रा में उन्होंने यहां की गंगनहर के सौंदर्यीकरण का रोचक, रोमांचक और अनुपम वर्णन किया है। रुड़की में इंजीनियरिंग का बेहतरीन नमूना गंगनहर पर बना एक्वाडक्ट जिसमे गंगनहर सोलानी नदी के ऊपर से गुजरती है, को भारतेंदु हरिश्चंद्र ने साहित्यिक विधा की गहराई में उतरकर शब्दों में उतारा था। उन्होंने अपनी इस यात्रा का वर्णन करते रुड़की की गंगनहर के विषय में लिखा है कि ह्ययहां सबसे आश्चर्य श्री गंगा जी की नहर है, पुल के ऊपर से तो यह नहर बहती है और नीचे से नदी बहती है। यह एक बड़े आश्चर्य का स्थान है। इसको देखने से शिल्प-विद्या का बल और अंग्रेजों का चातुर्य और द्रव्य का व्यय प्रगट होता है। न जाने वह पुल कितना दृढ़ बना है कि उस पर से अनवरत कई लाख मन वरन करोड़ मन जल बहा करता है और वह तनिक नहीं हिलता। भारतेंदु आगे लिखते है कि रुड़की के इस स्थल में ऊपर गंगनहर में जल बहता है और गंगनहर के नीचे नदी बहती है। जिसमे पुल के नीचे से सोलानी नदी नाव व पुल के ऊपर गंगनहर में भी नाव चलती है और उसके दोनों ओर गाड़ी जाने का मार्ग है और उसके परले सिरे पर चूने के सिंह यानि शेर की विशालकाय प्रतिमा बनी हैं। हरिद्वार का एक मार्ग इसी नहर की पटरी पर से है और भारतेंदु हरिश्चंद्र इसी मार्ग से गए थे। भारतेंदु के शब्दों में,यह श्री गंगा जी की नहर हरिद्वार से आई है और इसके लाने में यह चातुर्य किया है कि इसके जल का वेग रोकने के लिए इसको सीढ़ी की भांति लाए हैं। कोस कोस डेढ़ डेढ़ कोस पर बड़े बड़े पुल बनाए हैं वही मानों सीढ़ियां हैं और प्रत्येक पुल के ताखों से जल को नीचे उतारा है। जहां जहां जल को नीचे उतारा है वहां बड़े बड़े सीकड़ों में कसे हुए दृढ़ तख्ते पुल के ताखों के मुंह पर लगा दिए हैं और उनके खींचने के लिए ऊपर चक्कर रखे हैं। उन तख्तों से ठोकर खाकर पानी नीचे गिरता है वह शोभा देखने योग्य है। एक तो उसका महान शब्द दूसरे उसमें से फुहारे की भांति जल का उबलना और छींटों का उड़ना मन को बहुत लुभाता है और जब कभी जल विशेष लेना होता है तो तख्तों को उठा लेते हैं फिर तो इस वेग से जल गिरता है जिसका वर्णन नहीं हो सकता और ये मल्लाह दुष्ट वहां भी आश्चर्य करते हैं कि उस जल पर से नाव को उतारते हैं या चढ़ाते हैं। जो नाव उतरती है तो यह ज्ञात होता है कि नाव पाताल का गई पर वे बड़ी सावधानी से उसे बचा लेते हैं और क्षण मात्र में बहुत दूर निकल जाती है पर चढ़ाने में बड़ा परिश्रम होता है। यह नाव का उतरना चढ़ना भी एक कौतुक ही समझना चाहिए। इसके आगे और भी आश्चर्य है कि दो स्थान ऐसे है जहां नीचे नहर है और ऊपर से नदी बहती है। वर्षा के कारण वे नदियां क्षण में तो बड़े वेग से बढ़ती थी और क्षण भर में सूख जाती है और भी मार्ग में जो नदी मिली उनकी यही दशा थी। उनके करारे गिरते थे तो बड़ा भयंकर शब्द होता था और वृक्षों को जड़ समेत उखाड़ के बहाये लाती थी। वेग ऐसा कि हाथी न संभल सके पर आश्चर्य यह कि जहां अभी डुबा था वहां थोड़ी देर पीछे सूखी रेत पड़ी है और आगे एक स्थान पर नदी और नहर को एक में मिला के निकाला है। यह भी देखने योग्य है। सीधी रेखा की चाल से नहर आई है और बड़ी रेखा की चाल से नदी गई है। जिस स्थान पर दोनों का संगम है वहां नहर के दोनों ओर पुल बने हैं और नदी जिधर गिरती है उधर कई द्वार बनाकर उसमें काठ के तख्ते लगाए हैं जिससे जितना पानी नदी में जाने देना चाहें उतना नदी में और जितना नहर में छोड़ना चाहें उतना नहर में छोड़ें। जहां से नहर श्री गंगाजी में से निकली है, वहां भी ऐसा ही प्रबंध है और गंगाजी नहर में पानी निकल जाने से दुबली और छिछली हो गई है परंतु जहा नील धारा आ मिली है वहां फिर ज्यौं की त्यौं हो गई है। रुड़की की गंगनहर को लेकर भारतेंदु हरिश्चंद्र की यह गाथा इतिहास के स्वर्णिम पन्नो में दर्ज है। मात्र अपने 34 वर्षों के छोटे से जीवन मे भारतेंदु हरिश्चंद्र ने साहित्यिक ऊंचाईयों को छुवा है। वे अनेक भारतीय भाषाओं में कविता करते थे परंतु ब्रजभाषा पर उनका असाधारण अधिकार था, श्रृंगार रचना करने में तो वे परिपूर्ण थे उनके प्रेम विषय पर ही सात संग्रह प्रकाशित हुए जिनमें प्रेम फुलवारीह्न, प्रेम-प्रलापह्न, प्रेमाश्रु-वर्णनह्न, प्रेम-माधुरीह्न, प्रेम-मालिकाह्न, प्रेम-तरंगह्न, प्रेम-सरोवर शामिल हैं उनका युग समस्यापूर्ति का युग थो जिसके अभ्यास ने उन्हें आशु कवि बनायो भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को यात्राओं का बहुत शौक थोउनके द्वारा लगभग हर विधा में कलम चलाई गई। उनके मौलिक नाटक? वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति,सत्य हरिश्चंद्र,श्री चंद्रावली भारत दुर्दशा,नीलदेवी,अंधेरी नगरी विषस्य विषमौषधम्-प्रेम जोगनी,सती प्रताप जहां चर्चित है वही भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के निबंध संग्रह? नाटक, कश्मीरी कुसुम, कालचक्र, लेवी प्राण लेवी, भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है? जातीय संगम, हिंदी भाषा,संगीत सार, स्वर्ग में विचार सभा की हिंदी साहित्य में खास अहमियत है। वही भारतेन्दु हरिश्चंद्र की यात्रा रचनाओ में लखनऊ, सरयूपार की यात्रा के साथ ही उनके उपन्यासो चंद्रप्रभा, पूर्ण प्रकाश जबकि कविताओ में रोअहूं सब मिलिकै, चूरन का लटका,गंगा-वर्णन मुकरियाँ,परदे में कैद औरत की गुहार,हरी हुई सब भूमि ऊधो जो अनेक मन होते,चने का लटका आदि गहरी छाप पाठक के मन पर छोड़ते है। 9 सितंबर सन 1850 से 6 जनवरी सन 1885 तक के अल्प जीवन मे अपने रचना संसार के कारण सदा के लिए जीवंत हो जाना ही भारतेंदु हरिश्चंद्र की कलम की सफलता है। तभी तो भारतेंदु हरिश्चंद्र को आधुनिक हिंदी साहित्य का पितामह माना जाता है।

युवाओं और बुजुर्गों के बीच घमासान के आसार...

-राकेश अचल



तेजी से बूढ़े हो रहे भारत में आगामी लोकसभा चुनावों के समय असल अग्निपरीक्षा देश के युवाओं और बुजुर्गों के बीच होगी। तीसरी बार सत्ता में आने के लिए लालायित नेताओं की उम्र 74 पार की होगी और उन्हें सत्ता में आने से रोकने वाले नेताओं की उम्र ज्यादा से ज्यादा 70 साल की होगी। लेकिन सत्ता में किसी भी नेता को पहुँचाने का काम देश के युवा मतदाता ही करेंगे, क्योंकि संख्या बल में वे बुजुर्गों से ज्यादा होंगे। तीसरी बार सत्तारूढ़ होने की भविष्यवाणी कर चुके मौजूदा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का जन्म 1950 का है ,यानि वे 74 साल के हो गए है । मोदी जी के मुकाबले खड़े कांग्रेस के राहुल गांधी का जन्म वर्ष 1970 का है ,यानि वे 54 साल के हो गए है। मोदी जी ने विवाहित होने के बाद रष्ट्रसेवा केलिए अपनी पत्नी का त्याग कर दिया है जबकि राहुल ने देशसेवा के लिए अभी तक विवाह किया ही नहीं है। लगता है वे अब कांग्रेस के अटलबिहारी बनकर ही मानेंगे।राहुल गांधी के इस संकल्प से शायद मोदी जी की कांग्रेस को वंशवाद से मुक्त देखने की मुराद पूरी हो जाये , लेकिन सत्ता में तीसरी बार आने में राहुल का संकल्प ही सबसे बड़ी बाधा है। प्रधानमंत्री मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से रोकने के लिए राहुल गांधी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े इंडिया गठबंधन के खास सहयोगी समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव भी अभी 51 साल के है। उनका जन्मवर्ष 1973 है। वे लोकसभा चुनाव के असल कुरुक्षेत्र में भाजपा के सबसे प्रमुख प्रतिद्वंदी पहले भी थे और आज भी है। 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्हें हालांकि कामयाबी हासिल नहीं हुई थी किन्तु इस बार वे कांग्रेस के साथ मिलाकर चुनाव लड़ रहे हैं , इसलिए उन्हें राजनीतिक विरासत के वारिस हैं नौजवानों की इस टीम के एक और महत्वपूर्ण और परिपक्व नेता हैं आम आदमीपार्टी के अरविंद केजरीवाल। अरविंद अभी कुल 56 साल के है। पुराने नौकरशाह हैं और इस समय उनकी पार्टी की दिल्ली के साथ ही पंजाब में सरकार भी है। अरविंद केजरीवाल ने भी इंडिया गठबंधन से गठजोड़ कार लोकसभा चुनाव में उतरने का फैसला किया है। वे भाजपा की बी पार्टी की पहचान से मुक्ति पा चुके हैं ,उन्हें इंडिया गठबंधन से अलग रखने के लिए ईडी और सीबाई आई भी भाजपा के काम नहीं आयी ,केजरीवाल भाजपा को उसके गढ़ गुजरात में भी आँखें दिखा चुके हैं और गोवा में भी। आगामी लोकसभा संग्राम की एक और प्रमुख सेनानी बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी है। ममता बनर्जी प्रधानमंत्री मोदी जी से पांच साल छोटी और बाकी की नौजवान टीम से सबसे वरिष्ठ है। अभी उनका इंडिया गठबंधन से पक्का गठजोड़ नहीं हो पाया है ,लेकिन वे यदि अकेले भी बंगाल में चुनाव लड़तीं हैं तो भाजपा पर भारी है। बंगाल में वे पिछले एक दशक से सत्ता में हैं और भाजपा साम,दाम,दंड और भेद का इस्तेमाल कार भी ममता को सत्ताच्युत नहीं कर पायी है । ममता की पार्टी में तोड़फोड़ के साथ ही भाजपा ने ममता के खिलाफ ईडी और सीबीआई का भी इस्तेमाल किया किन्तु बात बनी नहीं । भाजपा आजकल बंगाल में संदेशखाली में कथित अराजकता के बहाने ममता की जड़ें खोदने में लगी है। भाजपा के विजय रथ को दूसरे दल दाक्षिण में प्रवेश करने से पहले ही रोक चुके है। पूरब में मणिपुर से उठते धुंए ने भी भाजपा की संभावनाओं को धक्का पहुंचाया है । हिमालय में भी जम्मू-कश्मीर से भाजपा को बहुत कुछ उम्मीद नहीं है । केंद्र शासित अनेक क्षेत्रों में भाजपा की साख को पहले ही बट्टा लग चुका है। फिर भी भाजपा के हौसले बुलंद है। अयोध्या का राम मंदिर और राम मंदिर में विराजे रामलला भाजपा का अमोघ अस्त्र बने हुए हैं। अब भाजपा के पास अगर कोई ताकत है तो वो है बुजुर्गों की ताकत। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक साल 2023 में हर 100 लोगों में से युवाओं की संख्या महज 23 होगी. जबकि 77 लोग उम्रदराज होंगे. यानी हमारा देश अब तेजी से बूढ़ा होता जा रहा है. युवा और बुजुर्गों की आबादी को लेकर अलग-अलग राज्यों से जो ट्रेंड सामने आ रहे हैं, वो चौंकाने वाले हैं. ऐसे में देश में युवाशक्ति की आबादी कम होने और बुजुर्गों की संख्या बढ़ने का असर देश और समाज पर पड़ना तय माना जा रहा है। मोदी जी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने थे तब देश में युवाओं का प्रतिशत 27 था ,जो अब घटकर 23 हो गया है। भारत सरकार के सांख्यिकी मंत्रालय की 2022 की रिपोर्ट की मानें तो देश में जहां युवाओं की आबादी कम होती जा रही है. वहीं तेजी से बुजुर्गों की संख्या बढ़ती जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक 14 साल बाद यह स्थिति और भयावह होने वाली है.यूएनडीपी के आंकड़ों के मुताबिक पूरी दुनिया में 121 करोड़ की युवा आबादी में भारत की हिस्सेदारी करीब २१ फीसदी थी. देश में सबसे ज्यादा युवा होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी गर्व करते हैं ,लेकिन अब यही युवा शक्ति उनके हाथ से निकलती दिखाई दे रही है। हालाँकि मोदी जी ने इस युवाशक्ति को भी धर्मांध बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। अब देखना ये है कि मोदीजी जिस युवाशक्ति को नए भारत का आधारस्तंभ कहते हैं वो उनके साथ खड़ा होता है या प्रतिद्वंदी युवा नेताओं के साथ जाता है ?

भारत एक पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य



- अकील आजाद

धर्म और धर्म के बनाए हुए नियम इंसानी ज़िंदगी की खुशहाली के लिए बनाए गए हैं। प्रत्येक धर्म अपने उपदेशों में मानव कल्याण की शिक्षा देता है। इंसानियत की भलाई के सैंकड़ों उपदेश मौजूद है, यहां तक कि किसी दूसरे इंसान को पीड़ा न पहुंचे उसके लिए भी पवित्र ग्रहंतों में अनेकों उपदेश मिलते हैं जिस में यहां तक कहा गया है कि किसी को घमंड कर इतराकर चलने की भी पाबंदी है यह ग्रन्थ इतरा कर चलने से भी रोकते हैं जहां पवित्र ग्रन्थों में जमीन पर फसाद करने वालों की निंदा की गई है, वहीं दूसरी तरफ किसी बेगुनाह का कत्ल करने वाले को सारी इंसानियत का कातिल कहा गया है। इन ग्रंथो के सारे उपदेश जन भावनाओं से ओत परोत हैं भारत एक पंथ निरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य है, जिसमे संविधान ने सभी धर्मों और जातियों के लोगों को समान अधिकार और अवसर दिए जाने की बात कहीं गई है जिसे समान नागरिक संहिता भी कहा जाता है भारत के संविधान निमार्ताओं द्वारा उसे आने वाले समय में, लागू करने की बात की गई थी। देश आजाद होने के 75 साल बाद अब शायद यही उपयुक्त समय है कि देश में समान नागरिक संहिता को लागू किया जाए। सबसे पहले तो हमें इस बात को समझना होगा कि समान नागरिक संहिता किसी भी रूप में धर्म के सिद्धांतों के विपरीत नहीं है, परिस्थितियों के आधार पर नियम और कानून बनाए जाना समय की आवश्यकता होता है जो इंसानी भलाई के लिए कानून बनाए जाने या एक ऐसे देश में जहां मुख्तलिफ नजरियात मजाहिब और फिक्र के लोग रहते हैं, उन सब पर एक कानून की हुकूमत होना चाहिए। समान नागरिक संहिता नागरिकों को समान रूप से दांडिक और दीवानी विधि के दायरे में लाना चाहती है, आईपीसी और दूसरी दंड विधियों के द्वारा दांडिक विधि समस्त भारत में, समान रूप से लागू है, और बहुत से दीवानी मामलों में भी, समान नागरिक संहिता के ही तरह के नियम हैं, सरकारी नौकरी में, समान रूप से नियम लागू हैं।

समान नागरिक संहिता के द्वारा धर्म के आंतरिक मामलों में कोई हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है। वर्तमान में समान नागरिक संहिता लागू करने को लेकर राजनीति गर्म है राजनेता इसे लेकर अपनी राजनीति कर रहे हैं महत्वपूर्ण तथ्य यह है, कि कुछ लोगों के द्वारा समानता के अधिकार की प्रतीक समान नागरिक संहिता का विरोध किया जाना हास्यास्पद लगता है। जो लोग इसका विरोध धर्म और आस्था के नाम पर कर रहे हैं, विरोध स्पष्ट करता है की मात्र राजनीति के चलते किसी खास को टारगेट करने के नाम पर विरोध किया जा रहा है। जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है, सामान नागरिक संहिता सभी धर्मों के लोगों को समान अधिकार दिलाने के लिए ही है। लेकिन इस मामले को लेकर राजनीतिक स्टैंड अलग-अलग है जिससे साधारण सा मामला उलझ कर रह गया है।

आज का राशिफल

मेष आज दौड़भाग में बीतेगा और आज आप दिन भर किसी कार्यक्रम की व्यवस्था करने में लगे रहेंगे।

वृषभ आपके मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आज का दिन उत्तम प्रकार की धन सम्पत्ति दायक है।

मिथुन आज का दिन सफलता से भरा होगा। आज का दिन भागदौड़ और विशेष प्रकार की चिंता में बीतेगा।

कर्क आज भाग्य का साथ मिलेगा और आपको उत्तम संपत्ति की प्राप्ति होगी।

सिंह बुध के साथ होने से कार्यस्थल में स्थान परिवर्तन आपके लिए अच्छा मोड़ सिद्ध होगा।

कन्या आज भाग्य साथ देगा। आपकी योजनाएं सफल होंगी और धन सम्मान में वृद्धि होगी।

तुला सम्मान में वृद्धि होगी और पराक्रम में वृद्धि से संतोष होगा। आज का दिन आनंद में बीतेगा।

वृश्चिक आपको अपने कार्य सुधारने का मौका मिल सकता और आपकी योजनाएं सफल होंगी।

धनु आपको अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति कराकर कोषवृद्धि कर सकता है।

मकर व्यस्तता का संकेत दे रहे हैं। व्यापार व्यवसाय की तरफ ध्यान देना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए।

कुंभ आज भाग्य में वृद्धि होगी। धन और कीर्ति में वृद्धि होगी। आपके शत्रुओं से चुनौती मिल सकती है।

मीन सम्मान में वृद्धि होगी और आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। घरेलू स्तर पर भी मांगलिक कार्य होंगे।

विशेष

किसान आंदोलन के कारण अकाली दल और रालोद की परेशानी बढ़ी

भारतीय जनता पार्टी ने सुनयोजित रणनीति के तहत 9 फरवरी को, पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने का ऐलान किया था। इसके पहले रालोद के साथ उत्तर प्रदेश में गठबंधन की बात तय हो चुकी थी। जयंत चौधरी भाजपा के साथ तालमेल करने के लिए तैयार थे।कुछ इसी तरीके की स्थिति पंजाब में थी।जहां अकाली दल एक बार फिर भाजपा के साथ आने के लिए तैयार हो गया था।अमरिंदर सिंह ने इस गठबंधन के लिए बड़ा प्रयास किया था। वह सफल भी हो गए थे। इसी बीच पंजाब के किसानों का आंदोलन शुरू हो गया। सरकार ने पुराने किसान नेताओं को अपने पाले में लाकर खड़ा कर लिया था। लेकिन इस बार पंजाब के किसानों ने जो प्रदर्शन शुरू किया। उसमें हरियाणा और उत्तर प्रदेश के भी किसान जुड़े हुए हैं। उसके बाद रालोद के जयंत चौधरी और अकाली दल भाजपा के साथ जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। किसान आंदोलन को देखते हुए दोनों ही राजनीतिक दलों ने भाजपा से अब अपनी दूरी बना ली है।दोनों ही पार्टी किसानों के समर्थन से चुनाव जीतती रही हैं। किसानो की नाराजगी के चलते दोनों राजनीतिक दल सांस रोक कर बैठे हुए हैं। ऐसी स्थिति में भाजपा का पंजाब में खाता नहीं खुलेगा, और उत्तर प्रदेश में रायता फैल जाएगा।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1545: स्कॉटिश फौजों ने एंक्रम मूर में ब्रिटिश सैनिकों को शिकस्त दी. 1570: पोप ने एलिजाबेथ प्रथम को समाज से बहिष्कृत कर दिया. 1586: अकबर के दरबार के नवरत्नों में एक बीरबल लड़ाई में मारे गए. 1601: इंग्लैंड में एसेक्स के अर्ल को राजद्रोह के आरोप में मौत के घाट उतार दिया गया. 1713: तुर्की के सुल्तान ने स्वीडन नरेश चार्ल्स 2वें को बंदी बना लिया. 1788: पिट्स रेग्यूलेटरी अधिनियम पारित हुआ. 1885: जर्मनी ने टांगन्यिका व जंजीबार पर कब्जा कर लिया. 1948: कम्युनिस्टों ने चेकोस्लोवाकिया में सत्ता पर कब्जा कर लिया. 1954: कर्नल गमाल अब्दुल नासिर मिस्र के प्रधानमंत्री बने. 1956: सोवियत प्रधानमंत्री निकिता कुश्चेव ने जोसफ स्टालिन की आलोचना की. 1978: येरूशलम पर इसरायली कब्जे की नदा करने वाले राष्ट्र के प्रस्ताव पर अमरीका ने वीटो किया. 1986: फिलीपींस के राष्ट्रपति फडीनांड मार्कोस ने इस्तीफा दिया.

दैनिक पंचांग

25 फरवरी 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.25 बजे से
चंद्र	सिंह में	मेष	08.55 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	10.35 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.34 बजे से
गुरु	मेष में	कर्क	14.47 बजे से
शुक्र	मकर में	सिंह	17.03 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	19.15 बजे से
राहु	मीन में	तुला	21.26 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.40 ब.से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	धनु	01.56 बजे से
		मकर	04.02 बजे से
		कुंभ	05.48 बजे से

रविवार 2024 वर्ष का 56 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण
तिथि प्रतिपदा 20.36 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी 01.24 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सुकर्मा 14.28 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 20.36 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.1 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 09° 22'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871900
जूलियन दिन 2460365.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना सावान
तारीख 14
विशेष अट्टुकल पोंगल, इष्टि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक	
चर	07.23 से 08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक		चर	08.41 से 10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक		रोग	10.14 से 11.46 बजे तक	
काल	11.46 से 01.14 बजे तक		काल	11.46 से 01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore



बॉस से छुट्टी मांगते वक्त इन बातों का रखें खास ध्यान

बॉस से छुट्टी मांगना आमतौर पर आसान नहीं होता है। कई बार प्लान बनाने से पहले ही सोचना होता है कि छुट्टी कैसे मिलेगी। हालांकि, कई बार छुट्टी लेने के कुछ और तरीकों को भी अपनाकर आप अपने बॉस से लंबी छुट्टी ले सकती हैं। आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि जब आप अपने बॉस से छुट्टी मांगने जाती हैं तो आपको किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

प्री प्लान करें

छुट्टी के लिए अचानक से बोलने पर हो सकता है कि आपको छुट्टी नहीं मिले। अगर आपको छुट्टी चाहिए तो आपको अपने बॉस से पहले से बात कर लेना चाहिए। ऐसे में आपको आसानी से छुट्टी मिल सकती है। इसके अलावा, आपकी गैर-मौजूदगी में आपका काम कौन संभालने वाला है, इसके बारे में भी आपको अपने बॉस से बात कर लेना चाहिए।

बैकअप प्लान करें

लंबी छुट्टी अप्लाई करते समय आपको बैकअप का प्लान तैयार कर लेना चाहिए, ताकि आपकी गैर-मौजूदगी में किसी भी तरह की दिक्कत आती है, तो आपको ज्यादा परेशान होने की जरूरत ना हो। बैकअप बनाने के बाद अगर आप छुट्टी के लिए अप्लाई करते हैं, तो आपको आसानी से छुट्टी मिल जाएगी।

छुट्टी का कारण

अगर आपको अचानक छुट्टी चाहिए, तो सॉलिड कारण लेकर ही बॉस के पास छुट्टी मांगने जाना चाहिए। अगर आप यह बोलेंगे कि आपको घूमने जाना है, तो हो सकता है कि आपको छुट्टी न मिल पाए। ऐसे में आपको पहले से कारण तैयार रखना होगा कि आपको अपने बॉस से क्या कहना है।

बॉस का मूड देखकर बात करें

आपको छुट्टी मांगने से पहले अपने बॉस का मूड देख लेना चाहिए। अगर आपके बॉस का मूड अच्छा है, तो आपको तुरंत छुट्टी मिल सकती है। बॉस का मूड खराब होने पर आपको छुट्टी मिलने में दिक्कत हो सकती है । ऐसे में मूड के हिसाब से ही आपको बात करना चाहिए।



साइंस की फील्ड में ये कोर्स करने के बाद स्टूडेंट्स हो सकते हैं मालामाल

साइंस के क्षेत्र में अच्छे कोर्स करने के बाद, छात्र मालामाल हो सकते हैं, जो उन्हें अनेक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान कर सकते हैं। यहां कुछ कोर्स हैं जो छात्रों को साइंस क्षेत्र में सफलता की ओर ले जा सकते हैं। इन कोर्स के साथ-साथ, छात्रों को निरंतर अध्ययन करने का प्रैक्टिकल अनुभव भी मिल सकता है।

स्पेस टेक्नोलॉजी

स्पेस टेक्नोलॉजी, विज्ञान की वह शाखा है, जिसके अंतर्गत कॉस्मोलॉजी, स्टारर साइंस, एस्ट्रोफिजिक्स, प्लेनेटरी साइंस, एस्ट्रोनॉमी आदि विषयों का अध्ययन किया जाता है। इस विषय में डिग्री हासिल करने के बाद आप स्पेस साइंटिस्ट, एस्ट्रोनॉमर, एस्ट्रोफिजिसिस्ट, मैटीरियोलॉजिस्ट, क्वालिटी एश्योरेंस स्पेशलिस्ट, रडार टेक्नीशियन, सेटेलाइट टेक्नीशियन आदि के रूप में नासा, इसरो एवं डीआरडीओ जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में काम के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। स्पेस टेक्नोलॉजी के लिए योग्यता फिजिक्स, केमिस्ट्री व मैथमेटिक्स के साथ बारहवीं होनी चाहिए। ये प्रोग्राम पास करने के बाद आप स्पेस साइंस के बैचलर प्रोग्राम में दाखिला ले सकते हैं। इसके लिए आपको ऑल इंडिया लेवल पर आयोजित प्रवेश परीक्षा पास करनी होगी। स्नातक के बाद आप मास्टर्स कर सकते हैं। आप अगर इस क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन प्राप्त करना चाहते हैं, तो आपको पीएचडी करना होगा।

कहां से करें कोर्स

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी
- तिरुवनंतपुरम नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, भुवनेश्वर।
- आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जरवेशनल साइंसेज,
- नैनीताल इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स, बेंगलुरु।

फूड टेक्नोलॉजी

अच्छे खानपान का शौक रखने के साथ फूड प्रोडक्ट में प्रयोग होने वाले रसायनों, खाद्य पदार्थों के रखरखाव, उन्हें पैक करने के तरीकों एवं मार्केटिंग से संबंधित बातों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए फूड साइंस एवं टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग में एक बेहतरीन करियर ऑप्शन बन कर उभरा है। एक फूड टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में छात्र फूड प्रोसेसिंग कंपनियों, फूड रिसर्च लेबोरेटरी, होटल, रेस्टोरेंटों, एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में करियर की संभावनाएं तलाश सकते हैं।

योग्यता क्या होगी?

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, मैथ्स या होम साइंस के साथ 12वीं पास होना अनिवार्य है। इसके बाद आप फूड साइंस, केमिस्ट्री या माइक्रोबायोलॉजी में बैचलर डिग्री कर सकते हैं। बैचलर डिग्री करने के बाद फूड केमिस्ट्री, मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस और अन्य क्षेत्रों में एडवांस डिग्री भी कर सकते हैं। आप चाहें तो डायटेटिक्स एंड न्यूट्रिशन और फूड साइंस एंड पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन में डिप्लोमा कर सकते हैं। स्नातक के बाद परास्नातक व रिसर्च करने का विकल्प भी है।

कहां से करें कोर्स

- सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रॉप प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी
- नेशनल एग्री फूड बायो टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट
- राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी, कोटा
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन
- नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट अन्ना यूनिवर्सिटी

मरीन इंजीनियरिंग

मरीन इंजीनियरिंग असल में इंजीनियरिंग की एक शाखा है, जिसमें जहाजों, नावों, पनडुब्बियों और अन्य जलयानों को डिजाइन किया जाता है। मरीन इंजीनियर समुद्री जहाज के सफलतापूर्वक संचालन में अहम भूमिका निभाते हैं और समुद्र एवं उसके आसपास उपयोग की जाने वाली मशीनों का डिजाइन, रखरखाव, निर्माण करते हैं। इस विषय में डिग्री हासिल करने के बाद आप गवर्नमेंट एवं प्राइवेट शिपिंग कंपनियों, से क्राफ्ट डिजाइनिंग एवं बिल्डिंग, इंजन प्रोडक्शन फर्म में आकर्षक जॉब हासिल कर सकते हैं। मरीन इंजीनियर के लिए भारत और विदेश में भी करियर के अवसरों की एक विस्तृत गुंजाइश है।



भारतीय नौसेना के पनडुब्बी विभाग में जॉब कर सकते हैं।

योग्यता क्या होगी?

- साइंस बैकग्राउंड के छात्र मरीन इंजीनियरिंग या ओशेन इंजीनियरिंग में बीई या बीटेक कोर्स के साथ इस करियर में दाखिल हो सकते हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के बाद इस विषय में मास्टर्स कर सकते हैं।

कहां से करें कोर्स

- इंडियन मेरीटाइम यूनिवर्सिटी, कोलकाता
- आईआईटी मद्रास
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस मरीन इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराते हैं।

फॉरेंसिक साइंस

फॉरेंसिक साइंस आपराधिक न्याय प्रणाली का एक अहम हिस्सा है। फॉरेंसिक साइंटिस्ट किसी घटना से जुड़े छोटे-छोटे सुराग के जरिये मुजरिम तक पहुंचने और उनसे संबंधित वैज्ञानिक पहलुओं को समझने के काम करते हैं। आप अगर साइंस बैकग्राउंड के छात्र हैं और जुर्म करने वाले को किसी भी हाल में सामने लाने का जुनून रखते हैं, तो फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते है। फॉरेंसिक एक्सपर्ट के लिए सरकारी और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में जॉब के मौके उपलब्ध हैं। गवर्नमेंट सेक्टर में आप इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी), सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई), स्टेट पुलिस फोर्स के क्राइम सेल, गवर्नमेंट व स्टेट फॉरेंसिक लैब में काम कर सकते हैं। वहीं, प्राइवेट सेक्टर में प्राइवेट डिटेक्टिव एजेंसी में फॉरेंसिक एक्सपर्ट बन सकते हैं। आप चाहें तो फॉरेंसिक टीचर के रूप में भी करियर बना सकते हैं।

योग्यता क्या होगी?

साइंस स्ट्रीम से बारहवीं पास करने के बाद आप फॉरेंसिक साइंस में स्नातक कर सकते हैं। स्नातक के बाद फॉरेंसिक साइंस और क्रिमिनोलॉजी में एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं, मास्टर करने के लिए आपको फिजिक्स, केमिस्ट्री, जूलॉजी, बॉटनी, बायो केमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, बी फार्मा, बीडीएस और एप्लाइड साइंस में से किसी एक विषय के साथ न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों से स्नातक पास करना होगा। अगर आप फॉरेंसिक स्पेशलिस्ट बनना चाहते हैं, तो आपको एमबीबीएस डिग्री प्राप्त करनी होगी और इसके बाद फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी में एमडी भी करना होगा।

कहां से करें कोर्स

- लोक नायक जयप्रकाश नारायण नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फॉरेंसिक साइंस, दिल्ली
- सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, हैदराबाद
- सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, चंडीगढ़
- डॉ भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी, आगरा
- गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी
- बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी

इन संस्थानों से आप बीएससी इन फॉरेंसिक साइंस, डिप्लोमा इन फॉरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी, डिप्लोमा इन फॉरेंसिक साइंस एंड लॉ, एमएससी इन क्रिमिनोलॉजी एंड फॉरेंसिक साइंस, एमएससी इन साइबर फॉरेंसिक्स एंड इनफॉर्मेशन सिक्योरिटी आदि कोर्स कर सकते हैं।



डॉक्टर बनने का रखते हैं सपना तो आज ही नीट यूजी के लिए ऐसे करें अप्लाई

भारत में मेडिकल प्रोग्राम को आगे बढ़ाने के लिए, उम्मीदवारों को नीट के लिए परीक्षा दिशानिर्देशों का पालन करना होता है, जो कई कैटेगरी से आने वाले छात्रों के लिए अलग-अलग होती हैं। नीट 2024 में शामिल होने के लिए, उम्मीदवारों को एनटीए के तरफ से तय की गई नीट 2024 की एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया को पूरी करनी होगी। चूंकि, इस बार एनटीए ने नीट 2024 के लिए एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया बदल दी है, इसमें बिना जीव विज्ञान विषय पढ़े छात्र भी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। आयोग ने नीट 2024 में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए चिकित्सा क्षेत्र के में विस्तार करने का अहम फैसला लिया है। अब, अलग से विषय के तौर पर जीव विज्ञान या जैव प्रौद्योगिकी पढ़ने वाले उम्मीदवार भी नीट की परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। इस तरह ऐसे छात्र डॉक्टर बनने का अपना सपना पूरा कर सकते हैं।

नीट यूजी के लिए स्टेप-बाय-स्टेप ऐसे करें ऑनलाइन आवेदन

- सबसे पहले, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ऑफिसियल वेबसाइट https://neet.nta.nic.in/ पर जाएं।
- अब, वेबसाइट पर "New Registration" के लिंक को सर्च करके क्लिक करें। अपनी पर्सनल जानकारी, जैसे नाम, डेट ऑफ बर्थ, ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर दर्ज करें। कोशिश करें कि स्ट्रांग पासवर्ड बनाएं और रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को पूरी कर लें।
- फिर अपने रजिस्टर्ड ईमेल आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल करके लॉग इन करें।
- इसके बाद "Fill Application Form" के सेक्शन में जाएं और सभी जानकारी सावधानी से भरें। आपको अपनी निजी जानकारी, एकेडमिक एलिजिबिलिटी, एग्जाम सेंटर से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे। यह ध्यान रखें कि सभी जानकारी सही और सटीक हैं।
- डॉक्यूमेंट अपलोड करें, जैसे पासपोर्ट साइज फोटो, सिग्नेचर, 10 वीं और 12 वीं की मार्कशीट आदि। अपलोड किए गए डॉक्युमेंट के साइज और फॉर्मेट वेबसाइट पर दिए गए निर्देशों के मुताबिक होनी चाहिए।
- एप्लीकेशन फीस का ऑनलाइन पेमेंट करें। पेमेंट के लिए आपको क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- पूरी जानकारी भरने और डॉक्यूमेंट अपलोड करने के बाद, एप्लीकेशन फॉर्म को अच्छी तरह से चेक कर लें। फॉर्म में सारी जानकारी सही होने पर "Final Submit" बटन पर क्लिक करें।

जरूरी बातें

- अप्लिकेशन 09 फरवरी 2024 से शुरू हो चुकी है।
- अप्लाई करने की आखिरी तारीख 9 मार्च, 2024 है।
- परीक्षा की तारीख 5 मई, 2024 है।
- अप्लिकेशन फॉर्म भरते समय सावधानी बरतें और किसी भी गलती से बचें, वरना अप्लिकेशन फॉर्म रिजेक्ट हो सकता है।
- एप्लीकेशन फीस का पेमेंट समय से पहले ही कर लें।
- सभी जरूरत के डॉक्यूमेंट अपलोड करें।
- एप्लीकेशन जमा करने से पहले उसकी प्रूफरीडिंग कर लें।
- अधिक जानकारी के लिए एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट से संपर्क करें।

इन टिप्स को करें फॉलो

- परीक्षा की तैयारी के लिए NCERT की किताबों को पढ़ें।
- पिछले सालों के क्वेश्चन पेपर का प्रैक्टिस करें।
- पेपर से पहले ऑनलाइन मॉक टेस्ट दें।





किसी भी छात्र के लिए उसके करियर ऑप्शन का चयन करना एक बेहद ही महत्वपूर्ण निर्णय है। एक बार जब छात्र अपनी ग्रेजुएशन कंप्लीट कर लेते हैं तो वे अपने करियर को एक शेप देना चाहते हैं। आर्टस में बैचलर डिग्री यानी बीए एक ऐसा कोर्स है, जिसे अधिकतर बच्चे चुनते हैं।

बी.ए. करने के बाद नहीं मिल रही है नौकरी? इन करियर फील्ड में करें ट्राई

आर्टस स्ट्रीम के बच्चों के लिए बीए करना एक बेहतर ऑप्शन माना जाता है। हालांकि, इसके बाद आप पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। इसमें आप इंग्लिश से लेकर पॉलिटिक्स और मनोविज्ञान तक किसी खास विषय को चुनते हैं। अमूमन यह माना जाता है कि बीए करने के बाद करियर ऑप्शन सीमित हो जाते हैं। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। आप बीए करने के बाद कई अलग-अलग फील्ड में अपना करियर देख सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि बीए करने के बाद आप किन फील्ड में करियर बना सकते हैं-

जर्नलिज्म में आजमाएं हाथ

बीए करने के बाद एडवरटाइजिंग या जर्नलिज्म की फील्ड में करियर के अवसर देखे जा सकते हैं। आप बीए करने के बाद जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन से जुड़ा कोर्स कर सकते हैं। इसके बाद आप टीवी से लेकर रेडियो, अखबार व ऑनलाइन वेबसाइट्स आदि के लिए काम कर सकते हैं। ऑनलाइन स्ट्रीमिंग से लेकर डिजिटल जर्नलिज्म, पॉडकास्ट, ब्लॉग और एड आदि सभी इस फील्ड से जुड़े हुए हैं।

सिविल सर्विसेज की करें तैयारी

अगर आप चाहें तो बीए करने के बाद सिविल सर्विसेज एग्जाम जैसे यूपीएससी आदि की तैयारी कर सकते हैं। इसके अलावा, स्टेट लेवल एग्जाम का हिस्सा बनें। अगर आप इसे क्लीयर कर पाते हैं तो आपको बिना किसी परेशानी के आसानी से गवर्नमेंट जॉब मिल जाती है और गवर्नमेंट सर्विसेज का हिस्सा बन जाते हैं।

करें प्रोफेशनल राइटिंग

बीए करने के बाद आप प्रोफेशनल राइटिंग के क्षेत्र में भी हाथ आजमा सकते हैं। आमतौर पर, यह एक क्रिएटिव फील्ड है, जिसमें आप अपने विचारों को बेहद ही खास तरह से पेश करते हैं। यदि आपके पास साहित्य में डिग्री है, तो आप निश्चित रूप से क्रिएटिव राइटिंग की फील्ड में काम कर सकते हैं। आप स्क्रिप्ट, से लेकर भाषण, स्क्रीनप्ले, कविताएं आदि लिख सकते हैं। अगर आपका लेखन अच्छा है तो आप प्रोफेशनल राइटिंग करके अच्छी खासी कमाई कर सकती है।

करें लॉ

अगर आप बीए की डिग्री हासिल करने के बाद अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहते हैं, तो आप बैचलर ऑफ लॉ या एलएलबी चुन सकते हैं। इस तीन साल के कोर्स के बाद आपको लीगल रीजनिंग से लेकर एनवायरनमेंटल लॉ, इंश्योरेंस लॉ आदि की गहन जानकारी हो जाती है। आप चाहें तो इसके बाद एलएलएम भी कर सकते हैं।

करें बिजनेस मैनेजमेंट

बीए करने के बाद आप बिजनेस मैनेजमेंट में डिप्लोमा कर सकते हैं। यह एक साल का शॉर्ट टर्म कोर्स है, जिसमें छात्रों को अलग-अलग बिजनेस एक्टिविटीज और मैनेजमेंट से जुड़े सिद्धांतों का ज्ञान मिलता है। इसके बाद आप कई अलग-अलग आर्गेनाइजेशन के साथ मिलकर काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस भी सेटअप कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सार्वजनिक परिवहन में यात्रा के लिएप्रीपेड कार्ड से कर सकेंगे भुगतान, आरबीआई ने दी अनुमति



नईदिल्ली, एजेंसी। आरबीआई ने शुक्रवार को बैंकों व गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों को सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों के लिए भुगतान को लेकर पीपीआई (प्रीपेड कार्ड) जारी करने की अनुमति दी। इससे लोगों के लिए सार्वजनिक परिवहन में यात्रा करना आसान हो जाएगा। पीपीआई या प्रीपेड कार्ड के तहत भुगतान पहले कर दिया जाता है। इनके आने से यात्रियों के पास किराया देने के लिए नकद भुगतान के अलावा अन्य विकल्प होंगे। आरबीआई ने एक अधिसूचना में कहा, यह साधन यात्रियों को आवागमन सेवाओं के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और तेज डिजिटल भुगतान की सुविधा देगा। देशभर में सार्वजनिक परिवहन प्रणालियां हर दिन बड़ी संख्या में यात्रियों को सेवाएं देती हैं। सरकार ने जीएसटी नेटवर्क को पंजीकृत कारोबारों की सहमति पर उनके आंकड़े आरबीआई के 'पब्लिक टेक प्लेटफॉर्म फॉर फ्रिक्शनलेस क्रेडिट' के साथ साझा करने की अनुमति दे दी है। इस कदम से कारोबारी इकाइयों को जीएसटी से संबंधित साझा जानकारी के आधार पर तेजी से कर्ज पाने में मदद मिलेगी।

दिल्ली हाईकोर्ट की ओप्पो को चेतावनी, रॉयल्टी का करें भुगतान वरना बिक्री होगी बैन



नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने ओप्पो को इंटरडिजिटल के लिए बकाया सभी रॉयल्टी जमा कराने का निर्देश दिया है और यदि वह ऐसा नहीं करती है तो भारत में उसके द्वारा डिवाइस की बिक्री प्रतिबंधित की जा सकती है। न्यायालय ने ओप्पो पर पांच लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। दुनियाभर में मोबाइल डिवाइस, नेटवर्क और सेवाओं के लिए वायरलेस और वीडियो टेक्नोलॉजी मुहैया कराने वाली इंटरडिजिटल द्वारा दायर याचिका में कहा गया कि ओप्पो ने उसके 3जी, 4जी और 5जी स्टैंडर्ड एसेंशियल पेटेंट्स (एसईपी) का उल्लंघन किया था। न्यायमूर्ति प्रतिभा सिंह ने कहा, 'प्रतिवादी को वर्ष 2021-22, 2022-23, 2023-24 के लिए पिछली सभी बिक्री से संबंधित राशि इस अदालत के रजिस्ट्रार जनरल के पास तीन महीने के अंदर जमा करानी चाहिए। इस राशि को ऑटो-रिन्यूअल मोड पर ब्याज वाली सावधि जमा में रखा जाएगा।' न्यायालय ने कहा कि ऐसा नहीं किए जाने पर इंटरडिजिटल को अदालती आदेशों के गैर-अनुपालन की वजह से इंटरडिजिटल को भारत में ओप्पो द्वारा किसी भी अन्य डिवाइस की बिक्री पर रोक लगाने की मांग करते हुए अदालत के समक्ष एक आवेदन दायर करने का अधिकार है। कोर्ट ने आदेश दिया कि ट्रायल इस साल के अंत तक पूरा हो जाना चाहिए वरना ओप्पो को अतिरिक्त रकम चुकानी पड़ेगी। न्यायमूर्ति सिंह ने कहा, 'मामले में सुनवाई 2024 में पूरी हो जानी चाहिए। यदि दिसंबर 2024 तक किसी कारण सुनवाई पूरी नहीं होती है तो प्रतिवादियों को 31 मार्च 2025 तक रजिस्ट्रार जनरल के पास अतिरिक्त रकम जमा करानी होगी।' पिछले साल ओप्पो को नोकिया के साथ विवाद में इंटरिम सिक्युरिटी चुकाने का निर्देश दिया गया था।

टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर ने लगातार 7 दिन तक दिया तगड़ा रिटर्न, अभी और बढ़ेगा भाव!

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के शेयरों में तेजी पर शुक्रवार को ब्रेक लग गया। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यह शेयर 2.28 प्रतिशत गिरकर 6814.05 रुपये पर बंद हुआ। इससे पहले लगातार सात दिन तक शेयर में तेजी रही। सात कारोबारी दिनों में इसमें 36.15 फीसदी की तेजी आई है। बता दें कि गुरुवार को शेयर 9.86 प्रतिशत उछलकर एक साल के उच्चतम स्तर 7,115 रुपये पर पहुंच गया था। इस शेयर ने पिछले एक साल में लगभग 250 प्रतिशत की तेजी के साथ मल्टीबैगर रिटर्न दिया है।

स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और एनएसई ने टाटा इन्वेस्टमेंट की सिक्योरिटीज को लॉन्ग टर्म एएसएम (अतिरिक्त निगरानी उपाय) स्ट्रक्चर के तहत सूचीबद्ध किया है। निवेशकों के हित को ध्यान में रखकर शेयर को शॉर्ट या लॉन्ग टर्म एएसएम स्ट्रक्चर में डाला जाता है।



कैसे रहे दिसंबर तिमाही के नतीजे

इस बीच, टाटा इन्वेस्टमेंट ने दिसंबर तिमाही के दौरान नेट प्रॉफिट में 54.19 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। इस तिमाही में प्रॉफिट 53.24 करोड़ रुपये है, जबकि एक साल पहले वित्त वर्ष में यह 34.53 करोड़ रुपये था। तिमाही के दौरान परिचालन से राजस्व 37.66 करोड़ रुपये से 34.23 प्रतिशत बढ़कर 50.55 करोड़ रुपये हो गया।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

आनंद राठी शेयर्स और स्टॉक ब्रोकर्स के जिगर एस पटेल ने कहा, शेयर को समर्थन 6700 रुपये पर होगा और ब्रेकआउट 7000 रुपये पर होगा। यह शेयर 7200 रुपये तक बढ़ सकता है। एक महीने के लिए ट्रेडिंग रेंज 6,500 रुपये से 7,300 रुपये के बीच होगी। वहीं, टिप्स2ट्रेड्स के एआर रामचंद्रन ने कहा कि टाटा इन्वेस्टमेंट में तेजी है, लेकिन डेली चार्ट पर 7,663 रुपये पर अगले ब्रेकआउट के साथ बहुत अधिक खरीदारी है। डीआरएस फिनवेस्ट के संस्थापक रवि सिंह ने कहा कि डेली चार्ट पर स्टॉक मजबूत दिख रहा है। इस शेयर के 7,500 रुपये के टारगेट तक पहुंचने की क्षमता है। स्टॉप लॉस 6,500 रुपये पर रखें। टाटा संस द्वारा प्रवर्तित, टाटा इन्वेस्टमेंट भारतीय रिजर्व बैंक के साथ रजिस्टर्ड एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है। पहले इसका नाम द इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया था। कंपनी मुख्य रूप से इक्विटी शेयरों और इक्विटी से संबंधित सिक्योरिटीज जैसे लॉन्ग टर्म निवेश में शामिल है। दिसंबर 2023 तक कंपनी में प्रमोटरों की 73.38 फीसदी हिस्सेदारी थी।

महिंद्रा मैनुलाइफ म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया मल्टी एसेट फंड, 5 मार्च तक मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, महिंद्रा मैनुलाइफ म्यूचुअल फंड ने अलग-अलग एसेट क्लास (इक्विटी, डेट और गोल्ड/सिल्वर ईटीएफ यूनिट्स) में निवेश करने के इच्छुक निवेशकों के लिए मल्टी एसेट एलोकेशन फंड को लॉन्च किया है। यह एनएफओ 20 फरवरी को खुला है और पांच मार्च को बंद होगा। इसके बाद 15 मार्च, 2024 से निरंतर बिक्री और बायबैक के लिए फिर से खुल जाएगा।

बाजार की बदलती मोबिलिटी के आधार पर फंड मैनेजमेंट द्वारा एसेट अलोकेशन को नियमित रूप से री-बैलेंस किया जाएगा। अलग-अलग पोर्टफोलियो जिसका मकसद निश्चित आय की स्थिरता, इक्विटी की विकास क्षमता और निवेशकों को इंडेक्सेशन के लाभ के साथ लंबे समय में पूंजीगत लाभ कराधान (एलटीसीजी) का अवसर प्रदान करेगा।

क्या कहा कंपनी के सीईओ ने:- महिंद्रा मैनुलाइफ इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट के एमडी और सीईओ एंथनी हेरेडिया ने कहा- हम अपने मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड के लॉन्च की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं। यह एक ऐसा उत्पाद है जो हर निवेशक के पोर्टफोलियो में हो सकता है। बाजार हमेशा चुनौतियों के साथ-साथ अवसर भी पेश करेगा और सोच-समझकर एसेट्स क्लास के बीच किया गया अलग-अलग, जोखिम को नजरअंदाज किए बिना, अवसर का सर्वोत्तम लाभ उठाने के तरीकों में से एक है।

मैकडॉनल्ड्स के आउटलेट में नकली चीज

महाराष्ट्र के अहमदनगर में स्थित मैकडॉनल्ड्स के आउटलेट पर हुई कार्रवाई



नईदिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी बर्गर चेन रेस्टोरेंट मैकडोनाल्ड्स पर महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने बड़ा एक्शन लिया है। महाराष्ट्र के अहमदनगर में स्थित मैकडॉनल्ड्स के आउटलेट पर ये कार्रवाई की गई है। इस आउटलेट में मैकडॉनल्ड्स के बर्गर में रियल चीज की जगह फेक चीज का इस्तेमाल होता पाया गया है। एफडीए ने इस मामले में कंपनी को फटकार लगाई है। एफडीए के निरीक्षण में पता चला कि प्रोडक्ट्स में जिस चीज को लिखा है वो इंग्रीडिएंट इस प्रोडक्ट में नही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस आउटलेट में चीज के नाम पर ग्राहकों से ठगी की जा रही थी। इसके अलावा नियमों का पालन नहीं करने के लिए मैकडॉनल्ड्स को दोषी ठहराया है। एफडीए ने अहमदनगर में मैकडॉनल्ड्स आउटलेट का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। आरोप है कि मैकडॉनल्ड्स ने सही जानकारी दिए बिना पनीर एनालॉग्स का इस्तेमाल किया, जिससे ग्राहक यह सोचकर गुमराह हुए कि वे असली पनीर खा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पनीर एनालॉग्स को पारंपरिक डेयरी पनीर के स्वाद और बनावट को दोहराने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एफडीए का दावा है कि मैकडॉनल्ड्स खाद्य लेबल या इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले बोर्ड पर पनीर एनालॉग्स के उपयोग का खुलासा करने में असफल रहा है। इससे ग्राहकों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंच सकता है। इस आउटलेट में निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को कहीं भी पनीर के एनालॉग्स का कोई उल्लेख नहीं मिला। चीज़ नगेट्स, चीज़ी डिप और चीज़बर्गर जैसी वस्तुओं को पनीर होने का संकेत दिए बिना इस तरह लेबल किया जा रहा था। फूड रेगुलेटर ने कहा कि कंपनी ने लोगों को गुमराह किया, इसलिए कार्रवाई की गई है।

बजट बाद रॉकेट की तरह बढ़ा एनर्जी शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। बीते एक फरवरी को अंतरिम बजट के बाद भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के शेयरों में तूफानी तेजी आई थी। इस तेजी की बदौलत शेयर 6 फरवरी 2024 को 215 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। यह शेयर के अब तक का हाई लेवल भी है। हालांकि, इसके बाद से शेयर में गिरावट का दौर शुरू हुआ और अब अपने ऑल टाइम हाई से 26 फीसदी टूट चुका है।

शुक्रवार को आई गिरावट

बीते शुक्रवार को इरेडा के शेयर में 5 प्रतिशत की गिरावट आई। बीएसई पर इरेडा के शेयर 167.75 रुपये के पिछले बंद स्तर के मुकाबले 5 प्रतिशत गिरकर 159.40 रुपये पर आ गए। बता दें कि 29 नवंबर 2023 को आईपीओ की शेयर बाजार में लिस्टिंग हुई थी और इस शेयर का 52 वीक लो 49.99 रुपये है।



एक्सपर्ट की राय

ब्रोकरेज प्रभुदास लीलाधर शिजू कुथुपालक्कल ने कहा- स्टॉक ने डेली चार्ट पर 185 रुपये क्षेत्र के पास निचले स्तर पर ब्रेकआउट देखा है। हालांकि अब भी इसमें पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। हम उम्मीद करते हैं कि एक बार 154 रुपये के स्तर पर रहने के बाद शेयर 185 रुपये के स्तर तक जा सकता है। टिप्स2ट्रेड्स के अभिजीत के मुताबिक इरेडा स्टॉक की कीमत डेली चार्ट पर 186 रुपये पर मजबूत प्रतिरोध के साथ मंदी की ओर है। यह शेयर 124 रुपये के स्तर तक लुढ़क सकता है।

इरेडा के तिमाही नतीजे

इरेडा का नेट प्रॉफिट दिसंबर तिमाही में 67 प्रतिशत बढ़कर 335.54 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के लोन बुक में वृद्धि और नेट एनपीए में साल-दर-साल 2.03 प्रतिशत से 1.52 प्रतिशत की भारी कमी के कारण प्रॉफिट में उछाल आया। तीसरी तिमाही में परिचालन से राजस्व 44.21 प्रतिशत बढ़कर 1,253.20 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल की इसी तिमाही में यह 868.98 करोड़ रुपये था।

बता दें कि इरेडा के आईपीओ का प्राइस बैंड 460 शेयरों के लॉट साइज के साथ 30-32 रुपये प्रति शेयर था। आईपीओ 21 नवंबर से 23 नवंबर तक बोली के लिए खुला था। इसका स्टॉक बीएसई और एनएसई पर इश्यू प्राइस से 56.25 प्रतिशत प्रीमियम पर सूचीबद्ध किया गया था।

अमेरिका में नौकरी छोड़कर शुरू किया कारोबार, 30 साल की उम्र में बना दी 100 करोड़ की कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर किसी काम को करने की ठान ली जाए और पूरी कोशिश की जाए तो सफलता जरूर मिलती है। दुनिया में ज्यादातर लोगों का सपना पढ़ाई करने के बाद अच्छी नौकरी करने का होता है। अगर नौकरी विदेश में हो और सैलरी भी अच्छी-खासी मिल रही हो तो उसे कोई छोड़ना नहीं चाहेगा। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अपना स्टार्टअप शुरू करने के लिए इन शानदार पैकेज वाली नौकरियों को छोड़ने से भी पीछे नहीं हटते हैं। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है अहाना गौतम ने। राजस्थान के भरतपुर की रहने वाली अहाना ने खुद का स्टार्टअप शुरू करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी थी। आज अपनी मेहनत के दम पर उन्होंने 30 साल की उम्र में 100 करोड़ की कंपनी बना दी है। आज वह बिजनेस की दुनिया में जाना-पहचाना नाम बन गई हैं।

जब अहाना अमेरिका में थी, तब उनका वजन बहुत बढ़ गया था। इसी दौरान वे अमेरिका में एक हेल्दी फूड बनाने वाले स्टोर में गई, जहां उन्हें हेल्दी फूड की ज़रूरत समझ में आई। इसी से उन्हें बिजनेस का आईडिया आया। बस फिर क्या था अहाना ने हेल्दी स्नैक्स के बिजनेस को शुरू करने का फैसला कर लिया। अमेरिका के नौकरी छोड़कर अहाना ने भारत की फ्लाइट पकड़ ली। अहाना को अपने इस बिजनेस वेंचर को शुरू करने के लिए उन्हें अपनी मां से भी मदद मिली। साल 2019 में अहाना ने ओपन सीक्रेट स्टार्टअप शुरू किया था।



अहाना एफएमसीजी सेक्टर में काम कर चुकी थी, इसलिए रिफाइंड शुगर, मैदा आदि के बारे में जानती थीं। अहाना ने तय किया कि उनके बनाये प्रोडक्ट में ना मैदा होगा, ना ही पाम आयल और ना ही कोई प्रिज़रवेटिव होंगे। अहाना गौतम की फाउंडर और सीईओ के तौर पर की गई मेहनत की बदौलत ओपन सीक्रेट आज एक ऐसा नाम है, जिसकी पहचान देश ही नहीं बल्कि विदेशों तक भी है। इस कंपनी ने इंडियन स्टार्टअप्स में ग्लोबल स्टेज पर नाम कमाने का माद्दा होने की भी झलक सबको दिखाई है। तीन सालों में उन्होंने अपनी कंपनी की वैल्यूएसन 100 करोड़ रुपये पर पहुंच दी। छोटे से आइडिया से उन्होंने बड़ा कारोबार खड़ा कर दिया।

आईआईटी बॉम्बे से की पढ़ाई

राजस्थान के भरतपुर की रहने वाली अहाना ने साल 2010 में आईआईटी बॉम्बे से केमिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री हासिल की है। इसके बाद वे आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका चली गयी और वहां उन्होंने हार्वर्ड बिज़नेस स्कूल में दाखिला लेकर एमबीए की पढ़ाई पूरी की। अहाना ने अपने ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के दौरान उन्होंने कई जगह नौकरियां की।

एनर्जी कंपनी ने शुरू किया सोलर प्रोजेक्ट, योगी सरकार से मिला था काम, 119 शेयर की कीमत

नईदिल्ली, एजेंसी। एनर्जी सेक्टर से जुड़ी कंपनी एसजेवीएन की सब्सिडयरी ने उत्तर प्रदेश में सोलर एनर्जी के प्रोजेक्ट को शुरू कर दिया है। इस खबर के बीच एसजेवीएन के शेयर शुक्रवार को लुढ़क कर बंद हुए। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन एसजेवीएन के शेयर की क्लोजिंग 119 रुपये पर हुई। यह शेयर एक दिन पहले के मुकाबले 2.10 प्रतिशत लुढ़क कर बंद हुआ। बता दें कि शेयर की पिछली क्लोजिंग 121.55 रुपये पर हुई थी। शेयर ने इसी 5 फरवरी को 170.45 रुपये के 52 वीक हाई को टच किया था। छह महीने की अवधि में यह शेयर 105 फीसदी और एक साल की अवधि में 276 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। शेयर का 52 वीक लो 30.39 रुपये है। एसजेवीएन ने शुक्रवार को कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडयरी कंपनी ने उत्तर प्रदेश के कानपुर में स्थित गुजराई सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट को चालू कर दिया है और कॉमर्शियल ऑपरेशन की तारीख (सीओडी) हासिल कर ली है। बता दें कि एसजेवीएन की सब्सिडयरी का नाम एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एसजीईएल) है। इस कंपनी ने



अपनी 50 मेगावाट की गुजराई सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट को चालू और सीओडी हासिल कर लिया है। एसजेवीएन लिमिटेड ने कहा कि कंपनी ने प्रतिस्पर्धी टैरिफ बोली के माध्यम से 2.98 प्रति यूनिट की दर पर 50 मेगावाट क्षमता की सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट जीती है, जो उत्तर प्रदेश सरकार के नवीन और नवीकरणीय विकास एजेंसी (यूपीएनईडीए) द्वारा आयोजित की गई थी।

इस प्रोजेक्ट की लागत 281 करोड़ है, और इसके लिए एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी और उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के बीच 25 वर्षों के लिए एक बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

प्रोजेक्ट का असर- एसजेवीएन ने कहा कि सोलर प्रोजेक्ट अपने पहले वर्ष में 107 मिलियन यूनिट (एमयू) अपग्रेड करने में सक्षम होगी, जिसमें 25 वर्षों की अवधि में लगभग 2,477 एमयू की अनुमानित एनर्जी प्रोडक्शन होगा। कंपनी 2030 तक 25,000 मेगावाट और 2040 तक 50,000 मेगावाट के अपने साझा विजन को हासिल करने के लिए प्रगति पर है।

तीसरी तिमाही में 6.4 फीसदी रह सकती है विकास दर, 29 फरवरी को आएंगे जीडीपी आंकड़े

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 6.4 फीसदी रहने की उम्मीद है।बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) की रिपोर्ट के मुताबिक, विनिर्माण व कंस्ट्रक्शन क्षेत्र जीडीपी में सबसे ज्यादा योगदान करेंगे। सरकार 29 फरवरी को जीडीपी के आंकड़े जारी करेगी।रिपोर्ट के अनुसार, सख्त मौद्रिक नीतियों और अन्य चुनौतियों के बीच दुनिया में मंदी का खतरा बना हुआ है। इनसे वैश्विक विकास प्रभावित होने का जोखिम है। घरेलू स्तर पर लचीलेपन के कारण भारतीय जीडीपी अन्य प्रमुखअर्थव्यवस्थाओं की तुलना में बेहतर स्थिति में है। चालू वित्त वर्ष में जीडीपी 6.8 फीसदी की दर से बढ़ सकती है। 2024-25 में यह 6.75-6.8 फीसदी रह सकती है। हालांकि, विपरीत वैश्विक स्थितियों के कारण निर्यात प्रभावित हो सकता है।



कृषि और उद्योग क्षेत्र में धीमी रहेगी वृद्धि

रिपोर्ट के अनुसार, कषि और उद्योग क्षेत्र में धीमी वृद्धि रहेगी। सेवा क्षेत्र में तेज वृद्धि की उम्मीद है। औद्योगिक क्षेत्र की विकास दर जहां 8 फीसदी रह सकती है, वहीं खनन और विनिर्माण की वृद्धि दर छह और 8.6 फीसदी रह सकती है। हालांकि, दूसरी तिमाही की तुलना में यह कम रह सकती है। ट्रैक्टर और दोपहिया वाहनों की बिक्री में नरमी से ग्रामीण मांग धीमी होने की आशंका है। हालांकि, जनवरी में ई-वे बिल जेनरेशन में वृद्धि से सेवाओं को कुछ मदद मिलेगी।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी रिपोर्ट में कहा, चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में निर्माण क्षेत्र की विकास दर बेहतर रह सकती है। इस दौरान सेवा क्षेत्र 6.7 फीसदी की रफ्तार से आगे बढ़ सकता है। दूसरी तिमाही में इसकी वृद्धि दर 5.8 फीसदी रही थी। तीसरी तिमाही के दौरान कारोबार, होटल और परिवहन क्षेत्र की विकास दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान है। कर्ज वितरणकी अच्छी स्थिति से वित्तीय क्षेत्र 6.5 फीसदी की दर से आगे बढ़ सकता है।

कंपनी बनाई पहुंचाया बुलंदियों पर, फिर शेयरहोल्डर्स ने कर दिया चलता

नईदिल्ली, एजेंसी। कंपनी का टर्नओवर अरबों रुपयों में पहुंचा, लेकिन इन फाउंडर्स को बाद में शेयरहोल्डर्स ने कंपनी से बाहर निकाल दिया। आज हम आपको ऐसे ही फाउंडर्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्होंने अपनी मेहनत से कंपनी को नई ऊंचाईयों पर पहुंचा, लेकिन बाद में उन्हें कंपनी से बाहर निकाल दिया गया।



राहुल यादव

हाउसिंग डॉट कॉम के फाउंडर राहुल यादव को भी कंपनी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था। मुंबई आईआईटी से पढ़कर निकले राहुल यादव ने हाउसिंग डॉट कॉम को सिर्फ दो साल के अंदर 130 मिलियन डॉलर का निवेश दिलवाकर बुलंदियों पर पहुंचाया था। आईआईटी में पढ़ाई करने के बाद राहुल और उनके दोस्त को मुंबई में घर ढूंढने में काफी दिक्कत हो रही थी। इसी से उन्हें इस स्टार्टअप का आईडिया आया था। साल 2012 में आईआईटी से निकलने के साथ ही उन्होंने कंपनी की स्थापना की थी।

अशनीर ग्रोवर

शार्क टैंक इंडिया के जज रहे अशनीर ग्रोवर भारत पे के को-फाउंडर थे। अशनीर ने कंपनी को नई ऊंचाईयों पर पहुंचाया था। अशनीर को भी भारत पे से बाहर निकाल दिया गया था। अशनीर को कंपनी के खिलाफ दायर मध्यस्थता में हारने के बाद कंपनी बोर्ड की सदस्यता छोड़नी पड़ी थी। अशनीर की प प्रतिशती माधुरी जैन को भी कंपनी में अनियमितता बरतने के आरोपों के बाद बर्खास्त कर दिया गया था।

बायजू रवींद्रन

एडटेक कंपनी बायजू के फाउंडर बायजू रवींद्रन को शेयरहोल्डर्स ने 23 फरवरी को कंपनी से बाहर का रास्ता दिखा दिया। कंपनी की ईजीएम में शेयरहोल्डर्स ने सर्वसम्मति से कंपनी के फाउंडर सीईओ बायजू रवींद्रन और उनके परिवार को हटाए जाने के पक्ष में वोट किया। साल 2011 में उन्होंने अपनी प प्रतिशती दिव्या गोकुलनाथ के साथ मिलकर थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड की शुरुआत की थी। उन्होंने लर्निंग ऐप बायजू तैयार किया। साल 2015 में उन्होंने इस ऐप को लॉन्च कर दिया था।

सचिन और बिन्नी बंसल

सचिन बंसल और बिन्नी बंसल ने अक्टूबर 2007 में फ्लिपकार्ट की स्थापना की थी। दोनों आईआईटी, दिल्ली के पूर्व छात्र और अमेजन के पूर्व कर्मचारी थे। कंपनी ने शुरू में देशव्यापी शिपिंग के साथ ऑनलाइन पुस्तक बिक्री पर ध्यान दिया। इसके बाद धीरे-धीरे फ्लिपकार्ट का विस्तार हुआ और साल 2008 तक कंपनी को प्रति दिन सैकड़ों ऑर्डर मिलने लगे थे। कंपनी का राजस्व बढ़ने लगा था। साल 2018 में वॉलमार्ट से अधिग्रहण डील के दौरान सचिन का फ्लिपकार्ट के बोर्ड के साथ विवाद हो गया था। उन्होंने कंपनी में अपनी पूरी हिस्सेदारी एक अरब डॉलर से अधिक में बेच दी और कंपनी से बाहर निकल गए। इसके बाद, बिन्नी बंसल ने भी वॉलमार्ट द्वारा आरोपों की जांच के बाद साल 2018 में फ्लिपकार्ट से इस्तीफा दे दिया था।

स्टीव जॉब्स

स्टीव जॉब्स, स्टीव वोजनियाक और रोनाल्ड वेन ने मिलकर इस कंपनी की शुरुआत की थी। 1 अप्रैल 1976 को इस कंपनी की स्थापना हुई थी। साल 1977 में कंपनी का नाम ऐप्पल इंक रखा गया। कंपनी के नाम के साथ-साथ उनका लोगो भी बदल गया। स्टीव जॉब्स को 1985 में अपनी ही कंपनी से निकाल दिया गया था, लगभग 10 साल बाद उन्होंने इसे अपने माता-पिता के गैरेज में शुरू किया था। हालांकि उन्होंने 90 के दशक के अंत में एपल के सीईओ के रूप में फिर वापसी की थी।

संक्षिप्त समाचार

अभय सिंह गुडफेलो क्लासिक स्क्वैश के फाइनल में



नई दिल्ली, एजेंसी। अभय सिंह ने अब्देलरहमान अब्देलखलेक पर 3-1 की आसान जीत के साथ टोरंटो में गुडफेलो क्लासिक स्क्वैश के फाइनल में प्रवेश किया। यहां प्राप्त जानकारी के अनुसार, शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय ने 9000 अमेरिकी डॉलर की प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में मिस्र के खिलाड़ी को 54 मिनट में 11-5, 6-11, 11-7, 11-6 से हराकर अपने दूसरे पीएसए चैलेंजर टूर फाइनल में प्रवेश किया। मुंबई में जेएसडब्लू विलिंगडन इवेंट जीतने के कई महीने बाद यह उनका दूसरा पीएसए चैलेंजर टूर फाइनल है। विश्व में 66वें नंबर के अभय, जिन्होंने पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में टीम स्वर्ण और मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीता था, खिताब के लिए वेल्स के इलियट मॉरिस डेवरेड से भिड़ेंगे।

साउथ अफ्रीका के धाकड़ बल्लेबाज ने 8 घंटे 19 मिनट में जड़ा तिहरा शतक



केपटाउन, एजेंसी। क्रिकेट साउथ अफ्रीका 4 डे सीरीज टूर्नामेंट में गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स ने पहला तिहरा शतक जड़ दिया। स्टब्स साउथ अफ्रीका में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में ट्रिपल सेंचुरी लगाने वाले 11वें बल्लेबाज बन गए। ट्रिस्टन स्टब्स इस टूर्नामेंट के पांच मैचों में 2 शतक लगा चुके हैं और वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। पिछले महीने ही भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू करने वाले स्टब्स ने पहले दिन बल्लेबाजी करते हुए 8 घंटे 19 मिनट के अंदर अपनी ट्रिपल सेंचुरी पूरी कर ली। अफ्रीका का यह विकेटकीपर बल्लेबाज आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी का हिस्सा है। उनके फॉर्म को देखते हुए यह माना जा रहा है कि स्टब्स दिल्ली कैपिटल्स में ऋषभ पंत की जगह विकेटकीपिंग करते हुए भी दिख सकते हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत की सधी हुई शुरूआत

दूसरे दिन भारत 219 रनों पर 7 विकेट खोए, अभी भी 134 रन पीछे



रांची, एजेंसी। रांची के मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच चल रहे चौथे टेस्ट के दूसरे दिन भारतीय टीम ने इंग्लैंड के 353 रनों के जवाब में सधी हुई शुरूआत की। कप्तान रोहित शर्मा के 2 रन पर आऊट होने के बाद जायसवाल क्रीज पर जमे और अर्धशतक लगाया। इंग्लैंड के स्पिनर बशीर ने जोरदार वापसी करते हुए भारतीय टीम को बड़े झटके दिए। लेकिन भारतीय मध्यक्रम बड़ा स्कोर नहीं बना पाया। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारतीय टीम ने 7 विकेट खोकर 219 रन बना लिए। क्रीज पर ध्रुव जुरेल (30) और कुलदीप यादव (17) बने हुए हैं। टीम इंडिया अभी भी इंगलैंड के स्कोर से 134 रन पीछे है।

इंगलैंड की शुरूआत अच्छी नहीं थी। भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप ने शुरूआत 12 ओवर में ही तीन विकेट चटकाकर इंगलैंड को बैकफुट पर भेज दिया था। लेकिन जो रूट ने एक छोर संभालते हुए शतक पूरा किया और अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। रूट ने 274 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 122रन बनाए। उन्हें जॉनी बेयरस्टो 38, जैक क्राउले 42, बेन फोक्स 47 का भी सहयोग मिला। अंत में ओली रॉबिन्सन ने 96 गेंदों पर 9 चौके और एक छक्के की मदद से 58 रन बनाए जिससे इंगलैंड की टीम 353 रन तक पहुंचने में सफल रही।

भारतीय टीम की ओर से मोहम्मद सिराज ने 18 ओवर में 78 रन देकर 2 विकेट लिए। इसी तरह आकाश दीप ने 19 ओवरों में 83 रन देकर 3 विकेट पर खत्म किया। रवींद्र जडेजा सबसे आगेरहे। उन्होंने महज 67 रन देकर 4 विकेट लिए। अश्विन एक विकेट निकालने में सफल रहे।

भारत पहली पारी

टीम इंडिया की शुरूआत भी खराब रही। पिछले मुकाबले में शतक जड़ने वाले कप्तान रोहित शर्मा 2 रन बनाकर जेम्स एंडरसन का शिकार हो गए। हालांकि इसके बाद टेस्ट सीरीज में दो दोहरे शतक जड़ चुके जायसवाल सामने आए। उन्होंने ताबड़तोड़ शॉट लगाए। शुभमन गिल ने भी उनका बाखूबी साथ दिया और टीम इंडिया को मुश्किल घड़ी से बाहर निकाल लिया। जायसवाल ने 89 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। इस दौरान शुभमन गिल 65 गेंदों पर 38 रन बनाकर आऊट हुए। क्रीज पर आए रजत पाटीदार ने शुरू में आत्मविश्वास दिखाया लेकिन वह जल्द ही शोएब बशीर की गेंद पर पगबाधा आऊट हो गए। उन्होंने 17 रन बनाए। इसी तरह रवींद्र जडेजा ने 12 रन का योगदान दिया। यशस्वी ने 73 रन बनाए और बशीर की गेंद पर बोल्ड हो गए। बशीर ने भरत की पहली पांच विकेट में से 4 अपने नाम की। सरफराज खान 14 तो अश्विन 1 रन ही बना पाए। इसके बाद ध्रुव जुरेल और कुलदीप ने पारी संभाली और स्कोर 219 तक ले गए।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

भारत- यशस्वी जयसवाल, रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज।

इंग्लैंड -जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो, बेन स्टोक्स (कप्तान), बेन फोक्स (विकेटकीपर), टॉम हार्टले, ओली रॉबिन्सन, शोएब बशीर, जेम्स एंडरसन।

यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट क्रिकेट में रचा इतिहास

रांची, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड की टीमों के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मैच रांची के झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने एक खास लिस्ट में भारत के बड़े-बड़े बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया है। जायसवाल ने टेस्ट क्रिकेट में रचा इतिहास यशस्वी जायसवाल ने रांची टेस्ट की पहली पारी में 1 छक्का जड़ते ही भारतीय क्रिकेट का एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ यशस्वी जायसवाल अभी तक 23 छक्के जड़ चुके हैं। इसी के साथ वह भारत के लिए टेस्ट में एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। इस लिस्ट में सचिन तेंदुलकर सबसे आगे हैं। उनके अपने टेस्ट करियर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 25 छक्के लगाए थे।

एक टीम के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले भारतीय

25 छक्के - सचिन तेंदुलकर - बनाम ऑस्ट्रेलिया
23 छक्के - यशस्वी जायसवाल - बनाम इंग्लैंड
22 छक्के - रोहित शर्मा - बनाम साउथ अफ्रीका
21 छक्के - कपिल देव - बनाम इंग्लैंड
21 छक्के - ऋषभ पंत - बनाम इंग्लैंड

ऐसा करने वाले दुनिया के इकलौते बल्लेबाज

यशस्वी जायसवाल इस सीरीज में काफी शानदार फॉर्म में दिखाई दे रहे हैं। वह सीरीज में 20 से ज्यादा छक्के जड़ चुके हैं। यशस्वी जायसवाल क्रिकेट के इतिहास में एक टेस्ट सीरीज के अंदर 20 या उससे ज्यादा छक्के जड़ने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं। उन्होंने इस रिकॉर्ड में रोहित शर्मा को पीछे छोड़ा है। रोहित शर्मा ने साल 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में 19 छक्के लगाए थे।

सजना का आखिरी गेंद पर छक्का, मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को हराया



बेंगलुरु, एजेंसी।। यहां के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के सीजन 2 के उद्घाटन मैच में यास्तिका भाटिया (57) और हरमनप्रीत कौर (55) के तूफानी अर्धशतकों के बाद नवोदित संजीवन सजना के आखिरी गेंद पर छक्के की मदद से मुंबई इंडियंस ने आखिरी ओवर के रोमांचक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को चार विकेट से हरा दिया।

उद्घाटन समारोह में सुपरस्टार शाहरुख खान की अगुवाई में बॉलीवुड सितारों के जलवे बिखेरने के बाद ऐलिस कैप्सी ने 53 गेंदों में 75 रनों की पारी खेली और मेग लैनिंग (31) और जेमिमा रोड्रिग्स (42) के साथ मिलकर दिल्ली कैपिटल्स को 20 ओवरों में 171/5 तक पहुंचने में मदद की। गत चैंपियन ने उन्हें पहले बल्लेबाजी करने को कहा। मुंबई इंडियंस टीम लगातार दम दिखाते हुए अंतिम ओवर में पहुंच गई। जब उसे छह गेंदों में 12 रनों की जरूरत थी, एलिस कैप्सी ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर पूजा वस्त्रकार (1) को वापस भेजा। शेफाली वर्मा के अच्छा बचाव करने के बाद अमनजोत कौर ने दो रन लिए और फिर एक रन लिया। जब तीन गेंदों पर नौ रनों की जरूरत थी, तब हरमनप्रीत ने एक चौका लगा दिया।लेकिन जब दो गेंदों पर पांच रन की जरूरत थी, तब भीड़ स्तब्ध रह गई, क्योंकि हरमनप्रीत आउट हो गईं। एनाबेल सदरलैंड ने जोरदार हीव पर एक स्कीयर पकड़ा। मुंबई इंडियंस को आखिरी गेंद पर पांच रन चाहिए थे और पहली बार सजना क्रीज पर थीं। इस भारतीय युवा खिलाड़ी ने कैप्सी को पहली ही गेंद पर मिडिल और लेग के स्लॉट में छक्का लगाकर जीत पक्की कर दी।इससे पहले, हेले मैथ्यूज के शून्य पर आउट होने के बाद यास्तिका भाटिया ने मुंबई इंडियंस को बचाए रखा। उन्होंने और नेट साइवर-ब्रंट ने दूसरे विकेट के लिए 33 गेंदों पर पचास रन जुटाए, इससे पहले यास्तिका ने 35 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया।

साइवर-ब्रंट के 19 रन पर आउट होने के बाद यास्तिका और हरमनप्रीत कौर ने तीसरे विकेट के लिए 56 रन जोड़े।हरमनप्रीत, जिन्होंने 32 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया, ने पारी को आगे बढ़ाया और अमेलिया केर (24) के साथ चौथे विकेट के लिए 44 रन जोड़े, जिससे मुंबई इंडियंस ने खुद को संभाले रखा। हालांकि, आखिरी मिनट का ड्रामा सुनिश्चित होने से पहले चीजें आगे बढ़ने पर अमेलिया केर और पूजा वस्त्राकर आउट हो गईं।इससे पहले, दिल्ली कैपिटल्स ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के जल्दी आउट होने से उबरते हुए इंग्लिश ऑलराउंडर एलिस कैप्सी की 53 गेंदों में 75 रन की पारी और कप्तान मेग लैनिंग (31) और जेमिमा रोड्रिग्स (42) के साथ उनकी दो अर्धशतकीय साझेदारियों की बदौलत चुनौतीपूर्ण स्कोर बना।

भारतीय साइकिल चालकों ने जीते 1 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक



नई दिल्ली, एजेंसी। प्रतिष्ठित एशियन ट्रैक साइक्लिंग चैंपियनशिप के तीसरे दिन विभिन्न श्रेणियों में भारतीय साइकिल चालकों का प्रभावशाली प्रदर्शन देखने को मिला। नई दिल्ली के साइक्लिंग ट्रैक पर आयोजित इस कार्यक्रम में एथलीटों ने कौशल और दृढ़ संकल्प का असाधारण प्रदर्शन किया। जूनियर महिला वर्ग में, सरिता कुमारी ने फाइनल रेस में 36.966 सेकेंड के उल्लेखनीय समय के साथ कांस्य पदक हासिल करके अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कुमारी ने पहले ही क्वालीफाइंग राउंड में 36.912 सेकेंड का समय लेकर अपना कौशल प्रदर्शित कर दिया था, जिससे उन्हें फाइनल में जगह मिल गई, जहां उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखा। इस बीच, मीनाक्षी ने महिला सीनियर व्यक्तिगत परस्यूट स्पर्धा में एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित करके अपनी ताकत और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया।

ऑस्ट्रेलिया वर्सेस न्यूजीलैंड

डेवोन कॉनवे आखिरी टी-20 से हटे, डेविड वॉर्नर भी बाहर

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने घर पर टी20 सीरीज हारने के बाद न्यूजीलैंड की टीम को एक और झटका लगा है। विकेटकीपर डेवोन कॉनवे सीरीज के आखिरी टी20 मैच से बाहर हो गए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक ओपनर डेविड वॉर्नर भी तीसरे टी20 का हिस्सा नहीं होंगे। टिम सेइफर्ट को कॉनवे की जगह टीम में शामिल किया गया है।



डेवोन कॉनवे को दूसरे मैच के दौरान अंगूठे में चोट लगी थी। वह चेज के समय बल्लेबाजी नहीं कर पाए थे। कॉनवे ऑकलैंड से वेंलिंगटन जा रहे हैं जहां उनकी इंजरी का इलाज किया जाएगा। सेइफर्ट चोट के कारण ही इस सीरीज का हिस्सा नहीं बन पाए थे। हालांकि अब उन्होंने फिटनेस हासिल करके वापसी की है।डेविड वॉर्नर मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैच से बाहर हुए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाड़ी दूसरे टी20 में उनकी जगह स्टीव स्मिथ को मौका दिया गया है। वॉर्नर की शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) तक फिट होने की संभावना है। इसमें सात से 10 दिन लग सकते हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान में कहा,''वॉर्नर को फिट होने में कुछ समय लगेगा लेकिन इससे आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप से पहले इंडियन प्रीमियर लीग में उनकी उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।'' वह इस साल जून में होने वाले टी20 विश्व कप के बाद सबसे छोटे प्रारूप को भी अलविदा कह देंगे।

नीरज चोपड़ा बने स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ द ईयर

खेल के दिग्गज सितारों से सजी नवाबी नगरी



नई दिल्ली, एजेंसी। स्पोर्ट्स अवॉर्ड में भाला फेंक में विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा को स्पोर्ट्स पर्सन ऑफ ईयर के अवार्ड से नवाजा गया। लखनऊ में आयोजित हुए इस अवॉर्ड शो में देश के कई बड़े खेल सितारों को सम्मानित किया गया।

लखनऊ में शुक्रवार को एक शानदार समारोह में, स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2023 ने विभिन्न खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन और उपलब्धियों का जश्न मनाया। ऐतिहासिक जीत से लेकर उभरती हुई प्रतिभाओं तक, इस आयोजन ने देश के समृद्ध खेलकूद परिदृश्य को प्रदर्शित किया। भाला फेंक में मौजूदा विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा को बुडापेस्ट विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में अपनी उल्लेखनीय जीत के लिए स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ द ईयर और एथलीट ऑफ द ईयर दोनों पुरस्कार अपने नाम किए। पैरा-खेलों की श्रेणी में, सुमित अंतिल और शीतल देवी को भाला फेंक और पैरा-तीरंदाजी में अपने असाधारण प्रदर्शन के लिए संयुक्त रूप से पैरा स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया। अंतिल के पैरा विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ऐतिहासिक स्वर्ण और देवी के पैरा विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन सहित उनकी उपलब्धियों ने उन्हें व्यापक प्रशंसा दिलाई।

पौराणिक ट्रैक और फील्ड एथलीट पीटी उषा को उनके शानदार करियर के सम्मान में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया, जिसमें उन्होंने एशियाई खेलों में चार स्वर्ण और सात रजत पदक जीतकर ट्रैक पर अपना दबदबा बनाया था।

बैडमिंटन के दिग्गज चिराग शेट्टी, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, एचएस प्रणय, पीवी सिंधु और अन्य को इस खेल में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी को डबल्स प्लेयर्स ऑफ द ईयर का नाम दिया गया, जबकि एचएस प्रणय ने सिंगल्स प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता। महिला वर्ग में, गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली को डबल्स प्लेयर्स ऑफ द ईयर के रूप में सम्मानित किया गया, जबकि पीवी सिंधु ने सिंगल्स प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता।

शमी और दीप्ति बने क्रिकेटर ऑफ द ईयर

मोहम्मद शमी और दीप्ति शर्मा को क्रमशः पुरुष और महिला वर्गों में क्रिकेटर ऑफ द ईयर के खिताब के साथ क्रिकेट प्रतिभा को भी मान्यता दी गई। शतरंज में, भाई-बहन आर प्रज्ञानानंदा और आर वैशाली ने अपने-अपने वर्गों में शतरंज खिलाड़ी ऑफ द ईयर पुरस्कार जीतकर इतिहास रचा है।

भारतीय पुरुषों की 4×400 मीटर रिले टीम, जिसने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एशियाई रिकॉर्ड तोड़ा और एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया, उसे टीम ऑफ द ईयर नाम दिया गया। पैरा-खेलों को भी काफी ध्यान दिया गया, जिसमें निशानेबाज अवनि लेखरा और रुद्रांश खंडेलवाल की मान्यता और भाविनबेन पटेल को पैरा-टेबल टेनिस प्लेयर ऑफ द ईयर नामित किया गया था। इस आयोजन ने उभरती हुई प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया, जिसमें तीरंदाज आदिति गोपीचंद स्वामी और निशानेबाज ईशा सिंह ने इमर्जिंग स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ द ईयर का पुरस्कार साझा किया।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रदेश के हर जिले में खेलो इंडिया सेंटर खोले जा रहे हैं। पीएम के विजन को जमीन पर उतारने के लिए यूपी सरकार हर ब्लॉक में खेलो यूपी सेंटर खोलेगी। इसमें स्थानीय खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी कोच के तौर पर नियुक्त किए जाएंगे। योगी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश-प्रदेश के भीतर एक नई खेल संस्कृति का उदय हुआ है। पीएम के नेतृत्व में खेलो इंडिया, फिट इंडिया, सांसद खेल कूद प्रतियोगिता जैसे योजनों ने परिवेश बदला है। 16व आबादी वाले यूपी की एशियन गेम्स में भारत को मिले मेडल में 25व की हिस्सेदारी रही।हम निजी खेल अकादमी को भी मदद करेंगे जिससे वहां के खिलाड़ियों को भी मदद मिल सके।

तब्बू, करीना और कृति स्टारर फिल्म क्रू का फर्स्ट लुक पोस्टर हुआ रिलीज !

महेश बाबू जल्द ही एसएस राजामौली की फिल्म में नजर आने वाले हैं। इसे फिलहाल एसएसएमबी 29 नाम दिया गया है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबर्दस्त उत्साह है। इन दिनों फिल्म की प्री-प्रोडक्शन के लिए तैयार चल रही है। वहीं, राजामौली ने कास्टिंग प्रक्रिया शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि फिल्म को लेकर निर्देशक योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। इस बीच फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। एक मीडिया रिपोर्ट की मानें तो राजामौली ने महेश बाबू को आने वाले महीनों के लिए सार्वजनिक समारोहों में दूरी बनाकर रखने की सलाह दी है। रिपोर्ट्स के दावों की मानें तो राजमौली अभिनेता के नए लुक को गुप्त रखना चाहते हैं।

इसीलिए उन्होंने महेश बाबू को यह राय दी है। बताया जा रहा है कि सुपरस्टार के नए लुक के साथ राजामौली इस किरदार से जुड़ी हर छोटी से छोटी चीज को गोपनीय रखना चाहते हैं।

इससे पहले आई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि फिल्म में महेश बाबू मस्कुलर लुक में नजर आने वाले हैं। यह भी उम्मीद है कि वह एक ऐसा किरदार निभाते नजर आएंगे जो भगवान हनुमान से जुड़ा होगा। वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में महेश बाबू फिल्म गुंटूर कारम में नजर आए थे। इस फिल्म से उन्होंने लंबे समय के बाद बड़े पर्दे पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। फिल्म की ओपनिंग अच्छी रही थी, लेकिन बाद में फिल्म हनुमान ने इसे पीछे छोड़ दिया। हालांकि, यह 100 करोड़ के क्लब में शामिल होने में कामयाब जरूर रही।

सिनेमाघरों के बाद अब यह नेटफ्लिक्स पर आ चुकी है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है।





महेश बाबू की एसएसएमबी 29 को लेकर सामने आई नई जानकारी

एकता कपूर की अपकमिंग कमर्शियल फैमिली एंटरटेनर क्रू को लेकर दर्शकों में खूब एक्साइटमेंट है। इस फिल्म में तब्बू, करीना कपूर खान और कृति सेनन हैं। कुछ दिनों पहले फिल्म की रिलीज डेट रिवील कर ऑडियंस को एक्साइट किया जा चुका है और अब मेकर्स फिल्म के पहले पोस्टर के साथ सामने आए हैं जिसमें फिल्म की लीड एक्ट्रेसेज ने अपना जादू बिखेरा हैं।

क्रू का फर्स्ट पोस्टर हुआ आउट

इस पोस्टर पर तब्बू, करीना कपूर खान और कृति सेनन बैडएस एयर होस्टेसेज के रूप में अपनी ग्लैमरस प्रेजेंस से सीधा लोगों के दिलों में लैंड कर जाती है और एक मसालेदार एंटरटेनमेंट का वादा करती हैं। पहली बार एक साथ आते हुए, ये पावरफुल एक्टर्स स्क्रीन पर धमाल मचाने की गारंटी देती हैं।

इस पोस्टर को देखते हुए कह सकते है कि ये फिल्म एक क्रेजी फ्लाइट एडवेंचर साबित होने वाली है। फिल्म से तब्बू, करीना कपूर खान और कृति सेनन का ये फर्स्ट-लुक पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, यह जोखिम में डालने का समय। हमारे क्रू से मिलें !

मां श्रीदेवी के नक्शेकदम पर जान्हवी !

देवारा के लिए सीख रही हैं तेलुगू



जान्हवी कपूर ने धड़क मूवी से बॉलीवुड में कदम रखा था। उनकी कई फिल्में रिलीज हुई और फैंस का कहना है कि हर एक फिल्म के बाद उनकी एक्टिंग में भी सुधार देखने को मिला। अब उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री का रुख किया है। उनकी पहली तेलुगू मूवी जूनियर एनटीआर के साथ है, जिसका नाम देवारा है। बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपनी नई पारी शुरू करने जा रही हैं। उनकी डेब्यू मूवी का नाम देवारा है, जिसके पहले पार्ट में वो जूनियर एनटीआर संग नजर आएंगी। सैफ अली खान विलेन के रोल में होंगे। फिल्म इस साल अक्टूबर महीने में रिलीज होगी, लेकिन इससे पहले जान्हवी ने बताया कि इस फिल्म के जरिए वो अपनी जड़ों की तरफ जा रही हैं, क्योंकि वो तेलुगू सीख रही हैं।

अपनी जड़ों के करीब जा रही हैं जान्हवी

ये कहना गलत नहीं होगा कि जान्हवी अपनी मां के नक्शे कदम पर चल रही हैं। उन्होंने कहा, मैं इंजॉय कर रही हूं कि मैं इस फिल्म का हिस्सा हूं, जो मुझे भाषा सीखने का मौका दे रही है और ये मुझे ऐसा महसूस करा रही है कि जैसे मैं अपनी जड़ों के करीब आ रही हूं।

अपनी बेटी के चलते शाहिद ने छोड़ी यह गंदी आदत



गत वर्ष सिनेमा के परदे से दूर रहे शाहिद कपूर ओटीटी प्लेटफार्म पर छाए रहे। गत वर्ष शाहिद कपूर वेब सीरीज फर्जी और अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी फिल्म ब्लडी डैडी में नजर आए थे। सीरीज और फिल्म दोनों को दर्शकों ने बहुत प्यार दिया। इस वर्ष उनकी एक फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया प्रदर्शित हुई है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी सफलता प्राप्त कर ली है। शाहिद कपूर ने करिअर की शुरुआत चॉकलेटी लवर बॉय की इमेज के साथ की थी। धीरे-धीरे वे खुद को हर तरह के रोल में आजमाने लगे। शाहिद को दर्शकों से भरपूर प्यार मिला। फैंस उनकी प्रोफेशनल लाइफ के साथ पर्सनल लाइफ में भी दिलचस्पी रखते हैं। शाहिद जितना दम अपनी एक्टिंग में लगाते हैं उतना ही वे परिवार के लिए भी समर्पित हैं। शाहिद की शादी मीरा राजपूत के साथ हुई है और उनके एक बेटा जैन व एक बेटी मीशा है। शाहिद और मीरा सोशल मीडिया पर बच्चों के साथ फोटो व वीडियो शेयर करते रहते हैं। अब शाहिद ने खुलासा किया है कि उन्होंने बेटी की वजह से स्मोकिंग की गंदी आदत छोड़ दी। एक्ट्रेस नेहा धूपिया के चैट शो 'नो फिल्टर नेहा' के छठे सीजन के पहले एपिसोड में शाहिद ने बताया कि जब मैं स्मोक करता था तो बेटी से छिपकर ऐसा करता था। बस यही वजह है कि मैंने स्मोकिंग छोड़ दी। मैंने एक दिन सोचा कि मुझे स्मोकिंग की वजह से बेटी से छिपना पड़ रहा है। उस दिन मैंने खुद को बोला कि मैं अब स्मोकिंग हमेशा के लिए छोड़ दूंगा। शाहिद के वर्कफ्रंट पर नजर डालें तो हाल ही में उनकी फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' रिलीज हुई है।

तृप्ति डिमरी ऋषिकेश में शूटिंग करते हुए मनाया जन्मदिन



नेशनल क्रश तृप्ति डिमरी एक आगामी प्रोजेक्ट के सेट पर अपना 29वां जन्मदिन मना रही हैं जिसके लिए वह इस समय ऋषिकेश में शूटिंग कर रही हैं। ऋषिकेश के लुभावने दृश्यों के बीच अपना जन्मदिन मना रही तृप्ति ने फिल्म उद्योग में अपनी यात्रा पर सोचने के लिए कुछ समय निकाला।

रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म एनिमल में अपने अभिनय से बड़े पैमाने पर प्रशंसा हासिल करने वाली अभिनेत्री ने कहा, ऋषिकेश की मनमोहक खूबसूरती के बीच वह काम करना जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है, इससे ज्यादा संतोषजनक जन्मदिन की उम्मीद नहीं कर सकती।

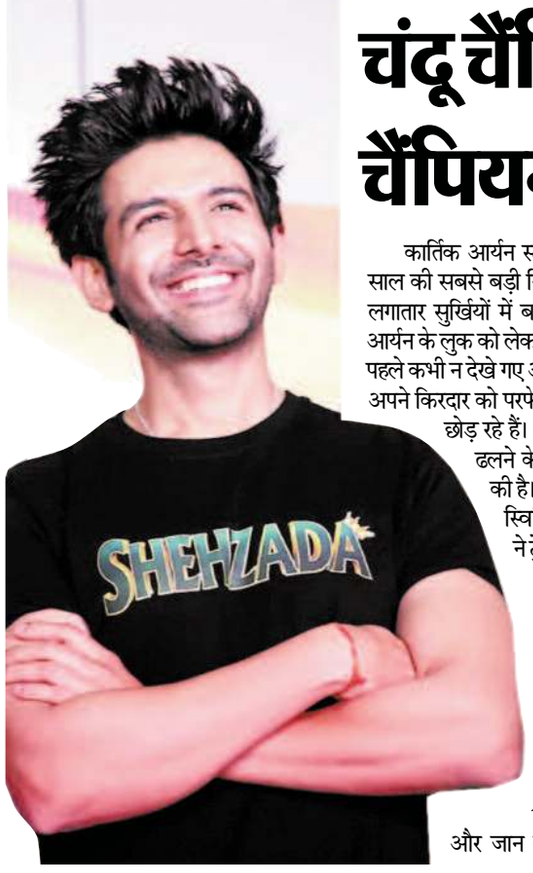
सेट पर बिताया गया क्षण एक उपहार है, और मैं अभिनय के प्रति अपने जुनून में डूबे हुए अपने विशेष दिन का जश्न मनाने के अवसर के लिए अविश्वसनीय रूप से आभारी हूं। काम के मोर्चे पर, तृप्ति डिमरी के पास पाइपलाइन में कई फिल्में हैं। इनमें राजकुमार राव के साथ विक्की विद्या का वो वाला वीडियो, विक्की कौशल और एमी विक के साथ मेरे मेहबूब मेरे सनम और कार्तिक आर्यन के साथ भूल भुलैया 3 शामिल हैं।

आमिर से पहले शाहिद को ऑफर हुई थी रंग दे बसंती

नेहा धूपिया इन दिनों अपने पॉडकास्ट शो को लेकर खासी चर्चाओं में हैं। नेहा के पॉडकास्ट शो का प्रोमो सामने आ चुका है। इस बार इस शो में शाहिद कपूर हंसी मजाक करते हुए बॉलीवुड की कुछ ऐसी बातों का जिक्र करेंगे जो दर्शकों को पता नहीं होंगी। इस दौरान शाहिद ने खुलासा किया कि उन्हें रंग दे बसंती फिल्म की पेशकश की गई थी। शाहिद ने कहा कि आमिर खान की रंग दे बसंती वह फिल्म थी, जो पहले मुझे ऑफर की गई थी। उस वक्त मेरे पास ढेर सारी फिल्में थी इसलिए मैंने वह भी नहीं की। बाद में फिल्म देखने के बाद मुझे अफसोस हुआ कि मैंने रंग दे बसंती क्यों नहीं की। उल्लेखनीय है कि रंग दे बसंती साल 2006 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसे दर्शकों का खूब प्यार मिला। फिल्म के डायरेक्टर राकेश ओमप्रकाश मेहरा थे। जब शाहिद से पूछा गया कि अगर उन्हें 'कबीर सिंह' की भूमिका दोबारा निभाने का मौका मिले तो क्या वह कुछ बदलाव करेंगे? शाहिद ने कहा कि अगर ऐसा कुछ होता है तो मैं कुछ भी नहीं बदलूंगा। मेरी भूमिका व काम किरदार निभाना था, इसके लिए लोगों को प्रेरित करना नहीं। आपको 'कबीर' पसंद नहीं, तो भी बढ़िया और है तो भी बढ़िया क्योंकि मैं यहां आपको कोई किरदार पसंद करने के लिए मनाने नहीं आया।



चंदू चैंपियन के लिए स्विमिंग चैंपियन से कार्तिक ने ली ट्रेनिंग



कार्तिक आर्यन स्टारर फिल्म चंदू चैंपियन इस साल की सबसे बड़ी रिलीज में से एक है। ये फिल्म लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म में कार्तिक आर्यन के लुक को लेकर काफी चर्चा है, जो फिल्म में पहले कभी न देखे गए अवतार में नजर आएंगे। एक्टर अपने किरदार को परफेक्ट बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। अपने किरदार में पूरी तरह से ढलने के लिए कार्तिक ने कड़ी ट्रेनिंग की है। कार्तिक आर्यन को ओलंपिक स्विमिंग चैंपियन वीरधवल खाड़े ने ट्रेन किया है।

अर्जुन अवॉर्ड विजेता और स्विमिंग चैंपियन वीरधवल खाड़े ने फिल्म के लिए कार्तिक को स्विमिंग स्किल्स में सुधार करने के लिए ट्रेनिंग दी है। वहीं कार्तिक ने भी चंदू चैंपियन के अपने किरदार को 100त्न देने के लिए अपना दिल और जान लगा दी। वीरधवल खाड़े ने फिल्म के साथ जुड़ने और कार्तिक को ट्रेन करने का अपना अनुभव भी शेयर किया। सोशल मीडिया पर कार्तिक और डायरेक्टर कबीर खान के साथ वीरधवल ने एक फोटो शेयर की है। उसके साथ कैप्शन लिखा, चंदू चैंपियन का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं!

मेरे पहले बॉलीवुड अनुभव में मुझे शामिल करने के लिए कबीर खान बॉस को धन्यवाद। ये अब भी एक सपने जैसा लगता है। (नहीं, मैं इसमें एक्टिंग नहीं कर रहा हूं) पिछले 8-10 महीनों में कार्तिक आर्यन की प्रोग्रेस से मैं हैरान हूं। इस बात से भी हैरान और खुश हूं कि उन्होंने मुझे अनफिट और थोड़ा मोटा होने का एहसास कराया है। चंदू चैंपियन को मैं बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार नहीं कर सकता। चंदू चैंपियन के लिए कार्तिक एक बड़े बदलाव से गुजरे हैं। फिल्म के लिए कार्तिक ने 8 से 10 महीने तक कड़ी ट्रेनिंग की। इसके अलावा उन्होंने मीठा खाना भी छोड़ दिया था। फिल्म की शूटिंग पूरी होने पर निर्देशक कबीर खान ने कार्तिक का मुंह रसमलाई से मीठा करवाया था। इस मौके का वीडियो का वीडियो एक्टर ने खुद इंस्टाग्राम पर शेयर किया था। अब ये जानते हुए कि उन्होंने वीरधवल खाड़े से भी ट्रेनिंग ली है, एक्टर को फिल्म में देखने का उत्साह फैंस के बीच और भी अधिक बढ़ गया है।



ऐश्वर्या को प्लास्टिक कहने पर छलका इमरान का दर्द

हिंदी सिनेमा में अपनी किसिंग कला से मशहूर इमरान हाशमी अपनी आने वाली वेब सीरीज शोटाइम में अहम भूमिका निभाते नजर आने वाले हैं। हाल ही में, एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेता ने सीरीज में अपनी भूमिका और इंडस्ट्री को लेकर कई दिलचस्प खुलासे किए हैं। यही नहीं, इमरान को एक बार फिर अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन को लेकर अपने दिए विवादित बयान की याद आ गई है।

इमरान हाशमी ने हाल ही में, खुलासा किया कि 2014 में कॉफी विद करण सीजन 4 में ऐश्वर्या राय बच्चन को प्लास्टिक कहने पर उन्हें कड़ी प्रतिक्रिया मिली थी। इसके बाद अभिनेता को अपने इस बयान का खामियाजा भी भुगतना पड़ा था। इमरान ने आगे कहा, मेरे मन में किसी के खिलाफ कुछ नहीं है। मैं बस हैंपर जीतना चाहता था। बता दें कि करण के शो में अभिनेता से पूछा गया था कि प्लास्टिक सुनकर उनके मन में किसका नाम आता है। इसपर अभिनेता ने ऐश्वर्या राय बच्चन का नाम लिया था। कॉफी विद करण के बारे में बात करते हुए इमरान ने कहा, मुझे काफी समय तक इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। आप जानते हैं कि जब वह रैपिड फायर राउंड हुआ, तो करण ने शॉट काट दिया था और उन्होंने बस सेट पर चारों ओर देखा और हर कोई मुझे हैरानी से देख रहा था।



पिता शाहरुख के नक्शे कदम पर चलीं सुहाना

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान ने हाल ही में जोया अख्तर के प्रोडक्शन में बनी फिल्म द आर्चीज से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की है। रिलीज के बाद से ही उन्हें सोशल मीडिया पर खूब प्यार और सपोर्ट मिल रहा है। सुहाना के सोशल मीडिया हैंडल पर बहुत बड़ा फैन बेस है। हाल ही में यह खबर आई है कि अभिनेत्री ने अलीबाग में एक प्रॉपर्टी खरीदी है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें शाहरुख खान की बेटी और यंग एक्ट्रेस सुहाना खान ने हाल ही में मुंबई के पास अलीबाग में एक बड़ी प्रॉपर्टी खरीदी है। खबरों की मानें तो अभिनेत्री ने थाल गांव में 9.5 करोड़ रुपये में जमीन खरीदी है। उन्होंने इसके लिए 57 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया है। दस्तावेजों के मुताबिक अलीबाग के रायगढ़ स्थित थाल गांव में पार्सल का आकार 78,361 वर्ग फुट है। रिपोर्ट्स की मानें तो लेनदेन का पंजीकरण 13 फरवरी, 2024 को हुआ था।